website: www.royalpatrika.com
G-mail: royalpatrika@gmail.com
Yahoo: royal_patrika@yahoo.com

R.N.I. No. RAJHIN/2012/48736

दैनिक रॉयल पत्रिका

वर्ष : 14 | अंक : 69 | पेज: 8 | जयपुर, बुधवार 18 फरवरी 2026 | मूल्य: 1.50 रुपये

तारिक रहमान ने पीएम पद की शपथ, नई कैबिनेट का गठन

ढाका (एजेंसी) । तारिक रहमान ने मंगलवार को बांग्लादेश के प्रधानमंत्री पद की शपथ ली और नई सरकार के गठन के साथ अपनी कैबिनेट का ऐलान किया। वे बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी के अध्यक्ष

हैं। शपथ ग्रहण समारोह नेशनल पार्लियामेंट के साउथ प्लाजा में आयोजित हुआ, जहां राष्ट्रपति मोहम्मद शहाबुद्दीन ने शाम करीब 4:15 बजे उन्हें पद और गोपनीयता की शपथ दिलाई। नई कैबिनेट में 25 कैबिनेट मंत्री और 24 राज्य मंत्रियों को शामिल किया गया है। सरकार का कहना है कि टीम में सियासी अनुभव और प्रशासनिक समझ रखने वाले नेताओं को जगह दी गई है, ताकि गवर्नेंस और पॉलिसी फैसलों में तेजी लाई जा सके। कैबिनेट मंत्रियों में मिर्जा फखरुल इस्लाम आलमगीर, अमीर खसरू महमूद चौधरी (वित्त व योजना), सलाहुद्दीन अहमद (गृह), डॉ. खलीलुर रहमान (विदेश), अब्दुल अवल मिंटू (पर्यावरण व वानिकी), खंडाकर अब्दुल मुक्तदिर (वाणिज्य) समेत कई वरिष्ठ नाम शामिल हैं। राज्य मंत्रियों की सूची में शमा ओबैद इस्लाम (विदेश राज्य मंत्री), बैरिस्टर कैसर कमाल, नूरुल हक नूर, बॉबी हज्जाज, फरजाना शर्मिन और अन्य नेताओं को जिम्मेदारी दी गई है। नई सरकार से महंगाई, आर्थिक सुधार, कानून-व्यवस्था और विदेश नीति के मोर्चे पर तेज फैसलों की उम्मीद जताई जा रही है। बांग्लादेश में कई वर्षों बाद पुरुष प्रधानमंत्री के पद संभालने को भी राजनीतिक हलकों में अहम बदलाव माना जा रहा है।

गुजरात दौरे पर भाजपा अध्यक्ष, तीन दिन में संगठन और जनसंवाद पर जोर

नई दिल्ली। भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नबीन 20 से 22 फरवरी तक गुजरात के तीन दिवसीय दौरे पर रहेंगे। अध्यक्ष पद संभालने के बाद यह उनका राज्य का पहला आधिकारिक दौरा

माना जा रहा है। दौरे के दौरान वे संगठनात्मक बैठकों, जनसंवाद कार्यक्रमों और विशेष सम्मेलनों में भाग लेंगे। भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष जगदीश विश्वकर्मा के अनुसार 20 फरवरी को दोपहर 12:30 बजे वे सरदार वल्लभभाई पटेल इंटरनेशनल एयरपोर्ट, अहमदाबाद पहुंचेंगे, जहां कार्यकर्ता उनका स्वागत करेंगे। इसके बाद वे नारनपुरा स्थित जीएससी बैंक में सांसदों और विधायकों के साथ बैठक करेंगे। शाम को गांधीनगर के इंफोसिटी में आयोजित बजट मीट में उद्योगपतियों, चार्टर्ड अकाउंटेंट, डॉक्टर और विभिन्न संगठनों के प्रतिनिधियों से संवाद करेंगे। 21 फरवरी को सुबह वे साबरमती रिवरफ्रंट पर जनसंपर्क कार्यक्रम में शामिल होंगे और भद्रकाली माता मंदिर में पूजा-अर्चना करेंगे। इसके बाद भाजपा प्रदेश कार्यालय में स्टेट ऑफिस बेयरर्स, संगठन पदाधिकारियों और सोशल मीडिया टीम के साथ अलग-अलग बैठकें करेंगे। दोपहर में वे गिफ्ट सिटी में आयोजित "यंग वॉइस समिट" को संबोधित करेंगे, जहां स्टार्टअप फाउंडर्स और युवा उद्यमियों से बातचीत होगी। शाम को जीएमडीसी हॉल में बूथ वर्कर्स कॉन्फ्रेंस में संगठन मजबूती का संदेश देंगे। 22 फरवरी को वे खड़िया क्षेत्र में जनता के साथ मन की बात कार्यक्रम सुनेंगे, जिसे नरेंद्र मोदी प्रस्तुत करते हैं। दौरे के अंत में वे दिल्ली लौट जाएंगे। प्रदेश नेतृत्व के अनुसार यह दौरा संगठन विस्तार और कार्यकर्ता सशक्तिकरण पर केंद्रित रहेगा, जिसकी सोच को अमित शाह जैसे नेताओं के संगठन मॉडल से जोड़ा जा रहा है।

दो साल में एआई सेक्टर में 200 अरब डॉलर निवेश की उम्मीद

नई दिल्ली। केंद्रीय इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री अश्विनी वैष्णव ने इंडिया एआई इम्पैक्ट समिट में कहा कि अगले दो वर्षों में भारत के कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) सेक्टर में 200 अरब अमेरिकी डॉलर से ज्यादा निवेश आने का अनुमान है। उन्होंने बताया कि

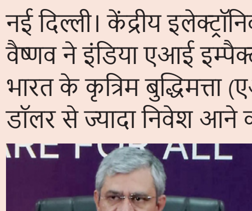

एआई की पांचों परतों—गहन तकनीक स्टार्टअप, बड़े समाधान व अनुप्रयोग, एडवांस मॉडल रिसर्च, इंफ्रास्ट्रक्चर और ऊर्जा—में तेजी से पूंजी लग रही है। इस मौके पर केंद्रीय राज्यमंत्री जितिन प्रसाद भी मौजूद रहे। भारत मंडपम में आयोजित सत्र में मंत्री ने कहा कि देश की बड़ी ताकत यह है कि करीब 51 प्रतिशत बिजली उत्पादन क्षमता स्वच्छ ऊर्जा स्रोतों से आ रही है। यह बदलाव नरेंद्र मोदी की स्वच्छ ऊर्जा प्रतिबद्धता का नतीजा है। इससे एआई के लिए जरूरी ऊर्जा ढांचे में भारत को वैश्विक बढ़त मिल सकती है। उन्होंने एआई के जोखिमों का जिक्र करते हुए कहा कि दुनिया भर में इस बात पर सहमति बन रही है कि एआई का उपयोग अच्छे कामों के लिए हो और इसके दुष्प्रभावों को रोकने के लिए तकनीकी व कानूनी दोनों उपाय जरूरी हैं। भारत का एआई सुरक्षा ढांचा शैक्षणिक संस्थानों के साथ मिलकर सेफ्टी समाधान तैयार कर रहा है। मंत्री ने बताया कि NVIDIA भारत की कई कंपनियों के साथ एआई इंफ्रास्ट्रक्चर और सॉफ्टवेयर में निवेश कर रही है। कंपनी के सीईओ जेनसन हुआंग व्यक्तिगत कारणों से कार्यक्रम में नहीं आ सके, लेकिन उनकी टीम शामिल हुई। सरकार एआई आधारित रिस्किलिंग और कॉलेज पाठ्यक्रम सुधारों से युवाओं को तैयार कर रही है।

माउंट एवरेस्ट की ऊंचाइयों तक उड़ान भरने वाला हेलीकॉप्टर बनाएंगे, मैक्रों से मिलकर बोले PM मोदी

नई दिल्ली । प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों की मंगलवार को मुंबई में मुलाकात हुई। दोनों नेताओं ने कर्नाटक के वेमगल में टाटा एडवांस्ड सिस्टम्स और एयरबस के सहयोग से बनने वाले H125 लाइट यूटिलिटी हेलीकॉप्टर की फाइनल असेंबली लाइन का वर्चुअल उद्घाटन किया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए पीएम मोदी ने कहा कि भारत और फ्रांस मिलकर ऐसा हेलीकॉप्टर बनाएंगे जो माउंट एवरेस्ट जैसी ऊंचाइयों पर भी उड़ान भर सकेगा और इसे दुनिया भर में एक्सपोर्ट किया जाएगा।

उन्होंने अपने संबोधन में मैक्रों के साथ पिछली मुलाकातों और फ्रांस के मार्सिले शहर की यात्रा का भी उल्लेख किया और प्रथम विश्व युद्ध में भारतीय सैनिकों के योगदान को याद किया।

भारत और फ्रांस के संबंध पर बड़ा बयान

पीएम मोदी ने कहा कि भारत और फ्रांस के रिश्ते बेहद विशेष और भरोसे पर आधारित हैं। फ्रांस भारत के सबसे पुराने रणनीतिक साझेदारों में शामिल है और पिछले वर्षों में इस साझेदारी को नई ऊर्जा और गहराई मिली है। उन्होंने कहा कि दोनों देश मिलकर "इंडिया-फ्रांस ईयर ऑफ इनोवेशन" के जरिए टेक्नोलॉजी और रिसर्च के क्षेत्र में लोगों के बीच सहयोग बढ़ाने पर जोर देंगे। उनका कहना था कि इनोवेशन अलग-थलग नहीं बल्कि साझेदारी से आगे बढ़ता है और दोनों देश इसी दिशा में काम कर रहे हैं।

इमैनुएल मैक्रों ने क्या कहा

मैक्रों ने अपने संबोधन में कहा कि भारत की उनकी यह चौथी आधिकारिक यात्रा है और हर बार उन्हें गर्मजोशी भरा स्वागत मिला है। उन्होंने कहा कि भारत-फ्रांस का द्विपक्षीय रिश्ता भरोसे, खुलेपन और महत्वाकांक्षा पर टिका है। दोनों देशों ने इस संबंध को स्पेशल स्ट्रेटेजिक पार्टनरशिप का नया दर्जा देने का फैसला किया है। उन्होंने इंडो-पैसिफिक, टेक्नोलॉजी, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और इंटरनेशनल सोलर सहयोग जैसे क्षेत्रों में संयुक्त पहलों का भी जिक्र किया और कहा कि कानून आधारित वैश्विक व्यवस्था में दोनों देशों का साझा विश्वास है।

राजपाल यादव लोन विवाद: कौन हैं बिजनेसमैन माधव गोपाल अग्रवाल?

नई दिल्ली। बॉलीवुड अभिनेता राजपाल यादव को 9 करोड़ रुपये के लोन विवाद मामले में दिल्ली उच्च न्यायालय से अंतरिम जमानत मिल गई है। पहले अदालत ने राहत देने से इनकार किया था, लेकिन बाद की सुनवाई में उन्हें अस्थायी जमानत दे दी गई। मामला एक कारोबारी द्वारा दिए गए कर्ज और उसके भुगतान विवाद से जुड़ा है। माधव गोपाल अग्रवाल दिल्ली के एक व्यवसायी हैं और Murli Projects Private Limited के निदेशक बताए जाते हैं। उन्होंने एक इंटरव्यू में दावा किया कि उनकी मुलाकात राजपाल यादव से एक सांसद के जरिए हुई थी। उनके मुताबिक उस समय फिल्म Bhool Bhulaiyaa लगभग पूरी थी और तुरंत फंड की जरूरत बताई गई

थी, ताकि प्रोजेक्ट अटक न जाए। इसी आधार पर उन्होंने अलग-अलग स्रोतों से रकम जुटाकर करीब 5 करोड़ रुपये दिए। विवाद की जड़ फिल्म Ata Pata Laapata के निर्माण से जुड़ी बताई जाती है। यह फिल्म 2012 में रिलीज हुई लेकिन बॉक्स ऑफिस पर कामयाब नहीं रही। इसके बाद भुगतान को लेकर तनाज़ा शुरू हो गया। अग्रवाल का आरोप है कि कर्ज चुकाने के लिए दिया गया चेक बाउंस हो गया। वहीं राजपाल यादव का कहना है कि यह रकम कर्ज नहीं बल्कि निवेश थी और कारोबारी अपने पोते को फिल्म में लीड रोल में लॉन्च करना चाहते थे। फिलहाल मामला अदालत में विचाराधीन है और अंतिम फैसला आगे की सुनवाई में होगा।

अजित पवार के प्लेन क्रैश की हो CBI जांच, डिप्टी CM सुनेत्रा पवार की मांग

मुंबई। महाराष्ट्र की उप मुख्यमंत्री सुनेत्रा पवार ने अपने दिवंगत पति और राज्य के पूर्व उप मुख्यमंत्री अजित पवार के प्लेन क्रैश हादसे की CBI से जांच कराने की मांग उठाई है। मंगलवार को सुनेत्रा पवार के साथ राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (NCP) के कई वरिष्ठ नेता मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस से मिले और औपचारिक रूप से केंद्रीय जांच की मांग रखी। 28 जनवरी को बारामती में हुए विमान हादसे में पांच लोगों की मौत बताई गई है। मुलाकात के दौरान पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष और सांसद सुनील तटकरे भी मौजूद रहे। नेताओं ने कहा कि हादसे की असली वजह सामने आना जरूरी है ताकि किसी तरह का संदेह न रहे। मीडिया से बातचीत में तटकरे ने कहा कि परिवार और पार्टी पारदर्शी जांच चाहते हैं और राज्य व केंद्र सरकार से उच्च स्तरीय जांच को तुरंत मंजूरी देने की अपील की गई है।

भतीजे रोहित पवार भी जता चुके हैं शक

बताया गया है कि अजित पवार के भतीजे रोहित पवार पहले भी इस विमान हादसे पर सवाल उठाते रहे हैं। अब सुनेत्रा पवार द्वारा CBI जांच की मांग किए जाने के बाद मामला और गरमा गया है। संजय राउत सहित कई विपक्षी नेताओं ने भी घटना को लेकर शंकाएं जताई हैं। इस मांग के बाद राज्य की सियासत में हलचल तेज हो गई है और राजनीतिक अटकलों का दौर भी शुरू हो गया है।

NCP की राष्ट्रीय अध्यक्ष चुनी गईं सुनेत्रा पवार

दूसरी ओर सुनेत्रा पवार को राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी का सर्वसम्मति से राष्ट्रीय अध्यक्ष चुने जाने की जानकारी सामने आई है। उनकी नियुक्ति पर औपचारिक मुहर 26 फरवरी को प्रस्तावित राष्ट्रीय कार्यकारिणी बैठक में लगने की बात कही गई है। सूत्रों के मुताबिक विधायक दल की बैठक में यह फैसला लिया गया, जहां पार्टी के राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष प्रफुल्ल पटेल ने उनके नाम का प्रस्ताव रखा और उपस्थित सदस्यों ने हाथ उठाकर समर्थन दिया। बैठक में कुछ विधायकों ने दोनों NCP गुटों के संभावित विलय का मुद्दा भी उठाया, लेकिन वरिष्ठ नेताओं ने इसे पवार परिवार का आंतरिक विषय बताते हुए चर्चा से अलग रखा। इसके बाद फिलहाल इस मुद्दे को स्थगित कर दिया गया।

बिहार में होगी शराबबंदी कानून की समीक्षा? RLM विधायक की मांग पर JDU ने साफ किया रुख

पटना। बिहार में 2016 से शराबबंदी कानून लागू है। करीब दस साल बाद एक बार फिर इसकी समीक्षा को लेकर सियासी बहस तेज हो गई है। मंगलवार को सदन में एनडीए के सहयोगी दल राष्ट्रीय लोक मोर्चा (RLM) के विधायक माधव आनंद ने मांग उठाई कि शराबबंदी कानून की समीक्षा होनी चाहिए। इस बयान के बाद राजनीतिक हलकों में चर्चा तेज हो गई। हालांकि जनता दल (यूनाइटेड) (JDU) ने स्पष्ट कर दिया कि कानून को कमजोर करने का सवाल नहीं है। जेडीयू के प्रवक्ता अभिषेक झा ने सहयोगी विधायक का नाम लिए बिना प्रतिक्रिया दी। उन्होंने कहा कि सरकार के बनाए हर कानून की समय-समय पर समीक्षा होती है और शराबबंदी कानून की भी होती रही है। लेकिन समीक्षा का अर्थ ढील देना या खत्म करना नहीं है। उन्होंने कहा कि कुछ लोग समीक्षा के नाम पर नरमी चाहते हैं, जो संभव नहीं है।

'जो लोग बयान दे रहे हैं उनका...'

अभिषेक झा ने कहा कि नीतीश कुमार ने शराबबंदी को मजबूती से लागू किया है और आगे भी यह जारी रहेगी। उन्होंने तंज करते हुए कहा कि बयान देने वाले नेताओं का दिल्ली प्रवास होता रहता है, जहां शराबबंदी लागू नहीं है, जबकि बिहार में सख्ती है।

शराबबंदी कानून पूरी तरह से फेल: AIMIM

ऑल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहादुल मुस्लिमीन (AIMIM) के विधायक अख्तरुल ईमान ने शराबबंदी कानून को पूरी तरह विफल बताया। उनका कहना है कि राज्य में अवैध शराब की होम डिलीवरी हो रही है और शराब माफिया को संरक्षण मिल रहा है। उन्होंने आरोप लगाया कि पाबंदी के चलते नई पीढ़ी सूखे नशे की तरफ बढ़ रही है।

RJD ने मुख्यमंत्री से मांगा जवाब

इस विवाद पर राष्ट्रीय जनता दल (RJD) के प्रवक्ता मृत्युंजय तिवारी ने कहा कि शराबबंदी की पोल अब सत्ता पक्ष के विधायक ही खोल रहे हैं। उन्होंने जहरीली शराब से मौतों और माफिया के बढ़ते प्रभाव का मुद्दा उठाते हुए मुख्यमंत्री से जवाब मांगा। वहीं राज्य सरकार के वरिष्ठ मंत्री विजय चौधरी ने दोहराया कि यह कानून सर्वसम्मति से लागू हुआ था और आगे भी लागू रहेगा।

'जिनके परिवार नहीं होते वो...', सीएम योगी के माता प्रसाद की पत्नी वाले बयान पर भड़के अखिलेश यादव

यूपी। उत्तर प्रदेश विधानसभा में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की एक टिप्पणी को लेकर सियासी विवाद खड़ा हो गया है। नेता प्रतिपक्ष माता प्रसाद पांडेय की पत्नी के संदर्भ में कथित बयान का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद विपक्ष ने कड़ी आपत्ति जताई है। अब इस मुद्दे पर पूर्व मुख्यमंत्री और समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने तीखी प्रतिक्रिया दी है। अखिलेश यादव ने कहा कि, "हमारा पीडीए परिवार जैसे-जैसे बढ़ रहा है, वैसे-वैसे अपरिवारी और अपंजीकृत लोगों का आत्मविश्वास घट रहा है।" उन्होंने मुख्यमंत्री की टिप्पणी को अनुचित बताते हुए कहा कि भरे सदन में किसी की सम्माननीय अर्द्धांगिनी के लिए अपमानजनक शब्दों का इस्तेमाल नहीं होना चाहिए।

'जिनके परिवार नहीं वो किसी अपमानजनक शब्द से कर सकते हैं संबोधित'

अखिलेश यादव ने आगे कहा, "जिनके परिवार नहीं होते, वही किसी की धर्मपत्नी के लिए अभद्र शब्द कह सकते हैं। अगर परिवार व्यवस्था इतनी खराब लगती है तो भाजपा घोषित करे कि वह परिवारों से वोट और चंदा नहीं लेगी।" बयान के बाद सत्तापक्ष और विपक्ष के बीच आरोप-प्रत्यारोप तेज हो गए हैं।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने क्या कहा था?

सोशल मीडिया पर वायरल वीडियो में दावा किया जा रहा है कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सदन के दौरान माता प्रसाद पांडेय की पत्नी को लेकर विवादित टिप्पणी की। वीडियो में उन्हें कथित तौर पर "बुढ़िया" शब्द इस्तेमाल करते हुए सुना जा रहा है। इस क्लिप के सामने आने के बाद विपक्ष ने इसे महिलाओं के सम्मान से जुड़ा मुद्दा बताया है, जबकि सत्तापक्ष की ओर से अभी आधिकारिक विस्तृत प्रतिक्रिया सामने आना बाकी है। इसी बीच लखनऊ में कांग्रेस के विधानसभा घेराव पर भी अखिलेश यादव ने प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि सरकार विरोध की आवाज स्वीकार नहीं करना चाहती और केवल अपनी बात दोहराती रहती है।

राजस्थान विधानसभा घेराव पर बवाल, कांग्रेस नेताओं पर लाठीचार्ज; पानी की बौछार

जयपुर। राजस्थान प्रदेश कांग्रेस कमेटी के खेलकूद प्रकोष्ठ की ओर से मंगलवार को विधानसभा घेराव के आह्वान पर निकले कार्यकर्ताओं और पुलिस के बीच तीखी झड़प हो गई। हालात बिगड़ते देख पुलिस ने वॉटर कैनन का इस्तेमाल किया और प्रदर्शनकारियों को तितर-बितर करने के लिए पानी की तेज बौछार की गई। कांग्रेस नेताओं का आरोप है कि इस दौरान लाठीचार्ज भी किया गया, जिसमें 12 से अधिक कार्यकर्ता घायल हुए। घटनाक्रम की शुरुआत दोपहर करीब डेढ़ बजे 22 गोदाम स्थित सहकार भवन से हुई, जहां बड़ी संख्या में कार्यकर्ता एकत्र हुए थे। सभा के बाद रैली विधानसभा की ओर बढ़ी, लेकिन पुलिस ने पहले से बैरिकेडिंग कर रास्ता रोका हुआ था। आगे बढ़ने की कोशिश के दौरान दोनों पक्षों में नोकझोंक और धक्का-मुक्की हुई। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक कुछ प्रदर्शनकारियों ने बैरिकेड हटाने का प्रयास किया, जिसके बाद पुलिस ने वॉटर कैनन चला दिया। तेज पानी की धार से कई लोग गिर पड़े और मौके पर अफरा-तफरी मच गई। स्थिति संभालने के लिए

अतिरिक्त पुलिस बल बुलाया गया। प्रदर्शन का नेतृत्व कर रहे खेलकूद प्रकोष्ठ के अध्यक्ष अमीन पठान ने पुलिस कार्रवाई को बर्बर बताया। उन्होंने कहा कि कार्यकर्ता शांतिपूर्ण ढंग से अपनी मांगें रख रहे थे, लेकिन सरकार के इशारे पर बल प्रयोग किया गया। उन्होंने घायल कार्यकर्ताओं का हवाला देते हुए आंदोलन जारी रखने की चेतावनी दी। सभा में गोविंद सिंह डोटासरा और नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली भी मौजूद रहे। डोटासरा ने मंच से राज्य सरकार पर निशाना साधा और कार्यकर्ताओं का उत्साह बढ़ाया। उनका मंच पर नृत्य करते हुए वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल बताया जा रहा है। प्रदर्शनकारियों का कहना है कि प्रदेश में खेल बजट में कटौती हुई है, खिलाड़ियों को टीए-डीए, प्रोत्साहन राशि और छात्रवृत्ति समय पर नहीं मिल रही। खेल मैदानों पर अतिक्रमण और अधूरे स्टेडियम कार्य भी मुद्दा बने हुए हैं। उन्होंने खेल ढांचे को मजबूत करने और लंबित भुगतान जारी करने की मांग का ज्ञापन विधानसभा अध्यक्ष के नाम सौंपा। पुलिस अधिकारियों के अनुसार कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए जरूरी कदम उठाए गए। प्रशासन का कहना है कि प्रदर्शन की पूर्व सूचना थी और सुरक्षा के तहत बैरिकेडिंग की गई थी। बैरिकेड तोड़ने की कोशिश पर भीड़ नियंत्रित करने के लिए पानी की बौछार की गई। घटना के बाद सियासी माहौल गरमा गया है। भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस ने इसे लोकतांत्रिक अधिकारों का दमन बताया, जबकि भारतीय जनता पार्टी ने आरोपों को राजनीतिक नौटंकी करार दिया। कांग्रेस ने चेतावनी दी है कि मांगें नहीं मानी गईं तो प्रदेशव्यापी आंदोलन होगा।

ममता बनर्जी ने चुनाव आयोग को बताया तुगलकी आयोग

-मतदाता सूचियों में हेरफेर का आरोप लगाया

कोलकाता। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने मंगलवार को निर्वाचन आयोग पर तीखा हमला बोलते हुए उसे एक राजनीतिक दल द्वारा संचालित "तुगलकी आयोग" करार दिया। उन्होंने राज्य की मतदाता सूचियों में बड़े पैमाने पर हेरफेर का आरोप लगाया। राज्य सचिवालय में पत्रकारों से बातचीत में बनर्जी ने कहा कि भाजपा आईटी सेल की एक महिला पदाधिकारी ने कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) के जरिए बंगाल में 58 लाख मतदाताओं के नाम हटवाने का काम किया। उन्होंने आरोप लगाया कि आयोग उच्चतम न्यायालय के आदेशों की अवहेलना कर रहा है और लोकतांत्रिक व्यवस्था को कमजोर किया जा रहा है। मतदाता सूची से नाम हटाने के मुद्दे पर मुख्यमंत्री ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी

के निर्देश पर विशेष गहन पुनरीक्षण (SIR) के दौरान मतदाताओं के नाम हटाए जा रहे हैं। तृणमूल कांग्रेस प्रमुख ने कहा कि तार्किक विसंगतियों का हवाला देकर आम लोगों के लोकतांत्रिक अधिकार छीने जा रहे हैं और बंगाल को राजनीतिक रूप से निशाना बनाया जा रहा है। निर्वाचन आयोग द्वारा निलंबित सात सहायक मतदाता पंजीकरण अधिकारियों (AERO) का बचाव करते हुए बनर्जी ने कहा कि अगर राज्य सरकार के अधिकारियों को निशाना बनाया गया तो सरकार उनकी पूरी सुरक्षा करेगी। उन्होंने यह भी कहा कि जिन्हें पदावनत किया गया है, उन्हें पदोन्नत किया जाएगा। मुख्यमंत्री ने दावा किया कि SIR प्रक्रिया से जुड़े दबाव और चिंता के कारण राज्य में 160 लोगों की जान चली गई।

रॉयल पत्रिका

संपादकीय....

शिक्षा के मंदिर में अनुशासन या अपमान?

हनुमानगढ़ जिले के खोथांवाली स्थित एक राजकीय विद्यालय में परीक्षा के दौरान विद्यार्थियों से जूते उतरवाने और ठंड में नंगे पैर बैठाने के आरोप ने शिक्षा व्यवस्था पर कई गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। शिक्षा का मंदिर वह स्थान होता है जहाँ ज्ञान के साथ-साथ संस्कार, संवेदनशीलता और मानवीय मूल्यों का भी विकास होता है। ऐसे में यदि बच्चों को अपमानजनक परिस्थितियों में बैठाया जाता है, तो यह केवल एक प्रशासनिक निर्णय नहीं बल्कि मानवीय संवेदना की परीक्षा भी है। परीक्षा के दौरान नकल रोकने और अनुशासन बनाए रखने के लिए कुछ नियम आवश्यक हो सकते हैं। लेकिन क्या इन नियमों का पालन इस हद तक किया जाना चाहिए कि बच्चों के स्वास्थ्य और सम्मान की अनदेखी हो जाए? कड़ाके की ठंड में विद्यार्थियों को नंगे पैर बैठाना, यदि सही है तो उसकी स्पष्ट और मानवीय व्यवस्था होनी चाहिए। अन्यथा यह कठोरता संवेदनहीनता में बदल सकती है। मामले का दूसरा पक्ष और भी चिंताजनक है। यदि कोई अभिभावक अपनी संतान के स्वास्थ्य और सम्मान को लेकर शिकायत करता है, तो उसकी बात को सुनना और समाधान देना विद्यालय प्रशासन की जिम्मेदारी है। शिकायत के बदले यदि धमकी का सहारा लिया जाता है, तो यह लोकतांत्रिक और नैतिक मूल्यों के विरुद्ध है। शिक्षा संस्थान संवाद और समाधान के केंद्र होने चाहिए, भय और दबाव के नहीं। यह भी सच है कि अक्सर परीक्षा के समय कड़ी निगरानी के निर्देश उच्च स्तर से आते हैं। परंतु स्थानीय प्रशासन का दायित्व है कि वे इन निर्देशों को लागू करते समय बच्चों की गरिमा और स्वास्थ्य का ध्यान रखें। नियमों का उद्देश्य व्यवस्था बनाए रखना है, न कि विद्यार्थियों को असुविधा या अपमान का अनुभव कराना। इस पूरे प्रकरण में आवश्यक है कि प्रशासन निष्पक्ष जांच करे। यदि नियमों के पालन में संवेदनहीनता बरती गई है तो सुधारात्मक कदम उठाए जाएं। वहीं यदि कोई गलतफहमी है, तो उसे भी स्पष्ट किया जाए। पारदर्शिता ही विश्वास को बनाए रख सकती है। अंततः शिक्षा केवल पाठ्यपुस्तकों तक सीमित नहीं होती। विद्यालय वह स्थान है जहाँ बच्चों को न्याय, संवेदना और संवाद का पाठ सिखाया जाता है। यदि वहीं इन मूल्यों का अभाव दिखे, तो समाज को आत्ममंथन करना होगा। शिक्षा के मंदिर में अनुशासन जरूरी है, पर उससे भी अधिक जरूरी है मानवीय गरिमा का संरक्षण।

विनोद सोखल
पत्रकार
श्रीगंगानगर
राजस्थान

पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव: धर्म की लहर या प्रगति की राह?

पश्चिम बंगाल में विधानसभा चुनाव की औपचारिक घोषणा भले अभी बाकी हो, लेकिन सियासी माहौल पूरी तरह गरमा चुका है। रैलियां, बयान, प्रतीक, सांस्कृतिक आयोजन और वैचारिक संदेश—सब मिलकर संकेत दे रहे हैं कि इस बार का चुनाव सिर्फ सत्ता परिवर्तन का संघर्ष नहीं, बल्कि विमर्श की दिशा तय करने वाली लड़ाई भी होगा। सवाल यह है कि क्या चुनाव विकास, रोजगार और निवेश के मुद्दों पर लड़ा जाएगा, या पहचान, अस्मिता और धर्म आधारित ध्रुवीकरण इसकी धुरी बनेगा? बंगाल की राजनीति ऐतिहासिक रूप से वैचारिक, सांस्कृतिक और सामाजिक आंदोलनों से संचालित रही है। लेकिन वर्तमान दौर में मुकाबला तेज़ी से द्विध्रुवीय होता जा रहा है, जहां मुख्य टकराव भारतीय जनता पार्टी और तृणमूल कांग्रेस के बीच सिमट गया है। यह सीधी टक्कर चुनावी भाषा और रणनीति दोनों को अधिक तीखा और भावनात्मक बना रही है।

बदलती राजनीतिक धुरी: वाम से ध्रुवीकरण तक

कभी बंगाल की पहचान वर्ग-संघर्ष, मजदूर आंदोलन और बौद्धिक राजनीति से जुड़ी रही। तीन दशकों तक भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (मार्क्सवादी) के नेतृत्व वाले वाम मोर्चे ने शासन किया। उससे पहले भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस का प्रभुत्व था। लेकिन 2011 में सत्ता परिवर्तन के साथ राजनीतिक धुरी बदल गई और एक नई प्रतिस्पर्धा उभरी—तृणमूल बनाम भाजपा। इस बदलाव ने चुनावी राजनीति को वैचारिक बहस से निकालकर पहचान आधारित टकराव की दिशा में आगे बढ़ाया। अब मुकाबला नीतियों से ज्यादा नैरेटिव का हो गया है—कौन किसका प्रतिनिधि है, कौन किसकी अस्मिता की रक्षा करेगा।

धर्म और पहचान का उभार

इस बार चुनावी रणनीतियों में धार्मिक और सांस्कृतिक प्रतीकों की भूमिका साफ दिखाई दे रही है। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सौ वर्ष पूरे होने के अवसर पर राज्य भर में प्रस्तावित हिंदू सम्मेलनों को भाजपा वैचारिक उत्सव के साथ-साथ राजनीतिक अवसर के रूप में भी देख रही है। इसके जरिए सांस्कृतिक चेतना और राजनीतिक संदेश को जोड़ने की कोशिश है। दूसरी ओर मुख्यमंत्री ममता बनर्जी भी इस बदलते विमर्श को समझ रही हैं। कोलकाता के कोलकाता के न्यू टाउन क्षेत्र में "दुर्गा आंगन" जैसे सांस्कृतिक प्रोजेक्ट का शिलान्यास केवल धार्मिक आयोजन नहीं, बल्कि बंगाली अस्मिता के पुनर्पाठ का प्रयास भी है। उनका संदेश यह है कि बंगाल की धार्मिक-सांस्कृतिक पहचान क्षेत्रीय परंपरा से जुड़ी है, न कि केवल राष्ट्रीय राजनीतिक नारों से।

भाजपा का चुनावी नैरेटिव

भाजपा का अभियान चार प्रमुख सूत्रों पर टिका दिखाई देता है:

- •हिंदू असुरक्षा का प्रश्न
- •बांग्लादेशी घुसपैठ
- •महिलाओं की सुरक्षा
- •भ्रष्टाचार के आरोप

सीमावर्ती जिलों का उदाहरण देकर जनसंख्या संतुलन बदलने की आशंका को राजनीतिक मुद्दा बनाया जा रहा है। घुसपैठ का विषय नया नहीं, पर इस बार इसे संगठित चुनावी संदेश में बदला जा रहा है। पार्टी का लक्ष्य हिंदू मतदाताओं के बड़े हिस्से में साझा चिंता और पहचान आधारित एकजुटता पैदा करना है। भर्ती घोटाले, शिक्षा नियुक्ति विवाद, मेडिकल संस्थानों से जुडे मामले और कानून-व्यवस्था के प्रश्नों को शासन की विफलता के प्रतीक के रूप में प्रस्तुत किया जा रहा है। यह रणनीति भावनात्मक और प्रशासनिक दोनों स्तरों पर असर डालने के लिए तैयार की गई है।

तृणमूल की दोहरी चुनौती

तृणमूल कांग्रेस के सामने संतुलन की कठिन चुनौती है। एक तरफ उसे अल्पसंख्यक मतदाताओं का भरोसा बनाए रखना है, दूसरी तरफ हिंदू मतदाताओं को यह विश्वास भी दिलाना है कि उनकी आस्था और परंपरा सुरक्षित है। पिछले चुनाव में जब "जय श्रीराम" का नारा राजनीतिक रूप से उभरा, तब ममता बनर्जी ने "जय मां दुर्गा" और चंडी पाठ के माध्यम से सांस्कृतिक जवाब दिया। इस बार भी उनका जोर धार्मिक पहचान को क्षेत्रीय संस्कृति से जोड़ने पर है, न कि टकरावपूर्ण राष्ट्रवादी भाषा से। उनकी रणनीति का मूल संदेश यह है—बंगाल सांस्कृतिक रूप से आस्थावान है, पर राजनीतिक रूप से बहुलतावादी।

मुस्लिम मतदाताओं का समीकरण

राज्य की कई सीटों पर मुस्लिम मतदाता निर्णायक भूमिका निभाते हैं। ऐसे में मुर्शिदाबाद जैसे इलाकों से जुड़े धार्मिक प्रतीकात्मक मुद्दों ने एक नया कोण जोड़ दिया है। यदि मुस्लिम मतों का बंटवारा होता है, तो चुनावी गणित बदल सकता है। पिछले चुनाव में तृणमूल को लगभग 48 प्रतिशत वोट और भारी बहुमत की सीटें मिली थीं, जिसमें मुस्लिम मतों का बड़ा योगदान था। भाजपा लगभग 38 प्रतिशत वोट के साथ मुख्य विपक्ष बनी। यदि इस बार 5–10 प्रतिशत वोट भी इधर-उधर खिसकते हैं, तो कई सीटों के परिणाम बदल सकते हैं। लेकिन यह केवल गणित नहीं, सामाजिक ताने-बाने का भी प्रश्न है। अधिक ध्रुवीकरण सामाजिक विश्वास को कमजोर कर सकता है।

विकास का दबा हुआ एजेंडा

धार्मिक और पहचान आधारित विमर्श के बीच विकास का सवाल अक्सर पीछे छूट जाता है। कभी देश की आर्थिक और औद्योगिक धुरी माना जाने वाला बंगाल आज निवेश और उद्योग के मामले में अपेक्षित गति नहीं पकड़ पाया है।

अधूरे इंफ्रास्ट्रक्चर प्रोजेक्ट, धीमी औद्योगिक वृद्धि, रोजगार के सीमित अवसर—ये जमीनी मुद्दे हैं। मेट्रो विस्तार, औद्योगिक कॉरिडोर, लॉजिस्टिक्स और मैन्युफैक्चरिंग जैसे क्षेत्रों में काम हुआ है, लेकिन बड़े पैमाने पर उद्योग आकर्षित करने की चुनौती अभी बाकी है। 2011 में छोटे कार प्रोजेक्ट का राज्य से बाहर जाना एक प्रतीकात्मक मोड़ बना था। भूमि अधिग्रहण विवाद ने जनसमर्थन तो दिया, पर उद्योग जगत में संशय भी पैदा किया। वर्षों बाद भी यह बहस जारी है कि संतुलन कैसे बने—किसान हित और औद्योगिक निवेश के बीच।

रोजगार और पलायन की पीड़ा

बंगाल के युवाओं का दूसरे राज्यों की ओर पलायन एक बड़ा सामाजिक प्रश्न बन चुका है। रोजगार की तलाश में बाहर जाने वाले युवाओं को कई बार पहचान के आधार पर अपमान झेलना पड़ता है। यह केवल आर्थिक मुद्दा नहीं, आत्मसम्मान से भी जुड़ा है। चुनावी मंचों पर रोजगार का वादा तो होता है, लेकिन विस्तृत रोजगार मॉडल, स्किल डेवलपमेंट ब्लूप्रिंट और उद्योग-शिक्षा तालमेल पर गहरी चर्चा कम दिखती है। यदि चुनावी बहस पहचान बनाम पहचान तक सीमित रह गई, तो रोजगार का असली सवाल फिर पीछे छूट जाएगा।

एजेंसियां, आरोप और टकराव

राज्य और केंद्र के बीच टकराव भी चुनावी माहौल को प्रभावित कर रहा है। केंद्रीय जांच एजेंसियों की कार्रवाइयों को राज्य सरकार राजनीतिक प्रतिशोध बताती है, जबकि भाजपा उन्हें कानून का पालन कहती है। इस टकराव ने प्रशासनिक संवाद को भी राजनीतिक संघर्ष में बदल दिया है। जब शासन का बड़ा हिस्सा आरोप-प्रत्यारोप में उलझ जाता है, तो नीतिगत सहयोग और विकास परियोजनाओं की गति प्रभावित होती है। इसका सीधा असर जनता पर पड़ता है।

क्या धर्म आधारित ध्रुवीकरण स्थायी समाधान है?

इतिहास बताता है कि धार्मिक उभार चुनावी ऊर्जा तो देता है, लेकिन शासन चलाने के लिए पर्याप्त नहीं होता। सरकार को अंततः शिक्षा, स्वास्थ्य, बुनियादी ढांचे, निवेश और रोजगार जैसे सवालों का जवाब देना ही पड़ता है। पहचान की राजनीति अल्पकालिक लामबंदी कर सकती है, पर दीर्घकालिक संतुलन के लिए नीति, प्रशासन और आर्थिक दृष्टि जरूरी है। यदि चुनाव "कौन" के सवाल पर अटक गया और "क्या करेगा" का सवाल गायब हो गया, तो लोकतांत्रिक जवाबदेही कमजोर हो जाएगी।

बंगाल की ऐतिहासिक आत्मा

बंगाल की पहचान विविधता, विचार और सांस्कृतिक समन्वय से बनी है। यह भूमि संतों, कवियों, विचारकों और सुधारकों की रही है। रामकृष्ण परमहंस से लेकर रवींद्रनाथ टैगोर तक—यह परंपरा समावेश और संवाद की रही है, टकराव की नहीं। यही विरासत बताती है कि बंगाल की राजनीति में बहुलतावाद कोई नया विचार नहीं, बल्कि मूल स्वभाव है। चुनावी रणनीतियां बदल सकती हैं, नारे बदल सकते हैं, पर सामाजिक आत्मा का संतुलन बनाए रखना जरूरी है।

मतदाता के सामने असली सवाल

आने वाले चुनाव में मतदाता के सामने कुछ बुनियादी प्रश्न खड़े होंगे:

- •क्या वह पहचान आधारित लामबंदी को प्राथमिकता देगा?
- •या विकास और रोजगार के ठोस एजेंडा को?
- •क्या सांस्कृतिक प्रतीक नीति का विकल्प बन सकते हैं?
- •क्या ध्रुवीकरण से स्थिर शासन संभव है?

लोकतंत्र में अंतिम फैसला जनता का होता है। राजनीतिक दल रणनीति बनाते हैं, लेकिन दिशा मतदाता तय करता है।

रास्ता किस ओर?

पश्चिम बंगाल का चुनाव केवल सीटों की लड़ाई नहीं, राजनीतिक चरित्र की भी परीक्षा होगा। धर्म और पहचान का विमर्श अपनी जगह है, लेकिन राज्य का भविष्य उद्योग, शिक्षा, निवेश, सामाजिक सद्भाव और प्रशासनिक दक्षता पर निर्भर करेगा। यदि चुनावी बहस इन ठोस मुद्दों पर लौटती है, तो यह लोकतंत्र के लिए अच्छा संकेत होगा। अगर नहीं, तो शोर बहुत होगा, समाधान कम। बंगाल के मतदाता हमेशा राजनीतिक रूप से सजग रहे हैं। इस बार भी उम्मीद यही है कि वे भावनाओं के साथ-साथ भविष्य की ठोस जरूरतों को ध्यान में रखकर फैसला करेंगे—ताकि चुनाव केवल सत्ता परिवर्तन नहीं, दिशा परिवर्तन का अवसर बन सके।

एआई कंटेंट की निगरानी का नया दौर: लेबलिंग, जवाबदेही और डिजिटल सुरक्षा की बड़ी जरूरत

आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस यानी एआई ने दुनिया की रफ्तार बदल दी है। काम तेज हुआ है, फैसले स्मार्ट हुए हैं और टेक्नोलॉजी आम आदमी की जिंदगी का हिस्सा बन गई है। लेकिन हर नई ताकत के साथ एक खतरा भी आता है। एआई के साथ भी यही हो रहा है। जहां एक तरफ यह सुविधा और तरक्की का जरिया बना है, वहीं दूसरी तरफ इसका दुरुपयोग साइबर अपराध, फर्जी कंटेंट और डिजिटल ठगी के नए दरवाजे खोल रहा है। डीपफेक वीडियो, नकली तस्वीरें, झूठे ऑडियो और एआई से बने भ्रामक संदेश अब समाज, राजनीति और कारोबार—तीनों के लिए बड़ी चुनौती बन चुके हैं। इन्हीं बढ़ते खतरों को देखते हुए केंद्र सरकार ने सूचना प्रौद्योगिकी नियम, 2021 में अहम संशोधन किए हैं। नए प्रावधानों के तहत अब एआई से तैयार फोटो और वीडियो पर साफ लेबल लगाना जरूरी होगा। साथ ही फर्जी या भ्रामक कंटेंट हटाने की समय सीमा 36 घंटे से घटाकर सिर्फ तीन घंटे कर दी गई है। यह बदलाव डिजिटल पारदर्शिता और नागरिक सुरक्षा की दिशा में एक मजबूत कदम माना जा रहा है।

एआई: सहूलियत भी, जोखिम भी

एआई की ताकत यह है कि वह कम समय में बहुत ज्यादा डेटा को समझकर आउटपुट दे सकता है। कंटेंट बनाना, तस्वीरें तैयार करना, वीडियो एडिट करना, आवाज की नकल करना—ये सब अब मिनटों का काम है। लेकिन यही आसानी अपराधियों के लिए भी फायदेमंद हो गई है।

कुछ एआई मॉडल जैसे OpenAI का चैटबॉट ChatGPT कंटेंट बनाने में मदद करता है। यह एक उपयोगी टूल है, लेकिन इसी तरह की तकनीकों का गलत इस्तेमाल कर फर्जी दस्तावेज, नकली पहचान पत्र, झूठे ईमेल और धोखाधड़ी वाले मैसेज भी बनाए जा रहे हैं। टेक्नोलॉजी खुद गलत नहीं होती, लेकिन उसका इस्तेमाल किस मकसद से हो रहा है, यही असली सवाल है।

आज साइबर अपराधी एआई का उपयोग करके ऐसे हमले कर रहे हैं जिन्हें पहचानना आम यूजर तो दूर, कई बार एक्सपर्ट्स के लिए भी मुश्किल हो जाता है।

नए आईटी नियम: क्या बदलेगा अब?

सरकार द्वारा किए गए नए संशोधनों के बाद डिजिटल प्लेटफॉर्म्स और एआई आधारित कंटेंट पर ज्यादा सख्ती लागू होगी। इन नियमों के कुछ प्रमुख बिंदु इस प्रकार हैं:

- •एआई से बने फोटो, वीडियो और ऑडियो पर अनिवार्य लेबलिंग

- •कंटेंट में स्थायी मेटाडेटा और डिजिटल पहचान चिह्न जोड़ना जरूरी
- •फेक या हानिकारक कंटेंट हटाने की समय सीमा घटाकर 3 घंटे
- •प्लेटफॉर्म्स की जवाबदेही तय
- •शिकायत पर तेज कार्रवाई का सिस्टम

इससे आम यूजर को यह समझने में आसानी होगी कि सामने दिख रहा कंटेंट असली है या तकनीक से तैयार किया गया है। सोशल मीडिया पर फैलने वाली अफवाहों, चुनावी भ्रामक प्रचार और सामाजिक तनाव फैलाने वाले कंटेंट पर रोक लगाने में भी मदद मिलेगी।

बिजनेस जगत में साइबर डर क्यों बढ़ा?

हालिया "FICCI–EY रिस्क सर्वे 2026" ने एक गंभीर तस्वीर सामने रखी है। इस सर्वे में शामिल बिजनेस लीडर्स ने माना कि एआई और साइबर जोखिम अब उनके लिए सबसे बड़ा खतरा बनते जा रहे हैं।

सर्वे के मुख्य निष्कर्ष:

- •51% बिजनेस लीडर्स ने एआई जोखिम को प्राथमिक खतरा माना
- •61% लोग साइबर हमलों से डरे हुए
- •57% ने डेटा चोरी और धोखाधड़ी को बड़ा खतरा बताया
- •47% कंपनियां आधुनिक साइबर खतरों से निपटने में तैयार नहीं
- •54% विशेषज्ञ एआई के एथिक्स और गवर्नेंस को लेकर चिंतित

यह सर्वे 137 सीईओ और सीनियर डिसीजन मेकर्स पर आधारित था। साफ है कि साइबर अटैक अब सिर्फ आईटी डिपार्टमेंट का मसला नहीं रहा, बल्कि यह बिजनेस की निरंतरता और प्रतिष्ठा से जुड़ा मुद्दा बन चुका है।

संगठित हो चुका है साइबर अपराध

पहले साइबर अपराध छोटे स्तर पर होते थे। अब यह पूरी इंडस्ट्री का रूप ले चुका है। अंतरराष्ट्रीय मंचों पर सामने आई रिपोर्टों के अनुसार, साइबर गैंग अब कंपनियों की तरह संगठित ढांचे में काम कर रहे हैं।

इन गिरोहों की खास बातें:

- •अलग-अलग विभाग: भर्ती, ऑपरेशन, टेक्निकल, रिसर्च
- •सैलरी और प्रमोशन जैसी व्यवस्था
- •टेक्नोलॉजी की कमजोरियां खोजने वाली टीमें
- •इंसानी व्यवहार का अध्ययन कर ठगी के नए तरीके

दक्षिण-पूर्व एशिया, अफ्रीका, मध्य-पूर्व और भारत के कुछ हिस्सों से ऐसे नेटवर्क ऑपरेट हो रहे हैं। एआई और ऑटोमेशन ने इन्हें और ताकतवर बना दिया है।

एआई और डीपफेक: सबसे खतरनाक हथियार

डीपफेक टेक्नोलॉजी एआई का वह रूप है जिसमें किसी व्यक्ति का चेहरा और आवाज नकली तरीके से तैयार कर दी जाती है। वीडियो इतना असली लगता है कि पहचानना मुश्किल हो जाता है।

इसका इस्तेमाल कई तरह से हो रहा है:

- •फर्जी बयान वाले वीडियो
- •नकली पुलिस/अधिकारी बनकर कॉल
- •"डिजिटल अरेस्ट" जैसे डराने वाले स्कैम
- •सोशल बदनामी के लिए फर्जी क्लिप

पीड़ित व्यक्ति को लगता है कि वह किसी असली अधिकारी से बात कर रहा है, जबकि सामने अपराधी होता है। डर के माहौल में लोग पैसे ट्रांसफर कर देते हैं या निजी जानकारी दे देते हैं।

ट्रिपल एक्सटॉर्शन और क्राइम-एज-ए-सर्विस

साइबर अपराध में अब "ट्रिपल एक्सटॉर्शन" मॉडल भी सामने आया है:

1.पहले रैनसमवेयर से डेटा लॉक
2.फिर डेटा लीक करने की धमकी
3.फिर ग्राहकों/साझेदारों को ब्लैकमेल

इसके अलावा "क्राइम-एज-ए-सर्विस" का ट्रेंड तेजी से बढ़ रहा है। इसमें टेक्निकल गैंग अपनी सेवाएं किराए पर देते हैं। जिसे टेक्निकल ज्ञान नहीं, वह भी पैसे देकर साइबर अपराध करवा सकता है। यानी जैसे सॉफ्टवेयर सर्विस मिलती है, वैसे ही अपराध की सर्विस भी उपलब्ध है।

वैश्विक आर्थिक नुकसान

अंतरराष्ट्रीय आकलनों के मुताबिक:

- •2025 में साइबर अपराध से अनुमानित नुकसान: 10.8 ट्रिलियन डॉलर
- •2026 में यह बढ़कर करीब 12 ट्रिलियन डॉलर तक पहुंच सकता है
- •लगभग 80% साइबर हमलों में किसी न किसी रूप में एआई की भूमिका

यह सिर्फ डिजिटल नुकसान नहीं, बल्कि अर्थव्यवस्था, रोजगार और निवेश पर भी सीधा असर डालता है।

संविधान बनाम शरीअत: टकराव की कहानी या सहअस्तित्व की सच्चाई

हाल के दिनों में भारतीय न्यूज़ चैनलों के स्टूडियो में एक सवाल बार-बार असामान्य तीखेपन और उत्तेजना के साथ उछाला जा रहा है—"शरीअत या संविधान?" पहली नज़र में यह सवाल बौद्धिक बहस जैसा लगता है, लेकिन जिस अंदाज़, भाषा और मंचन के साथ इसे पेश किया जाता है, वह बताता है कि यह जिज्ञासा से ज्यादा टकराव पैदा करने वाला सवाल है। इसका मकसद समझ बढ़ाना कम और सनसनी पैदा करना ज्यादा दिखाई देता है। यह प्रश्न संवाद शुरू करने के बजाय बहस को दो खेमों में बांट देता है, जहाँ जवाब से अधिक शोर महत्वपूर्ण हो जाता है। दरअसल यह सवाल ऐसे ढंग से गढ़ा गया है मानो शरीअत और संविधान दो विरोधी ध्रुव हों, जिनमें से किसी एक को चुनना ही पड़ेगा। जबकि गंभीर कानूनी और धार्मिक अध्ययन बताता है कि मामला इतना सीधा और टकरावपूर्ण नहीं है। वास्तविकता में यह संबंध टकराव का नहीं, बल्कि सहअस्तित्व, संतुलन और कानूनी ढाँचे के भीतर धार्मिक स्वतंत्रता का है।

सवाल की बनावट और उसका उद्देश्य

टीवी बहसों में सवाल पूछने का तरीका भी बहुत कुछ कह देता है। जब एंकर ऊँची आवाज़, आक्रामक शैली और सीमित समय के दबाव में किसी पैनलिस्ट से पूछता है—"सीधे जवाब दीजिए, शरीअत बड़ी या संविधान?"—तो यह अकादमिक प्रश्न नहीं रह जाता, बल्कि एक मनोवैज्ञानिक जाल बन जाता है। इसका उद्देश्य जटिल विषय को सरल बनाना नहीं, बल्कि व्यक्ति को रक्षात्मक स्थिति में खड़ा करना होता है। इस तरह के प्रश्नों से यह संकेत दिया जाता है कि मानो एक समुदाय की धार्मिक पहचान और उसकी राष्ट्रीय निष्ठा परस्पर विरोधी हों। इससे बहस ज्ञान के स्तर से हटकर पहचान की परीक्षा बन जाती है। यह तरीका न संविधान की गहराई समझाता है, न शरीअत की वास्तविक प्रकृति।

संवैधानिक ढांचा क्या कहता है?

भारतीय संविधान की मूल आत्मा बहुलतावाद और धार्मिक स्वतंत्रता पर आधारित है। हर नागरिक को अपने धर्म को मानने, पालन करने और प्रचार करने का अधिकार दिया गया है—कुछ आवश्यक शर्तों के साथ, जैसे सार्वजनिक व्यवस्था, नैतिकता और स्वास्थ्य को नुकसान न पहुँचे।

संविधान यह नहीं कहता कि नागरिक अपनी धार्मिक पहचान छोड़कर ही देशभक्त हो सकता है। बल्कि वह यह सुनिश्चित करता है कि अलग-अलग आस्थाओं के लोग एक ही कानूनी ढांचे में सुरक्षित रह सकें। यही कारण है कि भारत में अनेक व्यक्तिगत कानून (पर्सनल लॉ) की परंपरा भी विकसित हुई, जो विवाह, उत्तराधिकार और पारिवारिक मामलों में धार्मिक मान्यताओं को सीमित दायरे में मान्यता देती है। कई मामलों में Supreme Court of India ने भी यह स्पष्ट किया है कि राज्य का काम धर्म को खत्म करना नहीं, बल्कि सभी धर्मों के अधिकारों की रक्षा करते हुए संवैधानिक संतुलन बनाए रखना है।

शरीअत की वास्तविक समझ

शरीअत को अक्सर केवल दंड या सजा से जोड़कर प्रस्तुत किया जाता है, जबकि उसका मूल अर्थ जीवन के नैतिक और आचरण संबंधी मार्गदर्शन से जुड़ा है। यह इबादत, लेन-देन, पारिवारिक जीवन, सामाजिक न्याय और नैतिक जिम्मेदारी से संबंधित सिद्धांतों का ढांचा है। इस्लामी न्यायशास्त्र में देशों के बारे में अलग-अलग श्रेणियों की चर्चा मिलती है। अनेक विद्वानों ने लिखा है कि जहाँ मुसलमानों को धार्मिक स्वतंत्रता, जान-माल की सुरक्षा और शांतिपूर्ण जीवन का अवसर मिले, वह इलाका "दारुल-अमन" या "दारुल-अहद" की श्रेणी में आता है। ऐसे स्थान पर राज्य के कानूनों का पालन करना धार्मिक रूप से भी आवश्यक माना गया है, क्योंकि वह सामाजिक अनुबंध का हिस्सा है। इस्लामी शिक्षाओं में वचन निभाने और समझौते का सम्मान करने पर बहुत जोर दिया गया है। यानी यदि कोई नागरिक किसी देश की नागरिकता और उसके कानूनों को स्वीकार करता है, तो उनका पालन करना नैतिक कर्तव्य भी माना जाता है।

टकराव कब और कैसे?

यह भी सही है कि किसी भी कानूनी व्यवस्था में मतभेद की गुंजाइश रहती है। यदि कोई कानून किसी व्यक्ति या समुदाय को अन्यायपूर्ण लगे, तो लोकतांत्रिक व्यवस्था उसके शांतिपूर्ण और संवैधानिक विरोध का अधिकार देती है। अदालत, जनमत, विधायी सुधार—ये सभी रास्ते खुले रहते हैं। यह विरोध हिंसक टकराव नहीं, बल्कि कानूनी और लोकतांत्रिक प्रक्रिया के माध्यम से होता है। यही लोकतंत्र की खूबसूरती है। इस दृष्टि से देखें तो संविधान और शरीअत के बीच संबंध स्थायी संघर्ष का नहीं, बल्कि व्यावहारिक समायोजन और कानूनी ढांचे के भीतर धार्मिक आचरण का है।

मीडिया बहसों का नाटकीय रूप

प्राइम-टाइम डिबेट का एक तयशुदा फॉर्मेट बन चुका है—तेज संगीत, बड़ी हेडलाइन, आक्रामक सवाल और सीमित समय। इसमें जटिल विषयों को नारे में बदला जाता है। शरीअत और संविधान जैसे गंभीर विषय भी इसी मंचन का हिस्सा बन जाते हैं। अक्सर बहस में ऐसे वक्ताओं को बैठाया जाता है जो या तो कानूनी विशेषज्ञ नहीं होते या धार्मिक अध्ययन के गहरे जानकार नहीं होते। कुछ भावनात्मक या उत्तेजक बयान देने वाले लोगों को प्रमुखता मिलती है, जिससे बहस का स्तर और गिर जाता है। नतीजा यह होता है कि दर्शकों के मन में गलत धारणाएँ मजबूत होती हैं। इससे यह छवि बनाई जाती है कि मानो मुसलमान संविधान से टकराव की स्थिति में खड़े हैं, जबकि वास्तविक जीवन में करोड़ों लोग रोज़मर्रा के काम, टैक्स, कानून, अदालत और प्रशासनिक व्यवस्था के तहत सामान्य नागरिक की तरह जीवन जीते हैं।

कृत्रिम द्वंद्व का खतरा

"या तो यह, या वह" वाला फ्रेम अक्सर कृत्रिम होता है। समाज की जटिल वास्तविकताओं को दो विकल्पों में बाँटना आसान है, लेकिन सही नहीं। इससे संवाद की जगह ध्रुवीकरण बढ़ता है। यदि कोई कहे कि वह संविधान का सम्मान करता है, तो उसकी धार्मिक पहचान पर शक करना गलत है। और यदि कोई अपने धार्मिक नियमों का पालन निजी जीवन में करता है, तो उसे राष्ट्रविरोधी बताना भी अनुचित है—जब तक वह सार्वजनिक कानून का उल्लंघन न करे। कृत्रिम द्वंद्व समाज में अविश्वास पैदा करता है और लोकतांत्रिक संवाद को कमजोर करता है।

केन्द्रीय कृषि एवं कृषक कल्याण मंत्री एवं मुख्यमंत्री ने जयपुर से भारत विस्तार का किया शुभारंभ

-प्रदेश के किसानों को भी होगा इससे लाभ - भजनलाल शर्मा

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। केन्द्रीय कृषि एवं कृषक कल्याण मंत्री शिवराज सिंह चैहान ने कहा कि भारत विस्तार के माध्यम से कृषि में डिजीटल क्रांति का शंखनाद हुआ है। इस प्लेटफॉर्म से अन्नदाता किसानों को एआई आधारित प्रणाली में सही समय पर उनकी खेती से जुड़ी विविध जानकारियां त्वरित मिल सकेगी। उन्होंने कहा कि गुलाबी नगरी जयपुर से पूरे देशभर में शुरू हुए इस एआई आधारित नवाचार से किसानों को एकीकृत डिजीटल प्लेटफॉर्म पर समग्र कृषि सेवाएं प्रदान की जाएगी जिससे कृषि क्षेत्र में पारदर्शिता को बल मिलेगा एवं किसान सशक्त तथा आत्मनिर्भर बनेंगे। चैहान मंगलवार को दुर्गापुरा स्थित राज्य कृषि प्रबंधन संस्थान में आयोजित भारत विस्तार के शुभारंभ कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि भारत विस्तार के माध्यम से किसानों को रियल टाइम मंडी मूल्य, भारतीय कृषि शोध संस्थान की कृषि पद्धतियां, केन्द्र की कृषि संबंधी जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी, फसल आधारित वैज्ञानिक परामर्श, मौसम पूर्वानुमान, कृषि ऋण, सरकारी योजनाओं की पात्रता, आवेदन सहित तमाम जानकारियां एक ही प्लेटफॉर्म पर आसानी से मिल पाएगी। वर्तमान में यह हिन्दी एवं अंग्रेजी भाषा में शुरू किया गया है तथा भविष्य में यह 11 अन्य भारतीय भाषाओं में भी शुरू होगा। साथ ही, आगामी समय में इस प्लेटफॉर्म को एग्रीस्टैक से भी जोड़ा जाएगा जिसके तहत किसान अपनी फार्मर आई.डी. के माध्यम से अपने खेत से जुड़ी सभी समस्याओं का समाधान तुरंत प्राप्त कर सकेंगे।

प्रधानमंत्री कृषक कल्याण के लिए कर रहे निरंतर कार्य-

केन्द्रीय कृषि एवं कृषक कल्याण मंत्री ने कहा कि यशस्वी प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में देश में किसानों के कल्याण के लिए निरंतर कार्य किया जा रहा है। एमएसपी पर रिकॉर्ड खरीद की गई है। प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना, कृषि का विविधीकरण, प्राकृतिक खेती की तरफ बढ़ना, इंटीग्रेटेड फार्मिंग, किसानों को खेती के साथ पशुपालन एवं कृषि वानिकी के लिए प्रोत्साहन सहित अनेक ऐसे निर्णय लिए गए हैं जिससे देश का अन्नदाता लाभान्वित हो रहा है।

सूक्ष्म सिंचाई में राजस्थान का देश में प्रथम स्थान-

चैहान ने मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की सराहना करते हुए कहा कि उनके नेतृत्व में राजस्थान में कृषि क्षेत्र में नए-नए प्रयोग किए जा रहे हैं। साथ ही, कृषि में तकनीक की उपयोगिता से राज्य देश को दिशा भी दिखा रहा है। उन्होंने कहा कि राजस्थान में 10 एग्रो जलवायु क्षेत्र हैं, एक बड़ा हिस्सा रेगिस्तान का है। राज्य सरकार द्वारा निरंतर किए जा रहे नवाचारों के माध्यम से सूक्ष्म सिंचाई के क्षेत्र में प्रदेश देश में प्रथम स्थान पर आ गया है तथा सरकार ने राजस्थान में रेगिस्तान को नंदन वन बनाने का काम किया है।

किसानों के हितों पर किसी भी तरह की आंच नहीं आने दी जाएगी-

चैहान ने कहा कि प्रधानमंत्री के लिए किसान हित सर्वोपरि है तथा उनका मानना है कि वे किसानों के हित पर किसी भी तरह की आंच नहीं आने देंगे। उन्होंने कहा कि वर्ष 2006-07 में जब चीनी का रिकॉर्ड उत्पादन हुआ तब तत्कालीन सरकार द्वारा चीनी का बफर स्टॉक क्यों नहीं किया गया, किसानों को संरक्षण क्यों नहीं दिया गया। साथ ही, पहले भारत खाद्य तेलो में आत्मनिर्भर था लेकिन तत्कालीन सरकार की गलत नीतियों के कारण खाद्य तेल में देश आयात पर निर्भर हो गया। उन्होंने पशुपालकों को आश्वस्त किया कि दूध, दही, घी, पनीर अथवा कोई भी डेयरी उत्पाद का आयात नहीं किया जाएगा। साथ ही, किसानों तथा गौ पशुपालकों के हितों का पूरा ध्यान रखा जाएगा।

भारत विस्तार तकनीकी प्रणाली बढ़ाएगी किसानों की खुशहाली- भजनलाल शर्मा

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने केन्द्रीय कृषि मंत्री का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि ए.आई. के माध्यम से लागू होने वाली प्रणाली भारत विस्तार कृषि के आधुनिकीकरण की दिशा में ऐतिहासिक कदम है। यह किसानों की खुशहाली को और बढ़ाएगी। उन्होंने कहा कि केन्द्र सरकार ने आधार, यूपीआई और एग्रीस्टेक जैसे मजबूत डिजिटल प्लेटफॉर्म की तर्ज पर कृषि में ए.आई. पर आधारित एक राष्ट्रीय डिजिटल इंफ्रास्ट्रक्चर भारत-विस्तार तैयार किया है। यह एक ऐसा तकनीकी बदलाव है जहां तकनीक, ज्ञान और किसान एक साथ आगे बढ़ते हैं। भारत विस्तार के माध्यम से किसानों के फोन में फसल की योजना, खेती के बेहतर तरीके, कीट से बचाव, मौसम की जानकारी, बाजार भाव, मत्स्यपालन, पशुपालन और सरकारी योजनाओं से जुड़ी जानकारी उपलब्ध होगी। इससे प्रदेश के किसानों को भी व्यापक फायदा मिलेगा।

कुरैश समाज की प्रेस कॉन्फ्रेंस आयोजित हुई

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। कुरैश कॉन्फ्रेंस की राष्ट्रीय कार्यकारिणी व देशभर से आए कुरैश कॉन्फ्रेंस के प्रदेशाध्यक्षों की बैठक नई दिल्ली में सम्पन्न हुई। बैठक में कुरैश समाज के विभिन्न मुद्दों पर चर्चा हुई। इस अवसर कुरैश कॉन्फ्रेंस के राष्ट्रीय महासचिव जोधपुर निवासी अब्दुल कय्यूम कुरैशी व कुरैश कॉन्फ्रेंस के राजस्थान प्रदेशाध्यक्ष अलीमुद्दीन कुरैशी को राजस्थान के समस्त जिलों में बेहतरीन सेवाओं के लिए राष्ट्रीय स्तर पर सम्मानित किया गया। बैठक में कुरैश कॉन्फ्रेंस के राष्ट्रीय अध्यक्ष सनोबर कुरैशी, राष्ट्रीय महासचिव संगठन प्रोफेसर निजामुद्दीन, राष्ट्रीय उपाध्यक्ष अधिवक्ता अब्दुल रशीद, हाजी अफ़सर कुरैशी, मोहम्मद असलम, सलमान कुरैशी व महिला विंग की अध्यक्ष शबनम कुरैशी आदि मौजूद रहे।

श्री खोरा आश्रम से निकली रैली छारसा जोहड़ा धाम में पहुँची

मनोहरपूर (रॉयल पत्रिका)। श्री श्री 1008 किशन दास जी महाराज खोरा आश्रम से सुबह 9 बजे से विधिवत ध्वजा रैली डीजे घोड़े गाड़ी से रवाना होकर छारसा जोहड़ा धाम पहुची। इस दौरान रास्ते में ग्रामीणजन द्वारा पुष्पवर्षा की गई इस दौरान अल्पाहार की व्यवस्था की गई। इधर श्री श्री 1008 श्री किशन दास जी महाराज जोहड़ा धाम से भी सुबह 11 बजे विधिवत रैली रवाना होकर गांव के प्रमुख मार्गों में से घूम कर जोहड़ा धाम 4 बजे वापस पहुंची। भक्त प्रकाश कपूरिया व महेश कपूरिया ने बताया कि श्री श्री 1008 श्री छबीलेशन देवाचार्य जी महाराज जोहड़ा धाम महाराज द्वारा रैली का कार्यक्रम किया गया था जिसमे सैकड़ो नर नारी भक्त गण भजनों पर नाचते गाते हुए आए । महाशिवरात्रि के इस

कार्यक्रम में सभी बढ़-चढ़ कर हिस्सा लिया मंदिर प्रांगण में पंगत प्रसादी का भी आयोजन किया गया। इस अवसर पर श्री श्री 1008 श्री सुदामा दास जी महाराज महामंडलेश्वर शाहपुर रामेश्वर दास जी महाराज के मुरली जी बंसी जी नारायण जी साधु जी रोहनिया रोहतास जी कपूरिया जाट समाज के अध्यक्ष सॉन्ग खेड़ा शंभूश कैलाश दास जी महाराज मोहन दास जी दिवाली धाम राजू जी बंसी सूरज जी बुधराम जी महेश जी अग्रवाल कमलेश जी अग्रवाल गोविंद जी पंडित रामजी राज पंडित आदि उपस्थित थे।

लिटिल फ्लावर सेकेंडरी स्कूल का वार्षिक समारोह संपन्न

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। प्रताप नगर, सांगानेर स्थित लिटिल फ्लावर सेकेंडरी स्कूल में रविवार, 15 फरवरी 2026 को वार्षिक समारोह का आयोजन हर्षोल्लास के साथ संपन्न हुआ। कार्यक्रम का आयोजन प्रताप नगर स्थित निर्मला ऑडिटोरियम में दोपहर 1 बजे से आयोजित किया गया। कार्यक्रम में विद्यालय के नन्हे विद्यार्थियों ने रंगारंग सांस्कृतिक प्रस्तुतियाँ दीं, जिनमें नृत्य, गीत और नाट्य मंचन शामिल रहे। बच्चों की प्रस्तुतियों ने दर्शकों का मन मोह लिया और सभागार तालियों से गूंज उठा। इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में डॉ. अबुल हसन कागज़ी, उपस्थित रहे। विशिष्ट अतिथि के रूप में सैयद सआदत

एवं एस. एम. नासिर ने कार्यक्रम की शोभा बढ़ाई। अतिथियों ने विद्यार्थियों के आत्मविश्वास और प्रतिभा की सराहना करते हुए विद्यालय प्रबंधन, शिक्षकों एवं स्टाफ के प्रयासों की प्रशंसा की। उन्होंने कहा कि ऐसे आयोजन बच्चों के सर्वांगीण विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। कार्यक्रम के अंत में विद्यालय प्रबंधन की ओर से सभी अतिथियों, अभिभावकों और उपस्थित जनों का आभार व्यक्त किया गया। समारोह सौहार्दपूर्ण वातावरण में सफलतापूर्वक संपन्न हुआ।

उत्कृष्ट एवं सराहनीय कार्य करने वाले छः पुलिसकर्मियों को "कानिस्टेबल ऑफ दी मंथ" के अवार्ड से सम्मानित किया

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। पुलिस आयुक्त सचिन मित्तल ने मंगलवार को पुलिस आयुक्तालय पर आयोजित कार्यक्रम में उत्कृष्ट, सराहनीय, मेहनत, लगन एवं समर्पण से कार्य करने वाले छः पुलिसकर्मियों को "कानिस्टेबल ऑफ दी मंथ" के अवार्ड से सम्मानित किया। सचिन मित्तल ने बताया कि पुलिस का ध्येय वाक्य आमजन में विश्वास-अपराधियों में भय की भावना जनता में साकार हो इसके लिए जयपुर पुलिस लगातार प्रयासरत् है। उन्होंने बताया कि कानिस्टेबल ऑफ दी मंथ पुरस्कार से पुलिसकर्मियों के मनोबल में बढोतरी के साथ-साथ पुलिसकर्मी बेहतर व सराहनीय कार्य करने के प्रेरित होंगे। जनवरी माह 2026 का "कानिस्टेबल ऑफ दी मंथ पुरस्कार के लिए जिला पूर्व से चिन्हित रामवतार कानि० पुलिस थाना बजाजनगर ने थाना क्षेत्र में नौकर ने अपने मालिक के घर आलमारियों के ताले तोडकर लाखो रूपये की नकदी चुराने की हुयी वारदात का पर्दाफाश कर आरोपी मोन्टू उर्फ रामू उर्फ मनोज ठाकुर को बिहार राज्य से तलाश कर उसके कब्जे से माल मशरूका 22 लाख रूपये व इसके अलावा भी आरोपी के कब्जे से 27 लाख 50 हजार रूपये बरामद करवाने में अहम भूमिका निभायी।

जिला पश्चिम के मोतीलाल कानि. पुलिस थाना सेज ने अज्ञात मृतक की शिनाख्त व अज्ञात मुल्जिमों की तलाश कर मुल्जिम सूरज सैन उर्फ दिलावर उर्फ दिल्लों एवं रोहित बैरवा को तकनीकी व अन्य स्त्रोतों से सुचना एकत्रित कर गिरफ्तार करवाने महत्पूर्ण योगदान दिया।

जिला उत्तर के गिर्राज प्रसाद कानि. पुलिस थाना आमेर ने वांछित अपराधियों के विरूद्व जारी सम्मन वारण्टों की तामील अधिक से अधिक करवायी जाकर बाद तामिल संबंधित न्यायालय में भिजवाने एवं 28 स्थायी वारण्टियों को गिरफ्तार करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभायी।

जिला दक्षिण के जीत सिंह कानि. पुलिस थाना सांगानेर सदर ने राजस्थान सरकार द्वारा जेईसीसी सीतापुरा में आयोजित राजस्थान "डिजीपेस्ट 2026" में कानून व्यवस्था ड्यूटी में व्यवस्थित पुलिस प्रबंधन में महत्पूर्ण योगदान दिया एवं थाने के कई वर्षों से पेंडिग चल रहे स्थाई व गिरफ्तार वांरटियों का निस्तारण करवाने का सराहनीय एवं प्रशंसनीय कार्य किया है।

राजपाल कानि. यातायात प्रशासन जयपुर ने इन्टरसेप्टर बुल पर पदस्थापित रहकर तेजगति व लापरवाही से वाहन चलाने वाले वाहन चालको को यातायात नियमो की जानकारी दी गई एवं यातायात नियमों की पालना नहीं करने वाले वाहन चालको के खिलाफ एम.वी.एक्ट के अन्तर्गत कुल 5060 कार्यवाही की गई जो सराहनीय कार्य किया है।

चेतन प्रकाश कानि. कार्यालय अतिरिक्त पुलिस उपायुक्त, अन्वेषण, पुलिस आयुक्तालय जयपुर, ने आयुक्तालय जयपुर क्षेत्र में चिटफंड से संबंधित धोखाधडी के दर्ज अभियोगों व पैण्डिग प्रकरणों का रिकॉर्ड संधारण करना व अधिकाधिक निस्तारण बाबत पत्राचार करना एवं आयुक्तालय क्षेत्र में 3 माह से अधिक अवधी तक के पैण्डिंग एफ.आर. प्रकरण व 6 माह से अधिक अवधी तक के पैण्डिग चालान को पेश न्यायालय करवाने बाबत पत्राचार करना व रिकॉर्ड संधारण करने का कार्य कड़ी मेहनत एवं लग्न से किया है।

रमजान का महीना रहमत, बरकत और मगफिरत का पैगाम लेकर आता है - पठान

मनोहरपूर (रॉयल पत्रिका)। आँधी में कांग्रेस के वरिष्ठ नेता नदीम खान पठान ने कहा कि रमजान का महीना सबसे मुकद्दस और पाक महीना माना जाता है। यह महीना रहमत, बरकत और मगफिरत का पैगाम लेकर आता है। इस पूरे महीने में मुसलमान रोजा रखकर अल्लाह की इबादत करते हैं, 5 वक्त की नमाज के साथ-साथ तरावीह की नमाज (विशेष नमाज) अदा की जाती है और कुरान शरीफ की तिलावत की जाती है। उन्होंने बताया कि इस साल फरवरी महीने में ही रमजान शुरू होने की उन्होंने कहा कि संभावना है। कि चाँद दिखाई देने पर 18 फरवरी की रात से मस्जिदों में तरावीह की नमाज पढ़ी जाएगी और 19 फरवरी से पहला रोजा रखा जाएगा।

नदीम खान पठान के अनुसार रमजान का महीना इस्लाम का सबसे मुकद्दस महीना है। इस महीने में मुसलमान 30 दिन तक दिन में रोजा रखते हैं और शाम में तरावीह की नमाज अदा करते हैं। 30 दिन बाद बड़ी हर्षोल्लास से ईद की त्योहार मनाते हैं। पठान ने बताया कि रोजा सिर्फ भूखा रहना नहीं है, बल्कि खुद को बेहतर बनाना है। पठान ने बताया कि इस साल माहे रमजान की शुरुआत चाँद दिखने पर 19 फरवरी से होने की संभावना है, जबकि 18 फरवरी की रात से तरावीह की नमाज शुरू की जाएगी। पठान ने बताया कि रमजान इस्लाम का सबसे मुकद्दस और पाक महीना माना जाता है। यह महीना रहमत, बरकत और मगफिरत का पैगाम लेकर आता है।

शहर की सफाई व्यवस्था की प्रभावी मॉनिटरिंग के लिए फील्ड पर उतरी नगर निगम टीम

-वार्ड OIC ने किया फील्ड पर जाकर सफाई व्यवस्था का निरीक्षण

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। नगर निगम की टीम शहर को स्वच्छ और सुंदर बनाने एवं स्वच्छ सर्वेक्षण 2025 में टॉप 3 में आने के लिए लगातार एक्शन मोड में कार्य कर रही है। मंगलवार को नगर निगम की पूरी टीम फील्ड पर उतरी। सभी वार्ड OIC ने आवंटित वार्ड की सफाई व्यवस्था का निरीक्षण किया। सभी OIC ने सफाई कर्मचारियों की हाज़िरी, मुख्य मार्गों पर कचरा पात्र की स्थिति, डोर-टू-डोर कचरा संग्रहण का फीडबैक, सफाई कर्मचारी प्रोपर यूनिफॉर्म में है या नहीं, कचरा डिपो की स्थिति, अवैध हॉर्डिंग-बैनर-पोस्टर, सी एंड डी वेस्ट, सार्वजनिक शौचालय की स्थिति सहित विभिन्न बिंदुओं पर सफाई व्यवस्था का निरीक्षण किया। आयुक्त ने बताया कि शहर को स्वच्छ रखना हमारे लिए प्राथमिक कार्य है। तकनीक का उपयोग, प्रभावी मॉनिटरिंग, आमजन को समझाइश, धरातल पर सफाई, जन भागीदारी और जन जागरूकता से ही शहर

स्वच्छ और सुंदर बन सकेगा। सभी जोन उपायुक्तों को भी सुबह फील्ड में सफाई व्यवस्था की मॉनिटरिंग के निर्देश दिये गये है, जिसके तहत सभी जोन उपायुक्तों द्वारा फील्ड में जाकर सफाई व्यवस्था की निगरानी की जा रही है।

आयुक्त के निर्देश पर मंगलवार को वार्ड OIC सुबह 7:30 बजे से 9:00 बजे तक आवंटित वार्ड की सफाई व्यवस्था को परखने फील्ड पर उतरे। मौके पर जाकर स्वच्छता के विभिन्न मानकों को जाँचा। डोर-टू-डोर कचरा संग्रहण व्यवस्था का आमजन से फीडबैक लिया। आमजन को गंदगी न फैलाने के लिए समझाइश की तथा मौके पर कैरिंग चार्ज भी वसूल किया।

वैश्विक प्रतिस्प्धा के लिए में युवाओं को तैयार करने का ब्लू प्रिन्ट् बनाएं - देवनानी

-विश्विद्यालय डिग्री के साथ रोजगार के अवसर प्रदान करने वाले भी बने

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। राजस्थानन विधान सभा अध्यजक्ष वासुदेव देवनानी ने मंगलवार को राजस्था न इंटरनेशनल सेंटर में आयोजित अखिल भारतीय संस्था गत नेतृत्व समागम 2026 के समापन समारोह में राज्यशपाल हरिभाऊ बागडे की मौजदूगी में विद्या भारती की पहल को साधुवाद बताते हुये कहा कि युवाओं को सही दिशा देने के लिये यह राष्ट्रीहय संकल्प लेने का अवसर है। उन्हों्ने इस विषय को सामयिक और प्रासंगिक बताते हुये कहा कि भारत के भविष्य को सुदृढ़ करने के लिये हमें युवाओं को संस्काऔर, संस्कृ ति और समृद्ध परम्पराओं को बताना होगा। स्पीकर देवनानी ने कहा कि वैश्विक प्रतिस्पंर्धा के लिये युवाओं को तैयार करें। उनका मनोबल बढ़ाने वाली दृष्टि देने और व्योवहारिक स्वशरूप तय करने की आवश्यलकता है। उन्हों‍ंने कहा कि संस्थावयें सही आचरण, लक्ष्यव की स्प ष्टआता और युगानुकूल सोच के साथ आगे बढ़े।

देवनानी ने कहा कि अब समय आ गया है कि आत्मिर्भर भारत के साथ युवाओं को संस्कीरवान बनायें। संस्थागत विकास योजनाएँ केवल औपचारिक दस्तावेज़ बनकर सीमित न रहें बल्कि वे राष्ट्र निर्माण का सशक्त और क्रियान्वित करने योग्य रोडमैप बनें। प्रत्येक विश्वविद्यालय और महाविद्यालय को अपनी योजनाओं को स्थानीय आवश्यकताओं तथा राष्ट्रीय प्राथमिकताओं से जोड़ना चाहिए। उन्होंने कहा कि राजस्थान जैसे राज्य में जल संरक्षण, सौर ऊर्जा, कृषि नवाचार, कौशल विकास और ग्रामीण अर्थव्यवस्था जैसे विषयों को शिक्षा और शोध से जोड़ना समय की माँग है। जब विश्वविद्यालय समाज से सीधे जुड़ेंगे, तभी शिक्षा वास्तविक परिवर्तन का माध्यम बनेगी। देवनानी ने कहा कि किसी भी शिक्षा व्यवस्था की आत्मा उसके शिक्षक होते हैं। संकाय को भविष्य की चुनौतियों के अनुरूप तैयार करना होगा। नई तकनीकों, आधुनिक शोध पद्धतियों और नवाचारों से उन्हें निरंतर सशक्त करना आवश्यक है। देवनानी ने यह भी कहा कि नेतृत्व केवल प्रशासनिक दायित्व नहीं है, बल्कि दूरदृष्टि और मूल्य आधारित निर्णयों का समन्वय है। एक प्रेरक और प्रतिबद्ध नेतृत्व किसी भी संस्था को नई ऊँचाइयों तक पहुँचा सकता है। देवनानी ने कहा कि शिक्षा केवल डिग्री प्रदान करने का माध्यम नहीं, बल्कि चरित्र निर्माण, कौशल विकास और राष्ट्र चेतना का आधार है। हमें ऐसी संस्थाएँ विकसित करनी होंगी जो ज्ञान के साथ संस्कार भी दें, नवाचार के साथ नैतिकता भी सिखाएँ और वैश्विक दृष्टि के साथ भारतीय आत्मा को संजोए रखें।

इंडिया AI इम्पैक्ट समिट 2026 में दर्शकों को आकर्षित कर रहा 'राजस्थान AI पवेलियन'

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। भारत सरकार द्वारा 20 फरवरी तक नई दिल्ली स्थित भारत मंडपम में इंडिया आर्टफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) इम्पैक्ट समिट 2026 आयोजित किया जा रहा है। समिट में राजस्थान सरकार के सूचना एवं प्रौद्योगिकी विभाग द्वारा 'राजस्थान AI पवेलियन' तैयार किया गया है, जो दर्शकों को काफी पसंद आ रहा है। 'पीपल, प्लेनेट और प्रोग्रेस' थीम के इर्द—गिर्द रचे गए इस समिट में वैश्विक स्तर पर एआई को विश्वसनीय, प्रभावी एवं समावेशी बनाए जाने पर मंथन किया जा रहा है। सूचना प्रौद्योगिकी और संचार विभाग के आयुक्त हिमांशु गुप्ता ने मंगलवार को 'राजस्थान AI पवेलियन' का दौरा किया। उन्होंने स्टार्टअप्स से जुड़े युवाओं का उत्साहवर्धन किया और विजिटर्स से संवाद किया। उन्होंने बताया कि 'राजस्थान AI पवेलियन' में लगभग 20 स्टॉल लगाई गई हैं। इनमें विभिन्न विभागीय और सरकारी पहलों के अतिरिक्त राज्य सरकार के 'आईस्टार्ट' पंजीकृत एआई स्टार्टअप्स को शामिल किया गया है। ये स्टार्टअप स्टॉल रोटेशन के आधार पर संचालित हो रहे हैं,

जिससे राज्य के अधिक से अधिक नवाचार उद्यमों को भागीदारी का अवसर मिल सके। पवेलियन में 'राजकिसान' के माध्यम से एआई आधारित फसल स्वास्थ्य प्रबंधन, राजस्थान जन आधार प्लेटफॉर्म द्वारा डेटा-संचालित लक्षित प्रत्यक्ष लाभ अंतरण, तथा 'स्मार्ट' (सर्विस मैनेजमेंट विद आर्टफिशियल इंटेलिजेंस एण्ड रियल टाइम सिस्टम) प्रणाली के जरिए 360-डिग्री नागरिक प्रोफाइलिंग और रीयल-टाइम योजना मॉनिटरिंग को प्रदर्शित किया गया है। इसके अतिरिक्त राजनिवेश के साथ 'राज GPT' आधारित निवेश सुविधा प्रणाली को भी प्रस्तुत किया गया है, जो निवेशकों को प्रोत्साहन, भूमि प्रक्रिया और अनुमोदन संबंधी मार्गदर्शन प्रदान करती है। साथ ही यहां प्रदेश की तीन प्रमुख नीतियां भी प्रदर्शित की जा रही हैं— राजस्थान एआइ/एमल पॉलिसी 2026, राजस्थान डेटा सेंटर पॉलिसी एवं राजस्थान एवीजीसी—एक्सआर पॉलिसी।'राजस्थान AI पवेलियन' व्यापक मंच पर राज्य के एआई आधारित दृष्टिकोण और भविष्य की रूपरेखा को आमजन एवं वैश्विक निवेशकों के समक्ष प्रस्तुत कर रहा है, जिससे राज्य सरकार के एआई से जुड़े तकनीकी प्रयासों को गति मिलेगी।

नगर निगम जयपुर सतर्कता शाखा की टीम द्वारा की गई कार्रवाई

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। नगर निगम जयपुर आयुक्त डॉ. गौरव सैनी के निर्देषानुसार एवं पूर्व से प्राप्त शिकायतों पर उपायुक्त सतर्कता के नेतृत्व में मंगलवार को सतर्कता शाखा की द्वारा नगर निगम जयपुर क्षेत्राधिकार में गांधी नगर रेलवे स्टेशन गेट नं. 1, गांधी नगर मोड़ से अरण्य भवन, टोंक रोड़ कैलाश टावर, सिरसी रोड़ डी-र्माट के सामने, कांटा चैराहा, खिलनी फाटक एवं सीके बिरला हॉस्पिटल के सामने से अस्थाई अतिक्रमण करने वालों के विरुद्ध 22 हजार रुपये का कैरिंग चार्ज वसूल कर 4 केन्टर सामान जब्त किया गया। उपायुक्त सतर्कता ने बताया कि नगर निगम जयपुर क्षेत्राधिकार में गांधी नगर रेलवे स्टेशन गेट नं. 1, गांधी नगर मोड़ से अरण्य भवन, टोंक रोड़ कैलाश टावर, सिरसी रोड़ डी-र्माट के सामने, कांटा चैराहा, खिलनी फाटक एवं सीके बिरला हॉस्पिटल के सामने से अस्थाई अतिक्रमण हटवाया गया।

आवश्यक नम्बर

रॉयल पत्रिका

बिजली फॉल्ट के लिए

टोल फ्री नंबर	18001806507
वॉट्सएप नंबर	9414037085
कस्टमर केयर	2203000
आईवीआरएस	1912

कचरा गाड़ी के लिए

ग्रेटर	2747400
सीवरेज लीकेज	2607500
हेरिटेज	2607500
टोल फ्री नंबर	14420

पुलिस की मदद के लिए

साइबर क्राइम	1930/2360094
कंट्रोल रूम	2388435/36/37/38
ट्रैफिक कंट्रोल रूम	2565630
चाइल्ड हेल्पलाइन	1098
महिला हेल्पलाइन	1090
मुख्यमंत्री पोर्टल	181

पानी के लिए

जलदाय कार्यालय	2706624
फायर ब्रिगेड	2747400

मेडिकल इमरजेंसी के लिए

एंबुलेंस	102/108
एसएमएस इमरजेंसी	2518333
महिला चिकित्सालय	22610616
जनाना हॉस्पिटल	22378721
SDMH	22574189
SMS ब्लड बैंक	22518222
कल्याण ब्लड बैंक	22721771

घायल पशुओं के लिए

नगर निगम	2747400
बर्ड बाइक	9887345580
हेल्प इन सफरिंग	8107299711
जनमंच ट्रस्ट	7230055800
पशु चिकित्सालय	2747400

8वीं कक्षा के विदाई समारोह में "बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ" का दिया संदेश

शादाब अली

सवाई माधोपुर (रॉयल पत्रिका) । राजकीय उच्च प्राथमिक विद्यालय खेरदा सवाई माधोपुर में कक्षा आठवीं के छात्रों के विदाई समारोह का कार्यक्रम का आयोजन किया गया । कार्यक्रम की अध्यक्षता राजेश पहाड़िया पार्षद एवं समाज सेवी, मुख्य अतिथि के रूप में केंद्राधीक्षक विनोद मोड और विशिष्ट अतिथि वरिष्ठ पत्रकार राजेश शर्मा थे । कार्यक्रम की शुरुआत मां शारदे के छाया चित्रों पर दीप प्रज्वलन कर किया, उसके पश्चात संस्था प्रधान कैलाश सिसोदिया ने आए हुए अतिथियों का राजस्थानी परंपरा के अनुसार माला पहनाकर स्वागत किया । संस्था प्रधान ने अपने उद्बोधन में छात्र-छात्राओं को परीक्षा में बेहतर प्रदर्शन करने के लिए प्रेरित किया। इस अवसर पर राजेश पहाड़िया पार्षद एवं समाजसेवी ने बच्चों को परीक्षा के बारे में बहुत महत्वपूर्ण जानकारी देकर उत्साहित किया । विशिष्ट अतिथि राजेश शर्मा ने प्रत्येक बच्चों को पैन बांटकर कलम की ताकत के बारे में बच्चों को समझाया कि तुम जो चाहो इस कलम से अपना भाग्य लिख सकते हो। यह कलम तुम्हारे भविष्य का निर्माण करने के लिए ही बनी है, इसलिए सभी बच्चे मन लगाकर पढ़ाई करें और अपने माता-पिता एवं विद्यालय का नाम रोशन करें। कक्षा 8 के छात्रों को बालमुकुंद बैरवा व सत्यवीर छात्रअध्यापक की ओर से टी कप सेट और ममता मीना की अध्यापिका की ओर से कक्षा 5 व 8वीं के छात्रों को ड्राइंग बॉक्स किट तथा शारीरिक शिक्षिका सरिता मीना जी ने बच्चों को पेन,पेंसिल वितरित किए। संस्था प्रधान कैलाश सिसोदिया ने सुनीता गुर्जर अल्फीजा आलीदा आरती प्रिया सैनी लक्ष्मी अंजली खुशी बालिकाओं एक-एक जोड़ी कपड़े भेंट कर बेटी बचाओ ,बेटी पढ़ाओ का संदेश दिया। कार्यक्रम के अंत में सभी बच्चों एवं कार्यक्रम में उपस्थित हुए सभी अतिथियों को अल्पाहार करवाया गया । इस कार्यक्रम में पत्रकार मुकेश जैन, नरेन्द्र शर्मा, नईम खान, रोहित शर्मा, बंटी शुक्ला, बालमुकुंद बैरवा, सतवीर, अनुराधा, सत्यवीर सिंह, कुलदीप, मनोज शर्मा, ममता मीना,सरिता,मीना, रसाल मीना विमल पांडे, पियूष शर्मा उपस्थित थे ।

इंसानियत एकता सेवा समिति ने ज़रूरतमंदों को राशन किट वितरित की

चूरू (रॉयल पत्रिका)। जिला मुख्यालय पर इंसानियत एकता सेवा समिति की तरफ से रमजान मुबारक के मौके पर जरूरतमंद परिवारों को राशन किट वितरित की गई। समिति संस्थापक करामत खान ने बताया कि रमजान मुबारक से दो दिन पूर्व समिति की तरफ से 21 जरूरतमंद परिवारों को राशन किट वितरित की गई। खान ने बताया कि राशन किट वितरण में समिति अध्यक्ष अकबर खान, सह-सचिव डॉ. शाहरुख खान आसलसर, उपकोषाध्यक्ष मोहम्मद सलमान खान, पूर्व एडिशनल कमिश्नर शौकत अली खान, जिला अल्पसंख्यक प्रशासनिक अधिकारी डॉ. गफार खान, पूर्व सरपंच डॉ. अयूब खान सेहला, समाजसेवी हमीद खान रिसालदार, प्रधानाध्यापक अशफाक खान, वासिद खान, साबिर खान आदि ने सहयोगी भूमिका निभाई। निदेशक सदस्य बिलाल खान लक्की ने सभी सहयोगकर्ताओं का आभार व्यक्त किया।

उर्स-ए-कादरी पर फैजाने औलिया कॉन्फ्रेंस

मोहम्मद अली पठान

चूरु (रॉयल पत्रिका) । अंचल के महान सूफी विद्वान हजरत अल्लामा मौलाना मुफ्ती सैयद इनायतुल्लाह शाह कादरी (रह) व हजरत सैयद मोहम्मद सिद्दीक शाह साहब कादरी के वार्षिक उत्सव उर्स-ए-कादरी के मौके पर फैजाने औलिया कॉन्फ्रेंस का आगाज मौलाना तय्यब ने तिलावत कुरान-ए-पाक से किया। तत्पश्चात नन्हे बालक हसनैन हैदर ने अपने रचना "छूटे ना कभी तेरा दामन," पेश कर वातावरण को जमा दिया । तत्पश्चात फखरे राजस्थान मुख्य रूप से आमंत्रित हाफिज नौशाद अहमद बीकानेर ने सैयद मोहम्मद अनवार नदीम उल कादरी की रचना को अपने खूबसूरत आवाज और लहजे में पेश किया । "काफिला नूर का और क्या चाहिए, मिल गए मुस्तफा और क्या चाहिए", सुना कर महफिल को झूमने पर मजबूर कर दिया। साथ ही कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए कहा कि हमें आलिया सूफियों की आदर्श को अपनाकर अपने आप को और समाज को हर बुराई से बचाना चाहिए । नौशाद बीकानेरी ने सारगर्भित विस्तार पूर्वक संबोधन किया। इनके बाद फैजाने औलिया कॉन्फ्रेंस की सादात कर रहे शहर इमाम सैयद मोहम्मद अनवर नदीम उल कादरी ने कहा कि हमें हर बुराई से अपने आप को और नस्लों को बचाना चाहिए । वर्तमान में युवाओं में बढ़ती नशे की लत से बचाने के लिए सामाजिक स्तर पर एक मजबूत पहल होनी चाहिए । हमें अपने माल की जकात उसके हकदार को अदा करनी चाहिए । फैजाने औलिया कॉन्फ्रेंस मे मौलाना सैयद गुलाम, अहमद अली शाह शहर काजी, मुस्तफा कादरी, सैयद मोहम्मद ताबिश हुसैन कादरी, मंजूर आलम, रिहान मुस्तफा, सैयद नईम, सैयद अकरम, सैयद सलीम भाई चुरुवी, हसनैन , हसन यासिर एवं आलिम लोगों ने भाग लिया । संचालन मौलाना जमील बीकानेरी ने किया।

टांकरडा में धूमधाम से निकाली भगवान बाबा भोले की बारात

एहसान पठान

टांकरडा/चौमूं (रॉयल पत्रिका) । शहर के ग्राम टांकरडा में रविवार को महाशिवरात्रि पर्व पर भोले की बारात मंडल के तत्वावधान में भगवान बाबा भोले की बारात का आयोजन हुआ। कार्यक्रम का शुभारंभ रेनवाल रोड़ स्थित अमृतपुरी शिवालय से भाजपा मुख्य प्रदेश प्रवक्ता एवं पूर्व विधायक रामलाल शर्मा ने किया। बारात में ब्रह्मा विष्णु गणेश हनुमान काली माता सहित देवी देवताओं के साथ यक्ष-यक्षिणी, राक्षस-राक्षसी और विभिन्न जीव-जंतुओं के रूप में ग्रामीणों ने भाग लिया। बारात अमृतपुरी शिवालय से रवाना होकर नृत्य करते हुए टांकरडा बस स्टैंड पहुंची, जहां ग्रामीणों ने भगवान बाबा भोले की मोरछड़ी की। इसके पश्चात बारात मुख्य मार्ग से होती हुई श्री रघुनाथ जी महाराज मंदिर परिसर पहुंची। ग्रामीणों द्वारा मंदिर परिसर में पुष्प वर्षा और आतिशबाजी से स्वागत किया। मंदिर परिसर में शिव-पार्वती विवाह की रस्में, वरमाला, कन्यादान और फेरे स्थानीय कलाकारों द्वारा निभाई गई। कार्यक्रम के अंत में प्रसादी वितरण किया गई। आयोजन में सांवरमल कुरलिया, संजय कुमार जैन, सीताराम प्रजापत (सोनी), माधव शर्मा, शंकरलाल सेन, सुरज्ञान कुरलिया, नरेन्द्र हरसोलिया, दुर्गेश सैनी, राहुल राजावत, कानाराम सेन सहित कई लोगों ने भाग लिया। इस दौरान योगेंद्राचार्य महाराज, प्रशासक कृष्णा चौहान, मुकेश कुरलिया, मुकेश चोपड़ा, रामावतार जांगिड़, विनोद शर्मा, बाबूलाल सैनी, पवन सिंह राजावत, जितेन्द्र हरसोलिया, बनवारी लाल राव, रघुवीर सिंह पंवार, ताराचंद यादव, योगेश नुवाल, विरेन्द्र सिंह हरसोलिया, छूट्टन सिंह राजावत, वार्ड पंच बलवीर चोपड़ा, दीपक नुवाल, श्यामलाल प्रजापत, महेंद्र सिंह हरसोलिया, राहुल वर्मा सहित हजारों की संख्या में ग्रामीणजन मौजूद रहे।

कुमावत बने उद्योग एवं व्यापार प्रकोष्ठ चूरू के जिलाध्यक्ष

चूरू (रॉयल पत्रिका)। जिला मुख्यालय पर राजस्थान प्रदेश कांग्रेस कमेटी उद्योग एवं व्यापार प्रकोष्ठ की कार्यकारिणी का विस्तार कांग्रेस प्रदेशाध्यक्ष गोविंद डोटासरा और उद्योग एवं व्यापार प्रकोष्ठ प्रदेशाध्यक्ष मुकुल गोयल व प्रदेश उपाध्यक्ष रफीक मंडेलिया के निर्देशानुसार कांग्रेस के उद्योग व व्यापार प्रकोष्ठ का जिलाध्यक्ष पद पर यूथ कांग्रेस जिला उपाध्यक्ष मनीष कुमावत को मनोनित किया गया है। इस अवसर पर नवगठित जिलाध्यक्ष मनीष कुमावत ने बताया कि इस पद पर रहकर व्यापार व उद्योग के हितों का कार्य करूंगा। इस अवसर पर नई सड़क पर विभिन्न व्यापारी संगठनों की ओर से आतिशबाजी कर एक दूसरे को मिठाई खिलाई। इस अवसर पर योगेन्द्र वर्मा, आनंद राठी, राजू जांगिड़, सुमित, फिरोज, जीतू, संजू, इदरीश, दिनेश, अनीस खान, बसीर खान, पूर्णमल, काशी, शकील, नितेश, साहिल, जमील, तौफीक व प्रतीक आदि मौजूद रहे।

चूरु विधायक ने पार्कों के सौन्दर्यकरण के लिए विधानसभा में उठाया मुद्दा

-विकास के लिए मांगे 7 करोड़ रूपये

मोहम्मद अली पठान

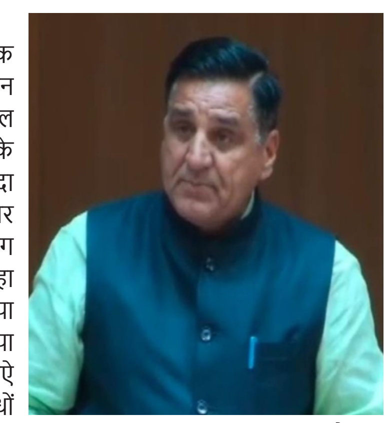

चूरु (रॉयल पत्रिका) । विधायक हरलाल सहारण ने राजस्थान विघानसभा के शून्यकाल के दौरान चूरू में पार्को के सौन्दर्यकरण के लिए मुददा उठाया एवम् राज्य सरकार से सात करोड़ रूपये की मांग की। विधायक सहारण ने कहा कि हमारे शास्त्रो में कहा गया है कि पहला सुख निरोगी काया इस बात को ध्यान में रखते हुऐ हमारे शहरों में जहां पेड़ पौधों की कमी होती है, उस कमी को दूर करने के लिए पार्को की परिकल्पना की गई है । जहां आम आदमी प्रकृति के नजदीक रहकर शुध्द हवा का सेवन कर सके। उन्होने कहा कि आज भाग-दोड़ भरी जिदंगी में व्यक्ति को चार दिवारी में कैद कर दिया है क्योंकि वह घर से ऑफिस और ऑफिस से घर रहता है। इसके लिए पार्क का विकास करना आवश्यक है ताकि व्यक्ति थोड़ा प्रकृति के नजदीक रह सके। उन्होने कहा कि चूरू नगरपरिषद् क्षेत्र में 30 पार्क है जिसमे से 6 पार्को में ही थोड़ी बहुत मुलभूत सुविधाऐं है बाकी सभी पार्क अव्यवस्था का शिकार हो रहे हैं। जिसके कारण बच्चों एवम् बुर्जुगों को मूलभूत सुविधाएं नहीं मिल रही है क्योंकि बच्चों का शारारिक विकास तभी हो सकता है जब वो खेल कूद से जुड़ें। उन्होने मांग उठाते हुऐ कहा कि इन पार्को की चार दिवारी खंडित है । जिसका निर्माण करवाने एवम् वहां पर खुले जिम, झूले, एवम फुटपाथ सहित अन्य सुविधाओं की महती आवश्यकता है। उन्होने मांग उठाते हुऐ कहा कि एक आदर्श पार्क के लिए लगभग 30 लाख रू. की आवश्यकता होती है। ओर कुल चूरू के पार्कों के लिए 7 करोड़ रू. आंवटित करने से इन पार्को की सुविधाओं में वृद्धि हो सकती है। उन्होने विश्वास व्यक्त करते हुऐ कहा कि जिस प्रकार प्रदेश सरकार प्रदेश के विकास को प्रकृति सरंक्षण के साथ विकसित बनाने का कार्य कर रही है। उन्हे पूर्ण विश्वास है चूरू के इन पार्को के लिए सरकार उचित धनराशि उपलब्ध करवायेगी।

ब्लाइंड मर्डर का खुलासा: पत्नी ने प्रेमी संग मिलकर की पति की हत्या

विनोद सोखल

श्रीगंगानगर (रॉयल पत्रिका)। घड़साना पुलिस ने चक 4 जेडब्ल्यूएम क्षेत्र में हुए ब्लाइंड मर्डर का पर्दाफाश करते हुए मृतक की पत्नी और उसके प्रेमी को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस जांच में सामने आया कि पत्नी ने अपने प्रेमी के साथ मिलकर पति की हत्या की और सबूत मिटाने के लिए शव व बाइक को इंदिरा गांधी नहर में फेंक दिया। पुलिस के अनुसार, 16 जनवरी को कृष्णलाल निवासी 4 जेडब्ल्यूएम ने अपने 35 वर्षीय पुत्र भजनलाल के 13 जनवरी की रात से लापता होने की रिपोर्ट दर्ज करवाई थी। इसी बीच 2 फरवरी को फलौदी जिले की नोख पुलिस को नहर से एक अज्ञात शव मिला। पहचान होने पर शव भजनलाल का निकला। परिजनों की रिपोर्ट के आधार पर मामला हत्या का दर्ज कर जांच घड़साना पुलिस को सौंपी गई। जांच के दौरान एएसपी डॉ. अमृता दुहन के निर्देशन में पुलिस ने गहन पड़ताल की। पूछताछ में खुलासा हुआ कि मृतक की 30 वर्षीय पत्नी इंद्रा देवी और उसका 31 वर्षीय प्रेमी प्रभुदयाल (निवासी चक 4 जेडब्ल्यूएम) इस वारदात में शामिल थे। पुलिस जांच में सामने आया कि 13 जनवरी की रात आरोपियों ने एक नाबालिग की मदद से भजनलाल को सुनसान स्थान पर रोका। वहां पहले लाठी से हमला किया गया और फिर रस्सी से गला घोंटकर हत्या कर दी गई। इसके बाद शव और बाइक को करीब 465 हेड के पास इंदिरा गांधी नहर में फेंक दिया गया ताकि मामला दुर्घटना लगे। हत्या की पुष्टि होने के बाद पुलिस ने दोनों मुख्य आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। वारदात में सहयोग करने वाले नाबालिग को निरुद्ध किया गया है। पुलिस ने बताया कि आरोपियों के खिलाफ हत्या सहित अन्य धाराओं में मामला दर्ज किया गया है तथा आगे की जांच जारी है।

तारानगर के 'विद्यार्थी' ने पहले ही साल रचा इतिहास

-जेईई मेन्स में जिले के दोनों टॉपर का संस्थान ने निकाला भव्य रोड शो

मोहम्मद अली पठान

तारानगर (रॉयल पत्रिका)। विद्यार्थी करियर इंस्टीट्यूट (Vidhyarthi Career Institute) ने अपने स्थापना के पहले ही वर्ष में जेईई मेन्स (सत्र 1) के परिणामों में ऐतिहासिक सफलता हासिल की है। संस्थान ने चूरू जिले को दोनों टॉपर्स देकर शिक्षा के क्षेत्र में अपनी श्रेष्ठता साबित कर दी है। संस्थान के छात्र रजनीश ने 99.06 परसेंटाइल हासिल कर 'ऑवरऑल टॉपर' (Overall Topper) बनने का गौरव प्राप्त किया, वहीं छात्रा सपना ने 98.62 परसेंटाइल के साथ 'गर्ल्स टॉपर' (Girls Topper) का खिताब अपने नाम किया। इसके साथ ही छात्रा एकता खींचड़ ने भी 95.07 परसेंटाइल हासिल कर उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। शहर में गूंजा सफलता का शोर, जगह-जगह हुआ स्वागत इस शानदार परिणाम के उपलक्ष्य में संस्थान द्वारा एक भव्य रोड शो (विजय जुलूस) निकाला गया। जुलूस विद्यार्थी कैंपस से शुरू होकर सीएलजीआरएम (CLGRM), मॉडर्न स्कूल, बस स्टैंड, गढ़ और राजगढ़ तिराहा होते हुए GRT हॉस्पिटल तक पहुंचा। पूरे रास्ते शहरवासियों ने होनहार छात्रों का फूल-मालाओं से स्वागत किया और उनका उत्साहवर्धन किया।

क्या बोले संस्थापक:

संस्थान के संस्थापक दयानंद भालोटिया (IIT Delhi) ने खुशी जाहिर करते हुए कहा कि, "हमने तारानगर में ही उच्च गुणवत्ता वाली शिक्षा उपलब्ध कराई है ताकि विद्यार्थियों को सीकर या कोटा जाने की आवश्यकता न पड़े, क्योंकि आजकल वहां का माहौल विद्यार्थियों के अनुकूल नहीं है। पहले ही साल में हमारा चयन अनुपात 30% से अधिक रहा है, जो हमारी गुणवत्ता को दर्शाता है।" वहीं, सह-संस्थापक अनिल भालोटिया (IIT Roorkee) ने कहा कि, "हमारी फैकल्टी टीम में आईआईटीयंस और डॉक्टर्स शामिल हैं। शिक्षकों और छात्रों ने साल भर जो कड़ी मेहनत की, यह परिणाम उसी का आईना है।"

पाली में एसडीपीआई का पार्टी कन्वेंशन

-सामाजिक न्याय और संगठन विस्तार पर जोर

मोहम्मद यासीन

पाली (रॉयल पत्रिका) । पाली शहर में 16 फरवरी को एसडीपीआई द्वारा एक भव्य एवं प्रभावशाली पार्टी कन्वेंशन का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में पार्टी पदाधिकारी, कार्यकर्ता एवं समर्थक मौजूद रहे। सम्मेलन में संगठन की मजबूती, सामाजिक न्याय, संवैधानिक अधिकारों की रक्षा तथा जनसमस्याओं के समाधान पर विस्तार से विचार-विमर्श किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि अश्फ़ाक़ हुसैन, प्रदेश अध्यक्ष एसडीपीआई ने अपने संबोधन में कहा कि एसडीपीआई देश में लोकतांत्रिक मूल्यों और संविधान की रक्षा के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने संगठन को बूथ स्तर तक मज़बूत करने और समाज के हर वर्ग तक पार्टी की विचारधारा पहुँचाने का आह्वान किया, साथ ही उन्होंने धर्म की राजनीति से ऊपर उठकर सभी धर्मों के लोगों के लिए समान अधिकार, न्याय और विकास हेतु कार्य करने का आह्वान भी किया। स्टेट सेक्रेटरी सब्बीर कुरैशी, जो पाली के प्रधान भी हैं, ने कहा कि पाली जिले में पार्टी तेज़ी से मज़बूत हो रही है और आने वाले समय में जनहित के मुद्दों को लेकर व्यापक अभियान चलाया जाएगा। पाली जिला अध्यक्ष सलमान मोयल ने सभी अतिथियों का स्वागत करते हुए जिले में संगठन की गतिविधियों एवं आगामी योजनाओं पर प्रकाश डाला। इस अवसर पर वाइस प्रेसिडेंट जाकिर गौरी, जनरल सेक्रेटरी सैयद शाहरुख अली तथा पाली जिला सेक्रेटरी निज़ाम सोढा ने भी सभा को संबोधित किया और कार्यकर्ताओं से संगठन को मज़बूत करने का आह्वान किया। मंच संचालन ग़ुलाम हुसैन सर ने किया। कार्यक्रम में युसूफ तिलजीवाला, इक़बाल नगर वाला, महबूब ख़ान पिल्लू, इक़बाल भाटी, अशरफ़ नियारगर, समीर सिपाही तथा शहज़ाद सिलावट सहित पार्टी के कई पदाधिकारी व कार्यकर्ता और अनेक गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। कार्यक्रम के अंत में सभी पदाधिकारियों ने संगठन को और अधिक सशक्त बनाने का संकल्प लिया। यह कन्वेंशन पाली जिले में एसडीपीआई के संगठनात्मक विस्तार और जनसंपर्क अभियान को नई दिशा देने वाला महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है।

भाजपा युवा मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष शंकर गोरा ने किया युवाओं से संवाद एवं बजट पर चर्चा

-प्रेस कॉन्फ्रेंस मे राज्य सरकार की 2 वर्ष की उपलब्धियां बताई

मोहम्मद अली पठान

चूरू (रॉयल पत्रिका)। भाजपा युवा मोर्चा के प्रदेषाध्यक्ष शंकर गौरा के युवा संवाद एवं बजट पर चर्चा करने के लिए चूरू जिला मुख्यालय पर पूर्व नेता प्रतिपक्ष राजेन्द्र राठौड़ के चूरू स्थित आवास पर पधारें, इस मौके पर उन्होने युवाओं से संवाद किया। इस अवसर पर प्रदेशाध्यक्ष सहित भाजपा जिलाध्यक्ष बसंत शर्मा, जिला महामंत्री अभिषेक चोटिया, कार्यक्रम के अध्यक्ष व युवा मोर्चा के जिलाध्यक्ष मदन गोपाल बालान, प्रदेश मंत्री रामकेश मीणा, लोकेश चाहर, सतेन्द्र त्यागी, निवर्तमान उप जिला प्रमुख महेंद्र न्योल मंचस्थ रहे। इस अवसर पर गोरा ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी की सरकार युवा हित के लिए कार्य कर रही है। उन्होने युवाओं से संवाद करते हुए कहा कि केन्द्र सरकार एवं राज्य सरकार ने युवाओं को केन्द्र में रखकर शासन की नितियां बनाई है। उन्होने राज्य सरकार के 2 वर्षो के दौरान युवाओं के लिए किये गये कार्यो का उल्लेख करते हुए कहा कि जहां पूर्ववर्ति सरकार ने पेपर लीक जैसे प्रकरण हर दिन दिखाई देते थे और लाखो युवाओं के सपने चकनाचुर हो जाते थे वही मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की सरकार में पिछले 2 वर्षो में पूर्ण पारदर्शी तरीके से प्रतियोगि परिक्षायें करवाई जा रही है। उन्होने राज्य सरकार द्वारा आगामी पांच वर्षो में 4 लाख युवाओं को रोजगार देने के लक्ष्य की चर्चा करते हुए कहा कि स्वतंत्रता के बाद यह पहली सरकार है जिसने युवाओं को रोजगार देने के लिए वार्षिक केलेण्डर की घोषणा की है और अपने 2 वर्षो के कार्यकाल में लाखो युवाओं को रोजगार देकर उनके सपने को पंख लगाये है। उन्होने राज्य सरकार द्वारा विभिन्न आर्थिक घोषणाओं पर चर्चा करते हुए कहा कि राज्य सरकार ने अपने 2 वर्ष के कार्यकाल में उघोग धंधो के लिए अनेक एमओयूज पर हस्ताक्षर किये जिससे युवाओं में रोजगार प्रतिस्पर्धा बढेगी और राजस्थान का युवा ना केवल रोजगार प्राप्त करेगा बल्कि वह रोजगार देने वाला भी बनेगा। इस अवसर पर जिलाध्यक्ष बसंत शर्मा ने प्रदेषाध्यक्ष गौरा का स्वागत करते हुए कहा कि उनके नेतृत्व में युवा मोर्चा अपनी विषेष पहचान बना रहा है। उन्होने युवा मोर्चा को पार्टी की रीढ की हड्डी बताते हुए कहा कि यह हरावल दस्ता जिस पार्टी के पास हो उस पार्टी की विचारधारा अंतिम व्यक्ति तक पहुचती है। उन्होने अपने युवा मोर्चा जिलाध्यक्ष के कार्यकाल को याद करते हुए कहा कि उस जमाने में सोशल मीडिया का इतना प्रभाव नही था लेकिन अब युवाओं में सोशल मीडिया का प्रभाव बढ़ रहा है और युवाओं को सोशल मीडिया का सकारात्मक प्रयोग करते हुए युवा मोर्चा को शसक्त बनाना चाहिए। इस अवसर पर भाजयुमो जिलाध्यक्ष मदन गोपाल बालाण ने कार्यकर्ताओ के साथ रतननगर चौराहे पर भाजयुमो प्रदेषाध्यक्ष की अगुवानी की और कहा कि चूरू जिला संगठन एवं नेतृत्व की दृष्टि से बहुत मजबूत जिला है। यहां पूर्व नेता प्रतिपक्ष राजेन्द्र राठौड़ की राजनिती का मूल उद्देश्य सेवा करना है और युवाओं को आगे बढ़ने का मौका देना है। उन्होने सभी का आभार जताते हुए इस युवा संवाद में सकारात्मक तरीके से भाग लेने एवं पार्टी को मजबूत करने के संकल्प की आवस्यकता पर बल दिया। इस अवसर पर उन्होने पूर्व नेता प्रतिपक्ष राजेन्द्र राठौड़ के चूरू आवास पर प्रेस कॉन्फ्रेस कर राजस्थान सरकार के विकसित राजस्थान के सपने को साकार करने वाले बजट पर चर्चा की। उन्होने एस्पेरो कॉचिंग इस्टीटयूट पर उपस्थित विद्यार्थियों से बजट पर परिचर्चा में भाग लिया। इस अवसर पर उन्होने कहा कि सरकार की मंशा है कि राजस्थान देश का विकसित प्रदेश बने इसमें युवाओं की अग्रणी भूमिका होगी। खांसोली मंडल अध्यक्ष सुरजीत सिंह, राकेश तालणिया,धनराज चरण के नेतृत्व में खांसोली बालाजी धाम पर प्रदेशाध्यक्ष के दर्शन करने के पश्चात स्वागत व अभिनन्दन किया गया । युवा मोर्चा के कार्यकर्ताओ ने महामंत्री जयपाल सिंह टकणेत के नेतृत्व में उन्हे 21 किलो फुलो की माला एवं भगवान राम की प्रतिमा भेंट की व वार्ड वासियो ने साफा व दुप्पटा पहनाकर अभिन्नदन किया। इस अवसर पर मोनू शर्मा, मंडल अध्यक्ष रजत शर्मा, महामंत्री जयपाल सिंह, निखिल प्रजापत, राजीव लांबा, हरीश वर्मा, आदित्य पुजारी, पूनम भार्गव, जिला महामंत्री कृष्ण मेघवाल, प्रवक्ता राकेश शर्मा, आदिल खान और मनोज सैनी, निखिल प्रजापत के नेतृत्व में जिलेभर में विभिन्न जगहों पर स्वागत सत्कार किया। अनेकों कार्यकर्त्ता उपस्थिति रहे। कार्यक्रम का संचालन महामंत्री कपिल रक्षक और नेमीचंद जांगिड़ ने किया।

सोनू हाडौली मुस्लिम राष्ट्रीय मंच के करौली जिला संयोजक नियुक्त

हनीस शेख

हिंडौन (रॉयल पत्रिका)। मुस्लिम राष्ट्रीय मंच का एक भव्य आयोजन हिंडौन सिटी (करौली) में आयोजित किया गया, जिसमें मुस्लिम राष्ट्रीय मंच के राष्ट्रीय संयोजक एवं राजस्थान प्रभारी एवं पूर्व चेयरमैन (राज्य मंत्री) वक्फ बोर्ड राजस्थान सैयद अबू बकर नकवी, पूर्व प्रचारक हेमंत अवस्थी, जयपुर संभाग के संयोजक अब्दुल अजीज ने भाग लिया। मुस्लिम राष्ट्रीय मंच के बारे में पूर्ण जानकारी दी। इस अवसर पर करौली जिले के युवा संघर्षशील व्यक्तित्व के धनी सोनू अली को करौली जिले का जिला संयोजक नियुक्त किया गया। सोनू अली के सैकड़ो साथी इस बैठक में मौजूद रहे तथा सोनू अली को संयोजक घोषित करने पर तालियों की गड़गड़ाहट के साथ साफा पहनाकर मालाओं से लाद दिया। सोनू अली ने इस जिम्मेदारी को लेने के बाद अपनी बात रखते हुए कहा कि इस राष्ट्रवादी संगठन में मुझे जोड़ने पर काफी खुशी महसूस कर रहा हूं। मैं सभी साथियों को विश्वास दिलाना चाहता हूं की करौली जिले की सभी तहसीलों के संयोजक और जिले की कार्यकारिणी तीन-चार माह में खड़ी करके करौली जिले को मजबूत करते हुए सैकड़ो, हजारों साथी इस मंच में जोड़ने की भरपूर कोशिश करूंगा। इस कार्यक्रम में सैयाद गुड् वारसी, अरशद अली, इमरान अली, सलीम अली बीजेपी, लादेन अली बीजेपी, नासिर अली, टीकम शर्मा, विनोद मीना, महेंद्र मीना, अशोक गुर्जर, भरत पहलवान, रतन चिनायटा, बाबू मास्टर, रामपक्रश डागुर बीजेपी, रूपन पहलवान, जीतू रारा बीजेपी, उमर अली, अरमान पठान, इरफ़ान अली, वाजिद अली, शानू कोटा एवं काफी साथी मौजूद रहे।

मदीना इस्लामिक रिसर्च सेंटर आथूना मोहल्ला द्वारा सालाना इजलास संपन्न

मोहम्मद अली पठान

चूरू (रॉयल पत्रिका)। "मदीना इस्लामिक रिसर्च सेन्टर" आथुना मुहल्ला चूरू में बच्चियों का सालाना इजलास हुआ। तालिबात का ये इजलास अल्हम्दुलिल्लाह कामयाबी के साथ मुनअकिद हुआ। जिसमें बच्चियों ने अपना शानदार तालीमी मुजाहिरा पैश किया। किरात-ए-कुरआन, उर्दू व अंग्रेजी जबान में तकरीर, हिफ्ज अहादीस, सीरत व अकीदा के मकालमे की शकल में शानदार नमूने पैश किए। जिन्हें सुनकर मेहमान दाद देने पर मजबूर हो गए। बच्चियों के इतने बेहतरीन कार्यक्रम से पता चल रहा था कि यहां कितनी खुलूस और महनत से तालीम दी जाती है। तालिबात के अख्लाक व किरदार से अयां था कि उनकि इस्लाह में उस्तादा खदीजा रहमानी हफिजहल्ला और उस्ताद मौलाना अशरफ हफिजहुल्लाह की अनथक कौशिश और महनत रही है। और इस सेन्टर के तमाम जिम्मेदारान टीम आथूना मोहल्ला ने अपनी पूरी कौशिश सर्फ कर दी है। तालिबात के प्रोग्राम के इख्तिताम पर बच्चियों को इनआमात प्रतीक चिन्ह से नवाजा गया। "मदीना इस्लामिक रिसर्च सेन्टर" चूरू के तमाम जिम्मेदारान, उस्तादा खदीजा रहमानी हफिजहुल्ला, उस्ताद मौलाना मुहम्मद अशरफ इस्लाही हफिजहुल्ला आथूना मोहल्ला टीम आप तमाम का तह-ए-दिल से शुक्रिया अदा किया।

महवा के युवा तरुण सैनी को फुले ब्रिगेड में राष्ट्रीय सोशल मीडिया प्रभारी की बड़ी जिम्मेदारी

शफीक अली

महवा (रॉयल पत्रिका) । महवा फुले ब्रिगेड संगठन में एक महत्वपूर्ण संगठनात्मक निर्णय लेते हुए राष्ट्रीय अध्यक्ष चंद्र प्रकाश सैनी की अनुमति तथा राजस्थान प्रदेश अध्यक्ष चंद्र जयप्रकाश सैनी की अनुशंसा पर संगठन मंत्री विनोद सैनी ने महुआ निवासी युवा कार्यकर्ता तरुण सैनी (पुत्र नंदकिशोर सैनी, निवासी नई सब्जी मंडी, महुआ जिला दौसा) को संगठन के प्रति उनकी लगन, सक्रियता और निरंतर मेहनत को देखते हुए बड़ी जिम्मेदारी सौंपते हुए प्रदेश सोशल मीडिया प्रभारी पद से पदोन्नत कर राष्ट्रीय सोशल मीडिया प्रभारी नियुक्त किया है। संगठन द्वारा जारी इस नियुक्ति आदेश के बाद महुआ क्षेत्र सहित पूरे सैनी समाज में खुशी और उत्साह का माहौल देखने को मिल रहा है। समाज के लोगों ने इसे क्षेत्र के लिए गर्व का विषय बताते हुए कहा कि महुआ का एक युवा आज राष्ट्रीय स्तर की कार्यकारिणी में अपनी मजबूत उपस्थिति दर्ज कराएगा। जानकारी के अनुसार, तरुण सैनी लंबे समय से फुले ब्रिगेड की गतिविधियों में सक्रिय भूमिका निभाते रहे हैं। सोशल मीडिया के माध्यम से संगठन की नीतियों और कार्यक्रमों को जन-जन तक पहुंचाने में उनकी भूमिका प्रभावी रही है। उनकी इसी कार्यशैली, संगठन के प्रति निष्ठा और जमीनी पकड़ को देखते हुए शीर्ष नेतृत्व ने उन्हें यह महत्वपूर्ण जिम्मेदारी सौंपी है। स्थानीय समाज बंधुओं, युवाओं और शुभचिंतकों ने तरुण सैनी को बधाइयाँ देते हुए विश्वास जताया कि वे राष्ट्रीय स्तर पर संगठन को नई मजबूती प्रदान करेंगे और समाज की आवाज को और प्रभावी ढंग से आगे बढ़ाएंगे। महुआ क्षेत्र में जगह-जगह खुशी का माहौल है और समर्थकों द्वारा इसे युवा नेतृत्व के उभार के रूप में देखा जा रहा है। अपने मनोनयन पर प्रतिक्रिया देते हुए तरुण सैनी ने संगठन के राष्ट्रीय नेतृत्व का आभार व्यक्त किया और कहा कि उन्हें जो जिम्मेदारी सौंपी गई है, उसे वे पूरी निष्ठा, ईमानदारी और समर्पण के साथ निभाएंगे। उन्होंने कहा कि उनका प्रयास रहेगा कि फुले ब्रिगेड की विचारधारा और कार्यक्रमों को डिजिटल माध्यमों से देशभर में मजबूत पहचान दिलाई जाए। इस नियुक्ति को महुआ क्षेत्र के लिए गौरवपूर्ण उपलब्धि माना जा रहा है, वहीं सैनी समाज के लोगों में नई ऊर्जा और उत्साह का संचार हुआ है। संगठन से जुड़े पदाधिकारियों ने उम्मीद जताई है कि तरुण सैनी के नेतृत्व में सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर फुले ब्रिगेड की पकड़ और मजबूत होगी।

महवा विधायक राजेंद्र मीना ने विधानसभा में उठाया सड़कों का मुद्दा

-लंबित कार्यों को शीघ्र पूरा कराने की मांग

शफीक अली

महवा (रॉयल पत्रिका)। महवा विधानसभा से विधायक राजेंद्र मीणा ने मंगलवार को राजस्थान विधानसभा के प्रश्नकाल के दौरान महुवा विधायक राजेंद्र मीना ने महवा विधानसभा क्षेत्र की जर्जर सड़कों एवं लंबित विकास कार्यों का विषय मजबूती से सदन में रखा। उप मुख्यमंत्री एवं सार्वजनिक निर्माण विभाग मंत्री दिया कुमारी के समक्ष क्षेत्र की सड़कों का विस्तृत विवरण प्रस्तुत करते हुए विधायक राजेंद्र मीणा ने प्रश्न में कहा कि वर्तमान में कितनी सड़कें 'पेचेबल' स्थिति में हैं तथा वर्ष 2023 से 2025 तक स्वीकृत नई सड़कों के टेंडर अब तक क्यों पूर्ण नहीं हुए हैं। साथ ही सभी लंबित कार्यों को प्राथमिकता के आधार पर शीघ्र पूरा कराने की मांग की। विधायक राजेंद्र मीणा ने कहा कि बजट वर्ष 2025-26 के अंतर्गत SH-22 से करीरी–भैरोजी मंदिर वाया पथवारी (10 किमी) हेतु ₹19.91 करोड़ तथा करीरी सीमा (4 किमी) तक सड़क निर्माण हेतु ₹7.22 करोड़ की मांग को प्रमुखता से दोहराया गया। इस पर मंत्री दिया कुमारी द्वारा सकारात्मक आश्वासन राजेंद्र मीणा को दिया गया कि आवश्यक कार्यवाही शीघ्र की जाएगी। प्रदेश में भारतीय जनता पार्टी की सरकार विकास कार्यों को गति देने के लिए प्रतिबद्ध है। महवा एवं टोडाभीम क्षेत्र की जनता के हित में सभी रुके हुए निर्माण कार्यों को शीघ्र प्रारंभ कराने हेतु विधायक राजेंद्र मीना निरंतर प्रयासरत हैं। जिससे क्षेत्र में सड़कों के साथ गांव कस्बे शहर के लोगों को राहत मिल सके।

राज्यसभा सांसद मदन राठौड़ ने किया मीडिया गैलेरी के नवीनीकरण कार्य का लोकार्पण

-मीडीया देश का चौथा स्तंभ मीडीया का मजबूत होना आवश्यक, निभाये सकारात्मक भूमिका भी- सांसद राठौड

मोहम्मद यासीन

पाली (रॉयल पत्रिका)। राज्य सभा सांसद मदन राठौड मंगलवार को एक दिवसीय पाली दौरे पर रहे। जहां उन्होंने कलेक्ट्रेट परिसर में स्थित पाली प्रेस क्लब मीडिया गैलेरी में नवीनीकरण कार्य का लोकार्पण किया। इस अवसर पर राज्यसभा सांसद मदन राठौड़ ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुये कहा कि मीडीया देश समाज का आईना है और देश में मीडीया चौथा स्तंभ है उसका मजबूत होना आवश्यक है, जो समाज में हो रही अच्छी बुरी घटनाओं को कमियों को दिखाता है। उन्होंने इस बात पर बल दिया कि यथार्थ चित्रण के साथ सकारात्मक व अच्छे बदलाव को अधिक उभारे ताकि समाज में सकारात्मक बदलाव आये। लोकार्पण समारोह को संबोधित करते हुए सांसद राठौड ने कहा कि उन्हें सदेव पाली की मीडिया से सिखने को मिला। वे मीडिया के सहयोग के लिए हमेशा तैयार है। उन्होंने भविष्य में भी विकास के लिए यदि किसी भी प्रकार की सहयोग की आवश्यकता होगी तो वे उसके लिए तत्पर रहेंगे। उन्होंने कार्यक्रम में मीडिया के कार्यशैली की भूरी भूरी प्रशंसा की। कार्यक्रम में जिला कलक्टर एलएन मंत्री, डीआईजी आदर्श सिंधू, अतिरिक्त जिला कलक्टर डॉ. बजरंग सिंह, आईएएस बिरजू गोपाल, एडीएम बजरंगसिंह, एसडीएम विमलेन्द्र सिंह राणावत, सहायक निदेशक जनसम्पर्क सौरभ सिंगारिया, नगर निगम आयुक्त नवीन भारद्वाज, सुनील भंडारी व समारोह में मौजूद रहे व स्वागत किया गया। इस अवसर पर वरिष्ठ पत्रकार कृपा शंकर त्रिवेदी, ओम चतुर्वेदी, अरूण जोशी, धर्मेन्द्र वैष्णव, कन्नु भीलवारा, छगनलाल भारद्वाज का साफा पहनाकर सम्मानित किया गया। जिला कलक्टर एलएन मंत्री व पुलिस अधीक्षक आदर्श सिधु ने मीडिया गैलेरी के नवीनीकरण कार्य की प्रशंसा की। समारोह में सम्पादक अरविन्द शर्मा, सम्पादक नागेश शर्मा, पुखराज पटेल, भंवर चौधरी, त्रिलोक चौधरी समेत मीडिया अध्यक्ष शेखर राठौड़, उदयवीरसिंह, सुभाष त्रिवेदी, पन्नालाल चौहान, जय थेवानी, श्याम चौधरी, सुभाष रोहिसवाल, अमृत कुमावत, ओम टेलर, ओम वैष्णव, जितेन्द्र कच्छवाह, मुकेश राजा, सुरेश हेमनानी, कुलदीप, हस्तपाल, सिकन्दर खान, मनोज शर्मा, रविन्द्र सोनी, मुकेश सोनी, पवन पाण्डे, शरद भाटी, आसिफ सिलावट, मनीष, जितेन्द्र पासवानी, मोहम्मद यासीन सहित अनेक मीडिया प्रतिनिधि व कलेक्ट्रेट अधिकारीगण, विक्रमसिंह परिहार एवं जनसम्पर्क कार्यालय के नरेन्द्रसिंह, युगल किशोर, जगदीश मीणा, हेमंत कुमावत, कपिल शर्मा, नरपत सिंह, गजेन्द्र सिंह आदि मौजूद रहे। मंच का संचालन संदीप राठौड़ ने किया।

महुवा पुलिस की सटीक कार्रवाई:

3 कछुओं के साथ वन्यजीव तस्कर गिरफ्तार

शफीक अली

महवा (रॉयल पत्रिका) महवा थाना पुलिस ने "आमजन में विश्वास, अपराधियों में भय" के संकल्प के तहत सोमवार को वन्यजीव तस्करी के मामले में प्रभावी कार्रवाई करते हुए तीन कछुआ के साथ एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। थाना अधिकारी राजेंद्र कुमार मीणा ने बताया कि सोमवार को पुलिस ने आरोपी के कब्जे से 03 जीवित कछुए बरामद कर उन्हें वन विभाग टीम को सुपुर्द कर दिया। जिला पुलिस अधीक्षक दौसा सागर राणा (IPS) के निर्देशन तथा अति. पुलिस अधीक्षक दौसा हेमन्त कलाल (IPS) के मार्गदर्शन में, वृत्ताधिकारी महवा मनोहरलाल मीना के सुपरविजन में थाना महवा के थानाधिकारी राजेन्द्र कुमार (पु.नि.) के नेतृत्व में गठित टीम ने 16 फरवरी 2026 को ठेकड़ा बाईपास पर यह कार्रवाई की। वन्यजीव संरक्षण अभियान के दौरान पुलिस ने आरोपी लाडला पुत्र रवि, जाति सींगीवाल निवासी कॉलेज के पास सपेरा बस्ती गंगापुर (हाल मंडावरा फाटक, हिंडोन सिटी जिला करौली) को गिरफ्तार किया। आरोपी के कब्जे से 03 कछुए बरामद किए गए। वहीं जानकारी मैं पाया गया है कि ग्रामीण क्षेत्र में गांव गांव जाकर लोगों को पैसों का लोभ देकर अपने झांसे में ले लेते हैं और उनसे बोलते हैं कि अगर हमको पीले कलर का कछुआ मिल जाए तो 60 लाख रुपए मिलेंगे लोग पैसे की चक्कर में सब कुछ भूल जाते हैं और लोगों से बोलते हैं हम आपको पीला कलर का कछुआ दिला देंगे फिर उनसे पांच या दस लाख रुपए की मोटी रकम एठकर उस जगह से गायब हो जाते हैं लोग बदनामी की वजह से थानों में नहीं जाते हैं। वहीं ये गैंग कछुआ नाम से प्रसिद्ध है। इस संबंध में थाना महुवा पर प्रकरण संख्या 81/2026 धारा 9/51 वन्यजीव संरक्षण अधिनियम के तहत मामला दर्ज कर आगे की जांच जारी है।

जिला स्तरीय बीमा समिति की बैठक सम्पन्न

बारां। भारतीय बीमा विनियामक और विकास प्राधिकरण एवं केन्द्र सरकार के संयुक्त विज़न के अनुरूप सबको बीमा अभियान 2047 के तहत मंगलवार को जिला स्तरीय बीमा समिति की मासिक बैठक का आयोजन जिला कलक्टर के निर्देशानुसार मुख्य कार्यकारी अधिकारी, जिला परिषद राजवीर सिंह चौधरी की अध्यक्षता में किया गया। देश की आजादी के शताब्दी वर्ष अर्थात् 2047 तक सबको बीमा के दायरे में लाना इसका उद्देश्य है। बैठक में सीईओ चौधरी ने निर्देश दिए कि जो वाहन बीमित नहीं हैं उनका जिला परिवहन कार्यालय के सहयोग से बीमा कंपनियां डाटा प्राप्त कर उनका बीमा किए जाने का प्रयास करें व पंचायत स्तर पर आयोजित मिटिंग में बीमा कंपनियों के प्रतिनिधियों द्वारा बीमा के लिए जागरुक करने एवं विभिन्न बीमा योजनाओं की जानकारी देने के लिए सहमति ली। सहायक निदेशक प्रतिनिधि गौरव सुमन ने बताया कि जिला स्तरीय बीमा समिति जिला स्तर पर बीमा प्रसार के केन्द्रीय बिंदु के रूप में कार्य करेगी।

शिक्षा के मंदिर में बच्चों से दुर्व्यवहार का आरोप

-परीक्षा के दौरान जूते उतरवाने पर बवाल, प्रिंसिपल पर धमकी देने का आरोप

विनोद सोखल

हनुमानगढ़/ खोथांवाली (रॉयल पत्रिका) । हनुमानगढ़ जिले के खोथांवाली से एक गंभीर मामला सामने आया है, जहां एक अभिभावक ने स्कूल प्रशासन पर बच्चों के साथ अपमानजनक व्यवहार और धमकी देने के आरोप लगाए हैं। शिकायतकर्ता ने आरोप लगाया है कि उनकी पुत्री, जो राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय में कक्षा 10वीं की छात्रा है, बोर्ड परीक्षा देने गई थी। परीक्षा के दौरान बच्चों से जूते-चप्पल उतरवाकर परीक्षा कक्ष में बैठाया गया। अभिभावक का कहना है कि कड़ाके की ठंड में बच्चों को नंगे पैर बैठाने से उनकी पुत्री की तबीयत बिगड़ गई। जब उन्होंने इस बारे में स्कूल के प्रधानाचार्य से बात की, तो संतोषजनक जवाब नहीं मिला। शिकायतकर्ता ने यह भी आरोप लगाया है कि जब वे इस मामले को लेकर प्रिंसिपल से मिले और शिकायत की, तो प्रिंसिपल ने कथित रूप से उन्हें धमकी दी कि "आप पर राजकार्य में बाधा डालने का मुकदमा दर्ज करवा दूंगा।" परिवार का आरोप है कि उन्हें बार-बार धमकाया जा रहा है और मानसिक दबाव बनाया जा रहा है। परिजनों के अनुसार, स्कूल के प्रधानाचार्य पर पहले भी मनमानी के आरोप लग चुके हैं। ग्रामीणों द्वारा पूर्व में भी शिकायतें उठाई गई थीं, जिन्हें आपसी समझाइश से शांत कराया गया था। अब सवाल यह उठता है कि क्या शिक्षा के मंदिर में बच्चों का इस प्रकार अपमान करना उचित है? क्या परीक्षा के नाम पर इस तरह की सख्ती जरूरी है? और यदि अभिभावक अपनी शिकायत रखते हैं, तो क्या उन्हें धमकाना सही है? परिवार ने प्रशासन से निष्पक्ष जांच कर उचित कार्रवाई की मांग की है, ताकि भविष्य में किसी भी छात्र के साथ ऐसा व्यवहार न हो। फिलहाल इस मामले में स्कूल प्रशासन की ओर से आधिकारिक प्रतिक्रिया सामने नहीं आई है।

समाज हित में किए गए कार्य समानता और सशक्तिकरण को बढ़ावा देते हैं : सीमा मनानी

-पर्यावरण प्रेमी सीमा मनानी का किया बहुमान

सोजत (रॉयल पत्रिका) । पर्यावरण प्रेमी व समाजसेवी सीमा मनानी को उनके समाजहित के उत्कृष्ट कार्यों के लिए शबनम साहित्य समिति के अध्यक्ष व प्रबंध निदेशक अब्दुल समद राही ने पगड़ी और उपरना पहनाकर व मोमेंटो प्रदान कर सम्मानित किया। सीमा मनानी जयपुर से एक दिन के लिए संस्था के निमंत्रण पर सोजत प्रवास पर थी। उन्होंने पर्यावरण संरक्षण और संवर्धन में उत्कृष्ट योगदान देने पर उनको राही मंजिल के अतिथि सभागार में सम्मानित किया गया है। इस अवसर पर संस्था अध्यक्ष अब्दुल समद राही ने कहा कि सीमा मनानी पर्यावरण संरक्षण हेतु पेड़ पौधे लगाने का कार्य हो या सामाजिक कार्य हो, सभी कार्यों में नि:स्वार्थ भाव से जनहित में कार्य करवाते हैं। अयान खान ने बधाई देते हुए कहा कि जीवन में कई विपरित परिस्थितियां में भी कई समाजसेवी नि:स्वार्थ भाव से समाज उत्थान के कार्य करते हैं। ऐसे ही जयपुर निवासी समाजसेवी सीमा मनानी अपने क्षेत्र में समाजसेवा के कार्यों के लिए जाने जाते हैं। सीमा मनानी ने अपने उद्बोधन में कहा कि समाज हित में किए गए कार्य समाज में समानता और सशक्तिकरण को बढ़ावा देते हैं और सकारात्मक बदलाव, एकता, और भलाई को बढ़ावा देते हैं। इस अवसर पर अब्दुल गनी ताजक, अनवर पठान, सीनियर नर्सिंग ऑफिसर मोहम्मद इकबाल, फ़कीर मोहम्मद पठान, रिहाना रानू, मोहम्मद जावेद, सीमा परवीन, मोहम्मद इम्तियाज राही, मोहम्मद उमैर आदि उपस्थित थे।

जन-केंद्रित एआई से सार्वजनिक सेवाओं में गुणवत्ता सुधार: एस. कृष्णन

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्रीय इलेक्ट्रॉनिक्स और आईटी सचिव एस. कृष्णन ने कहा कि आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस का वास्तविक प्रभाव तभी दिखेगा जब यह लोगों के जीवन को बेहतर बनाने वाले ठोस और व्यावहारिक समाधान दे। "एल्गोरिदम से परिणामों तक: लोगों के लिए काम करने वाली एआई" विषय पर सत्र में उन्होंने बताया कि इंडिया एआई मिशन को देश की विविध जरूरतों और जमीनी चुनौतियों को ध्यान में रखकर तैयार किया गया है। सरकार कंप्यूटिंग क्षमता, मॉडल और डेटा उपलब्ध करा रही है ताकि असरदार एप्लिकेशन बन सकें। स्वास्थ्य, कृषि, शिक्षा और विनिर्माण क्षेत्रों में स्टार्टअप एआई आधारित समाधान विकसित कर रहे हैं। उन्होंने जिम्मेदार उपयोग, गोपनीयता सुरक्षा और मापने योग्य परिणामों पर खास जोर दिया।

5 प्रतिशत और लुढ़क गए क्वालिटी वॉल्स के शेयर

नई दिल्ली , एजेंसी। क्वालिटी वॉल्स (इंडिया) लिमिटेड के शेयर सोमवार को बाजार में लिस्ट हो गए हैं। क्वालिटी वॉल्स के शेयर सोमवार को बीएसई में 29.90 रुपये पर लिस्ट हुए। 40.20 रुपये के डिस्कवरी प्राइस के मुकाबले कंपनी के शेयर 25.80 पर्सेंट के डिस्काउंट पर लिस्ट हुए हैं। वहीं, नेशनल स्टॉक एक्सचेंज पर क्वालिटी वॉल्स के शेयर 29.80 रुपये पर लिस्ट हुए हैं। 7000 करोड़ रुपये से ज्यादा के मार्केट कैप के साथ कंपनी बाजार में उतरी है। स्नस्ब्स्त्र सेक्टर की दिग्गज कंपनी हिन्दुस्तान यूनिलीवर से डीमर्जर के बाद आइसक्रीम बिजनेस क्वालिटी वॉल्स की लिस्टिंग हुई है। कमजोर लिस्टिंग के बाद और टूट गए कंपनी के शेयर कमजोर लिस्टिंग के बाद क्वालिटी वॉल्स के शेयर और लुढ़क गए। कंपनी के शेयर बीएसई में 5 पर्सेंट और टूटकर 28.41 रुपये पर पहुंच गए। वहीं, नेशनल स्टॉक एक्सचेंज में क्वालिटी वॉल्स के शेयर 5 पर्सेंट लुढ़कर 28.31 रुपये पर जा पहुंचे। हिन्दुस्तान यूनिलीवर लिमिटेड के शेयर बीएसई में 2297.05 रुपये पर कारोबार कर रहे हैं। एचयूएल के शेयर 2299.50 रुपये पर ट्रेड कर रहे हैं।

एचयूएल -क्वालिटी वॉल्स का डीमर्जर: नवंबर 2024 की शुरुआत में हिन्दुस्तान यूनिलीवर लिमिटेड ने आइसक्रीम बिजनेस के डीमर्जर को मंजूरी दी थी। कंपनी का आइसक्रीम बिजनेस क्वालिटी वॉल्स, कॉर्नेटो और मैग्नम जैसे पॉपुलर ब्रांड्स को ऑपरेट करता है। नेशनल कंपनी लॉ ट्रिब्यूनल ने 30 अक्टूबर 2025 को डीमर्जर स्कीम को मंजूरी दी थी। एचयूएल के टोटल सालाना टर्नओवर में आइसक्रीम बिजनेस की हिस्सेदारी 3 पर्सेंट है, टोटल रेवेन्यू में इसका कंट्रीब्यूशन 1800 करोड़ रुपये है। सिक्योरिटीज का कहना है कि आइसक्रीम बिजनेस का वैल्यूएशन 9500 करोड़ से 11,900 करोड़ रुपये के बीच किया जा सकता है। ब्रोकरेज हाउस ने डीमर्ज्ड इकाई के प्रति शेयर की वैल्यू 40-50 रुपये आंकी है। डीमर्जर के बाद शेयर एंटाइटल्मेंट रेशियो 1:1 तय किया गया था। इसका मतलब यह है कि हिन्दुस्तान यूनिलीवर लिमिटेड के शेयरधारकों को कंपनी के हर शेयर पर आइसक्रीम बिजनेस क्वालिटी वॉल्स का1 शेयर मिलेगा।

एनआईएस मैनेजमेंट लिमिटेड का क्यू3 एफवाय26 में 103.77 करोड़ का राजस्व

कोलकाता, एजेंसी। एनआईएस मैनेजमेंट लिमिटेड (बीएसई – 544495), जो सुरक्षा सेवाओं, फसिलिटी मैनेजमेंट, इलेक्ट्रॉनिक सुरक्षा और कौशल विकास के क्षेत्र में एक अग्रणी इंटीग्रेटेड सर्विसेज प्लेटफॉर्म है, ने क्यू3 एवं 9एमएफवाय26 के लिए अपने अनऑडिटेड वित्तीय परिणामों की घोषणा की है। एनआईएस मैनेजमेंट लिमिटेड के चेयरमैन एवं प्रबंध निदेशक श्री देबजीत चौधरी ने कहा, 'हमें क्यू3 और 9एमएफवाय26 के लिए स्थिर और संतुलित प्रदर्शन की रिपोर्ट करते हुए प्रसन्नता हो रही है। क्यू3 एफवाय26 के दौरान हमने 103.77 करोड़ की समेकित कुल आय और 2.83 करोड़ का पीएटी दर्ज किया। वहीं 9एमएफवाय26 में कुल आय 318.66 करोड़ रही और पीएटी 13.05 करोड़ पर पहुँचा। यह प्रदर्शन हमारी मुख्य सुरक्षा सेवाओं और इंटीग्रेटेड फसिलिटी मैनेजमेंट सेवाओं में लगातार बनी हुई मांग को दर्शाता है, जिसे विभिन्न राज्यों और विविध ग्राहक वर्गों में मजबूत निष्पादन का समर्थन प्राप्त है।

एक साल में सिर्फ 20 रुपये का निवेश, सरकार 2 लाख तक का देती है कवरेज

नई दिल्ली , एजेंसी। केंद्र सरकार की कई ऐसी योजनाएं हैं जिसे नरेंद्र मोदी के पहले कार्यकाल में शुरू किया गया था। इनमें से एक प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजना भी है। इस योजना में 18 से 70 वर्ष तक का कोई भी बैंक खाता धारक व्यक्ति शामिल हो सकता है। खास बात है कि योजना से जुड़ने के लिए आपको हर साल 20 रुपये खर्च करने होंगे। आइए डिटेल जान लेते हैं।

क्या है योजना की डिटेल: प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजना का वार्षिक प्रीमियम मात्र 20 रुपये है। योजना के तहत दुर्घटना में मृत्यु या पूर्ण स्थायी विकलांगता की स्थिति में 2 लाख रुपये तथा आंशिक स्थायी विकलांगता की स्थिति में 1 लाख रुपये तक की आर्थिक सहायता दी जाती है। जन-धन खातों के माध्यम से बड़ी संख्या में लोग इस योजना से जुड़े हैं। किसी व्यक्ति की ओर से एक या विभिन्न बैंकों/ डाकघरों में कई बैंक/ डाकघर खाते रखने की स्थिति में, वह व्यक्ति केवल एक बैंक/ डाकघर खाते के माध्यम से ही इस योजना में शामिल होने के लिए पात्र है। बता दें कि कवर 1 जून से 31 मई तक एक वर्ष की अवधि के लिए होगा, जिसके लिए निर्धारित प्रपत्रों पर नामित व्यक्तिगत बैंक/ डाकघर खाते से ऑटो-डेबिट द्वारा शामिल होने/ भुगतान करने का विकल्प हर साल 31 मई तक देना होगा। प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा की तरह प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना को भी वर्ष 2015 में शुरू किया गया।

प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना एक वार्षिक नवीकरणीय टर्म लाइफ इंश्योरेंस योजना है। इस योजना के तहत 18 से 50 वर्ष आयु वर्ग का कोई भी भारतीय नागरिक, जिसके पास बचत बैंक खाता हो, नामांकन करा सकता है। बीमा कवर 55 वर्ष की आयु तक जारी रह सकता है, बशर्ते प्रीमियम का नियमित भुगतान होता रहे।

इस योजना में बीमित व्यक्ति की किसी भी कारण से मृत्यु होने पर नामित व्यक्ति को 2 लाख रुपये की राशि दी जाती है। इसका वार्षिक प्रीमियम 436 रुपये है, जो हर वर्ष 1 जून से 31 मई तक की अवधि के लिए लागू होता है। कम प्रीमियम और सरल प्रक्रिया के कारण यह योजना बड़ी संख्या में लोगों के लिए जीवन बीमा का सुलभ विकल्प बन गई है। सरकार के अनुसार, इन दोनों योजनाओं ने देश में वित्तीय समावेशन को बढ़ावा दिया है और करोड़ों लोगों को औपचारिक बीमा सुरक्षा के दायरे में लाया है। जन-धन खातों के माध्यम से बड़ी संख्या में लोग इन योजनाओं से जुड़े हैं।

ऑल इंडिया बैकवर्ड क्लासेस फेडरेशन के मध्य प्रदेश मीडिया इंचार्ज बने राजनीतिक रणनीतिकार डॉ अतुल मलिकराम

इंदौर, एजेंसी। ऑल इंडिया बैकवर्ड क्लासेस फेडरेशन (एआईबीसीएफ) ने संगठन के विस्तार और मीडिया गतिविधियों को सशक्त बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण निर्णय लेते हुए राजनीतिक रणनीतिकार डॉ. अतुल मलिकराम को मध्य प्रदेश का मीडिया इंचार्ज नियुक्त किया है। यह नियुक्ति फेडरेशन के राष्ट्रीय नेतृत्व की सहमति से की गई है। फेडरेशन के अध्यक्ष जस्टिस वी. ईश्वरैया के अनुमोदन से जारी आदेश में कहा गया है कि डॉ. मलिकराम सामाजिक न्याय, पिछड़े वर्गों, अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति और अल्पसंख्यक समाज के मुद्दों पर लंबे समय से सक्रिय रहे हैं। उनके अनुभव और रणनीतिक सोच से संगठन को नई दिशा और मजबूती मिलेगी।

इस नियुक्ति पर फेडरेशन के राष्ट्रीय सचिव डॉ. आर. पी. साहू ने कहा कि, ' डॉ. अतुल मलिकराम की मीडिया और जनसंपर्क क्षेत्र में गहरी पकड़ है, जिससे संगठन की नीतियों और कार्यक्रमों को व्यापक स्तर पर प्रभावी ढंग से समाज तक पहुँचाने में मदद मिलेगी।

अपनी नियुक्ति पर प्रतिक्रिया देते हुए डॉ. अतुल मलिकराम ने कहा कि वे फेडरेशन द्वारा दिए गए इस दायित्व को पूरी निष्ठा और जिम्मेदारी के साथ निभाएंगे। उन्होंने कहा कि, 'मेरा प्रयास रहेगा कि समाज के वंचित और पिछड़े वर्गों से जुड़े मुद्दों को मजबूती से मीडिया के माध्यम से उठाया जाए और संगठन की विचारधारा को जन-जन तक पहुंचाया जाए।

फेडरेशन ने विश्वास व्यक्त किया है कि डॉ. मलिकराम के नेतृत्व में मध्य प्रदेश में संगठन की मीडिया गतिविधियां और अधिक प्रभावी, संगठित व परिणाम केंद्रित होंगी।

राजपाल यादव के बाद अब अमीषा पटेल की बढ़ी मुश्किलें, मुरादाबाद कोर्ट ने गैर जमानती वारंट जारी किया

चेक बाउंस केस में राजपाल यादव इन दिनों तिहाड़ जेल में बंद हैं वहीं अब बॉलीवुड एक्ट्रेस अमीषा पटेल की मुश्किलें भी बढ़ती हुई नजर आ रही हैं। दरअसल फिल्म अभिनेत्री के खिलाफ उत्तर प्रदेश की मुरादाबाद कोर्ट ने गैर जमानती वारंट जारी किया है। ये मामला 2017 का है और एक्ट्रेस पर धोखाखड़ी का आरोप है. वही मामले में कोर्ट के आदेश के बाद भी अमीषा पटेल पेश नहीं हो रही हैं। अब अदालत ने गैर जमानती वारंट जारी कर दिया है। साल 2017 में शादी में परफॉर्मेंस के लिए एक्ट्रेस ने 14 लाख 50 हजार रुपये लिए थे. लेकिन रकम लेने के बावजूद वह कार्यक्रम में नहीं पहुंची थी। इस मामले में अमीषा पटेल के खिलाफ मुरादाबाद निवासी पवन कुमार वर्मा ने केस दर्ज कराया था। शिकायतकर्ता पवन के अनुसार, अमीषा को उत्तर प्रदेश के मुरादाबाद में होने वाली एक शादी में डांस करने के लिए बुलाया गया था। अमीषा पटेल ने 11 लाख रुपये एडवांस मांगे, जिस पर पवन मान गए। बाद में, शादी के दौरान, अमीषा दिल्ली पहुंचीं और डेस्टिनेशन तक पहुंचने के लिए 2 लाख रुपये और मांगे, पवन कुमार ने ऐसा करने से मना कर दिया। इस मना करने पर एक्ट्रेस बिना बताए वापस लौट गईं थीं। पवन कुमार ने आरोप लगाया कि अमीषा ने 11 लाख रुपये की रकम वापस नहीं की है, पटेल के अलावा, शिकायतकर्ता ने सुरेश कुमार, राजकुमार गोस्वामी और अहमद शरीफ के खिलाफ केस दर्ज कराया है।

बॉक्स ऑफिस : पहले हफ्ते औसत रही शाहिद कपूर की 'ओ रोमियो' की रफ्तार

रोमांस और एक्शन से भरपूर शाहिद कपूर और तृप्ति डिमरी की फिल्म 'ओ रोमियो' फैंस का दिल जीतने में कामयाब रही है। इसका स्पष्ट प्रमाण बॉक्स ऑफिस पर मिल रही प्रतिक्रिया और कमाई है। रिलीज के पहले दिन फिल्म की शुरुआत भले ही धीमी रही हो, लेकिन वीकेंड में दर्शकों की संख्या में तेजी से बढ़ोतरी देखने को मिली। इस दौरान फिल्म के कलेक्शन में उल्लेखनीय उछाल दर्ज किया गया। नतीजतन, 'ओ रोमियो' ने अब तक 35 करोड़ रुपये से अधिक की कमाई कर ली है। 13 फरवरी को रिलीज हुई 'ओ रोमियो' ने पहले हफ्ते 35.51 करोड़ रुपए कमा लिए हैं, जो कि फिल्म की अच्छी शुरुआत का संकेत है। पहले हफ्ते फिल्म औसत रही और रिलीज के पहले दिन 9 करोड़, शनिवार को 14.50 करोड़ और रविवार को 11 करोड़ रुपए की कमाई की। रविवार को फिल्म का कलेक्शन महाशिवरात्रि और भारत-पाकिस्तान क्रिकेट मैच से काफी प्रभावित हुआ है। इस लिहाज से फिल्म के लिए वीकेंड अच्छा साबित हुआ है और कहा जा रहा है कि इस हफ्ते फिल्म का कलेक्शन और भी बढ़ सकता है। इसके साथ ही 'ओ रोमियो' बीते 7 सालों में अभिनेता की दूसरी सबसे कम ओपनिंग करने वाली फिल्मों में भी शामिल हो गई है। भले ही फिल्म का वीकेंड अच्छा रहा, लेकिन पहले दिन की कमाई बाकी फिल्मों के ओपनिंग डे के मुकाबले बहुत कम है। 9 फरवरी 2024 को रिलीज हुई अभिनेता की फिल्म 'तेरी बातों में ऐसा उलझा जिया' ने पहले दिन पूरे विश्व भर में 13 करोड़ से ज्यादा का कलेक्शन किया था।

श्रीलीला ने अभिनय के साथ पूरा किया एमबीबीएस का सपना

साउथ सिनेमा की मशहूर अभिनेत्री श्रीलीला ने एक बड़ा मुकाम हासिल कर लिया है। उन्होंने अभिनेत्री साई पल्लवी की तरह अभिनय के साथ-साथ एमबीबीएस की पढ़ाई पूरी कर ली। अभिनेत्री कई सालों से मेडिकल की पढ़ाई के साथ फिल्मों में काम कर रही थीं। श्रीलीला ने शुक्रवार को इंस्टाग्राम पर ग्रेजुएशन समारोह की तस्वीरें पोस्ट कीं। अभिनेत्री ने मैरून गाउन पहना हुआ है। कुछ तस्वीरों में वे ग्रेजुएशन डिग्री ले रही हैं, तो परिवार और बैचमेट्स के साथ पोज दे रही हैं। श्रीलीला ने लिखा, 'एक बड़ा मुकाम। यह यात्रा आप सबका साथ थी, चाहे जानकर या फिर अनजाने में। यह जगह मेरी शांति बन गई, जहां मैं खुद रह सका। आपकी लड़की ने वाद निभाया। यह सिर्फ डिग्री नहीं, बल्कि आगे बढ़ने, विश्वास करने, आंसू बहाने, हिम्मत दिखाने और खुद को मजबूत बनाने की कहानी है। 'अभिनेत्री ने आगे अपने परिवार, दोस्तों और टीम को धन्यवाद दिया, जिन्होंने परीक्षाओं के समय श्रीलीला का साथ दिया। उन्होंने लिखा, 'जिन्होंने मुझ पर भरोसा किया। उन सभी का दिल से शुक्रिया। क्लासमेट्स और फैंस का भी शुक्रिया, जिनकी मुस्कान और प्रोत्साहन ने मुझे आगे बढ़ाया। इस अध्याय ने मुझे विनम्र और मजबूत बनाया है। अब खुद को फिर से पेश करती हूं। आपकी स्नेहपूर्वक, डॉ. श्रीलीला। 'बता दें कि अभिनेत्री की ग्रेजुएशन सेरेमनी 10 फरवरी को हुई थी, जिसके बाद से ही सेरेमनी की कुछ तस्वीरें और वीडियोज सोशल मीडिया पर काफी वायरल हो रहे थे। शुक्रवार को अभिनेत्री ने पोस्ट कर आधिकारिक जानकारी दी। पोस्ट शेयर करने के बाद श्रीलीला के इंडस्ट्री के दोस्तों और साथी कलाकारों ने तुरंत प्रतिक्रिया दी और कमेंट सेक्शन में प्यार और शुभकामनाओं की बौछार कर दी। कई लोगों ने हार्ट और फायर के इमोजी कमेंट किए। अभिनेत्री राशि खन्ना, ध्वनी भानुशाली और रेमो डिसूजा ने लिखा, 'बधाई हो डॉक्टर। ' श्रीलीला कई सालों से फिल्मों में काम कर रही हैं और साथ ही मेडिकल की पढ़ाई भी जारी रखी थी। पिछले छह सालों में उन्होंने शूटिंग के व्यस्त शेड्यूल के बीच पढ़ाई का संतुलन बनाए रखा। आखिरकार उनकी मेहनत रंग लाई और मुंबई की डीवाई पाटिल यूनिवर्सिटी से उन्होंने एमबीबीएस की डिग्री हासिल की।

माही विज संग तलाक के बाद मीशा अय्यर को डेट कर रहे हैं जय भानुशाली? सच्चाई आई सामने

जय भानुशाली की गिनती टीवी के टॉप एक्टर में होती है। हालांकि, इन दिनों वो अपनी प्रोफेशनल लाइफ नहीं बल्कि पर्सनल लाइफ को लेकर सुर्खियों में छाए हुए हैं। जय ने टीवी एक्ट्रेस माही विज संग शादी की थी। लेकिन, इस साल की शुरुआत में शादी के लगभग 14 साल बाद इन्होंने तलाक की घोषणा की। इस बीच गई बार जय भानुशाली का नाम मीशा अय्यर के संग जोड़ा गया। कुछ वक्त पहले दोनों एक साथ एक इवेंट में भी स्पॉट हुए थे, जिसके बाद इनके अफेयर को और हवा मिली थी। दोनों अक्सर एक-दूसरे के संग इंस्टाग्राम पर वीडियोज भी शेयर करते हैं। अभी हाल ही में फिर से दोनों को एक साथ स्पॉट किया गया है.ऐसे में फिर से दोनों का नाम जोड़ा जा रहा है। लेकिन ये बातें सिर्फ महज अफवाह ही है। क्योंकि, रियल में मीशा और जय एक-दूसरे के राखी ब्रदर और सिस्टर हैं। 2025 में रक्षाबंधन के मौके पर मीशा और जय ने एक वीडियो शेयर किया था। उस वीडियो में जय को मीशा भैया, भैया बुलाती हुई नजर आई थीं। इतना ही नहीं बल्कि जय ने भी मीशा को बहन ही बताया था और दोनों ने एक साथ राखी भी सेलिब्रेट किया था। वही, इनके अफेयर के बारे में सुन आरती सिंह भी भड़क गई थीं। उन्होंने भी क्लियर करते हुए कहा था कि मीशा और जय का कोई अफेयर नहीं चल रहा है। जय की मीशा राखी सिस्टर हैं।

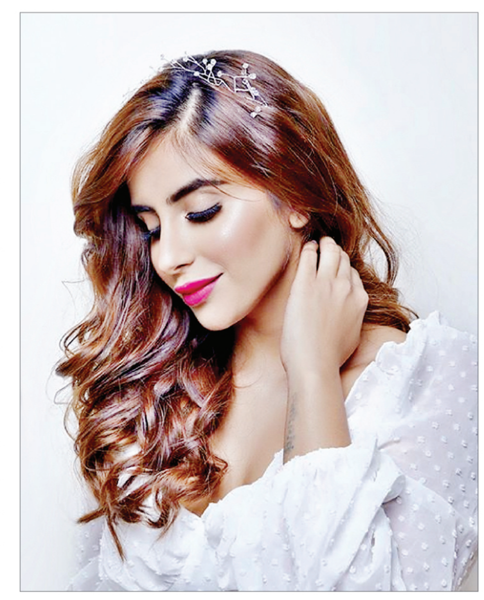

रिलीज़ से पहले 'साथिया' की झलक, लाइव परफॉर्मेंस से दिल जीत गए दर्शन रावल

ऑफिशियल रिलीज़ से पहले ही दर्शन रावल का आने वाला गाना 'साथिया' फैंस के दिलों को छू चुका है। हाल ही में सिंगर ने इस गाने को स्टेज पर लाइव परफॉर्म किया, जिससे दर्शकों को 25 फरवरी को होने वाली रिलीज़ से पहले ही इसकी एक खास झलक मिल गई। परफॉर्मेंस का वीडियो सोशल मीडिया पर शेयर करते हुए दर्शन ने लिखा, 'साथिया ने कल रात स्टेज पर अपनी जर्नी शुरू की... अविस्मरणीय। अभी भी उस एहसास से बाहर नहीं आ पाया हूँ साथिया, 25 फरवरी को रिलीज़ हो रहा है ? 'इसके बाद फैंस ने कमेंट सेक्शन में जमकर प्यार लुटाया। एक यूज़र ने लिखा, 'कल रात किसी सपने से कम नहीं थी,' वहीं दूसरे ने कहा, 'आखिरकार इंतज़ार खत्म हुआ ।' कई फैंस ने इसे 'बहुत खूबसूरत गाना' बताया, जिससे साफ है कि रिलीज़ को लेकर उत्साह चरम पर है। अपने चार्टबस्टर रोमांटिक गानों के लिए मशहूर दर्शन रावल हर नए ट्रैक के साथ फैंस का दिल जीतते आ रहे हैं, और 'साथिया' भी उनकी लव बैलड्स की लिस्ट में एक यादगार जोड़ साबित होने वाली है।

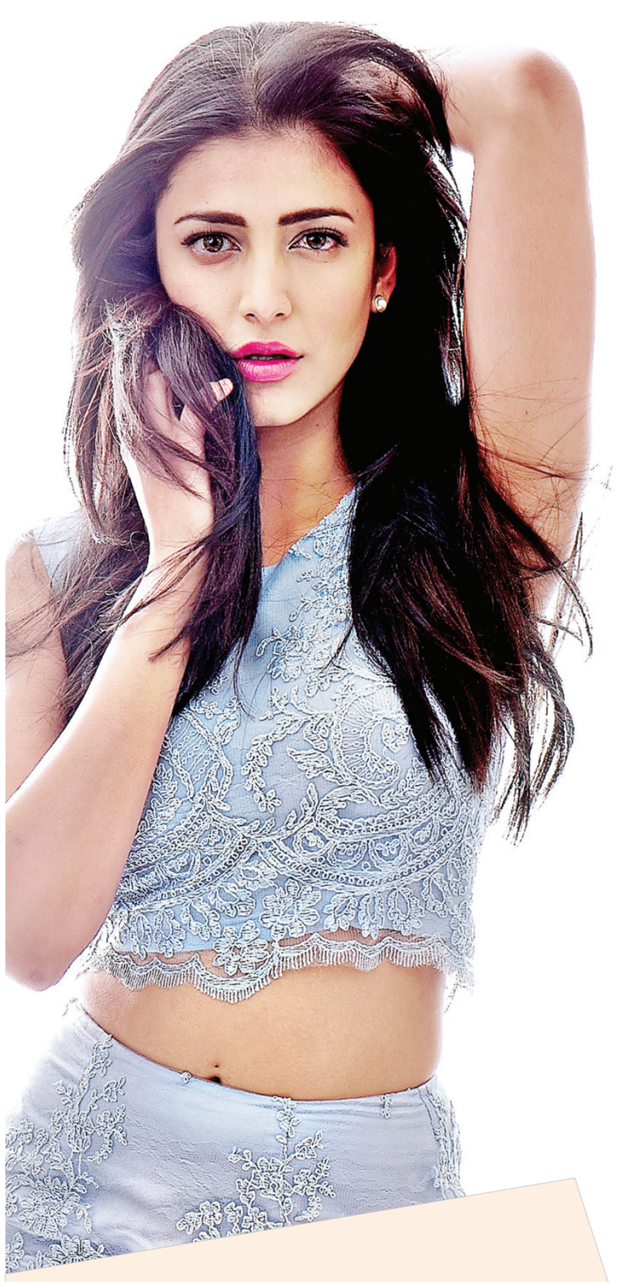

बचपन की तस्वीरों में छुपा है श्रुति हासन का मिजाज, लिखा,तस्वीरें सब बयां करती हैं

अभिनेत्री श्रुति हासन अपने शानदार अभिनय से न सिर्फ साउथ सिनेमा, बल्कि बॉलीवुड में भी राज करती हैं। उन्होंने इंस्टाग्राम पर एक मजेदार और नॉस्टेल्जिक वीडियो पोस्ट किया। इस वीडियो में उनके बचपन से लेकर अब तक की तस्वीरें शामिल हैं। वहीं, श्रुति ने वीडियो में लिखा, 'किसी लड़की के बचपन की तस्वीरों से उसके स्वभाव और व्यक्तित्व की झलक साफ दिखाई देती है।' अभिनेत्री ने पोस्ट कर लिखा, 'मैं तो हमेशा से ही बहुत मूडी रही हूं, हाहा। 'श्रुति का यह पोस्ट फैंस को काफी पसंद आ रहा है। कई यूजर्स उनके कमेंट सेक्शन पर शानदार प्रतिक्रिया दे रहे हैं। श्रुति सिर्फ अभिनेत्री होने के साथ-साथ गायिका और संगीतकार भी हैं, जिन्होंने तमिल, तेलुगु और हिंदी सिनेमा में अपनी मजबूत मौजूदगी दर्ज करवाई। इस बात से बहुत कम लोग वाकिफ हैं, लेकिन श्रुति ने अपने करियर की शुरुआत अभिनेत्री के रूप में नहीं, बल्कि गायिका और संगीतकार के रूप में की थी। उन्होंने महज छह साल की उम्र में ही अपने पिता की फिल्म थेवर मगन (1992) में पहला गाना गाया था। इसके बाद उन्होंने हिंदी फिल्म 'चाची 420' (1997) में भी गायन किया। साल 2000 में कमल हासन के निर्देशन में बनी फिल्म 'हे राम' में उन्होंने बाल कलाकार के रूप में अतिथि भूमिका निभाई और उसी फिल्म के लिए हिंदी और तमिल में टाइटल थीम 'रामा रामा' भी गाया था।

रोहित शेट्टी के घर फायरिंग करने वाले शूटर की हुई पहचान, कोई आपराधिक रिकॉर्ड नहीं

बॉलीवुड के मशहूर निर्देशक रोहित शेट्टी के घर के बाहर हुई फायरिंग मामले में मुंबई पुलिस को बड़ी सफलता हाथ लगी है। इस हाई-प्रोफाइल केस में फायरिंग करने वाले मुख्य आरोपी की पहचान हो चुकी है। मुंबई पुलिस के वरिष्ठ अधिकारियों के मुताबिक, आरोपी का नाम दीपक चंद्रा है, जो उत्तर प्रदेश का रहने वाला है। इस खुलासे के साथ कई अहम बातें सामने आई हैं। पुलिस अधिकारियों के अनुसार, दीपक चंद्रा बेहद कम पढ़ा-लिखा है और उसके खिलाफ पहले से कोई बड़ा आपराधिक रिकॉर्ड दर्ज नहीं पाया गया है। आरोपी सामान्य पारिवारिक पृष्ठभूमि से आता है। उसके परिवार में चार से पांच सदस्य हैं। अधिकारियों का मानना है कि आरोपी को किसी बड़े नेटवर्क के जरिए इस्तेमाल किया गया हो सकता है। इस आरोपी तक पहुंचने के लिए मुंबई क्राइम ब्रांच ने लंबे समय तक बेहद सुनियोजित तरीके से जाल बिछाया। फायरिंग की घटना वाली रात से ही आरोपी की गतिविधियों पर नजर रखी जा रही थी। पुलिस ने इलाके के तमाम सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली और डिजिटल फुटप्रिंट्स के जरिए आरोपी की मूवमेंट को ट्रैक किया। टेक्निकल सर्विलांस के साथ-साथ ह्यूमन इंटेलिजेंस ने भी इस केस में अहम भूमिका निभाई।

जैकी श्रॉफ ने ग्रहण की रिलीज के 25 साल पूरे होने पर साझा कीं पुरानी तस्वीरें

बॉलीवुड अभिनेता जैकी श्रॉफ ने अपनी फिल्म ग्रहण की रिलीज के 25 साल पूरे होने पर पुरानी यादों को ताजा करते हुए सोशल मीडिया पर अभिनेत्री मनीषा कोइराला के साथ फिल्म की कई तस्वीरें साझा कीं। शशि लाल के. नायर द्वारा निर्देशित इस फिल्म में श्रॉफ ने अधिवक्ता जगन सिन्हा की भूमिका निभाई थी जबकि कोइराला ने पार्वती शास्त्री का किरदार निभाया था। श्रॉफ ने सोमवार को अपने इंस्टाग्राम पर एक वीडियो साझा किया। इसमें फिल्म की विभिन्न तस्वीरें शामिल थीं, जिनमें से पहली तस्वीर में वह कोइराला के साथ नजर आ रहे हैं। उन्होंने इसके साथ ग्रहण के 25 साल लिखा। इस फिल्म में अनुपमा वर्मा, प्रसाद पुरंदरे, रघुवरन, राज जुत्शी और अच्युत पोतदार ने भी महत्वपूर्ण भूमिकाएं निभाई थीं।

(साभार एजेंसी)

आईएसएल की शानदार शुरुआत, मोहन बागान ने केरला ब्लास्टर्स को 2-0 से हराया

कोलकाता (एजेंसी)। गत चैंपियन मोहन बागान सुपर जायंट्स ने इंडियन सुपर लीग (आईएसएल) सत्र की दमदार शुरुआत करते हुए शनिवार को यहां केरला ब्लास्टर्स एफसी को 2-0 से मात दी। मोहन बागान के लिए पहला गोल 36वें मिनट में जैमी मैकलारेन ने दागा। मैच के अंतिम क्षणों में दूसरे हाफ के इंजरी टाइम (90+6 मिनट) में टॉम एल्ड्रेड ने गोल कर जीत पक्की कर दी। मैकलारेन को शानदार प्रदर्शन के लिए 'प्लेयर ऑफ द मैच' चुना गया। इस बीच, अखिल भारतीय फुटबॉल महासंघ (एआईएफएफ) ने बड़ा ऐलान करते हुए पुष्टि की कि इस सत्र से आईएसएल में पहली बार रेलीगेशन प्रणाली लागू की गई है। अंक तालिका में सबसे निचले स्थान पर रहने वाली टीम को दूसरे स्तर की इंडियन फुटबॉल लीग (आईएफएल) में भेजा जाएगा, जबकि आईएफएल की चैंपियन टीम को अगले सत्र में आईएसएल में पदोन्नत किया जाएगा। एआईएफएफ के अनुसार, 12वें आईएसएल सीजन की चैंपियन टीम को अगले सत्र में एएफसी चैंपियंस लीग-2 के प्रारंभिक दौर में प्रवेश मिलेगा। दूसरे स्तर की आई-लीग का नाम बदलकर अब इंडियन फुटबॉल लीग कर दिया गया है, जिसकी शुरुआत 21 फरवरी से होगी।

उमरजई का ऑलराउंड प्रदर्शन | अफगानिस्तान ने 5 विकेट से दर्ज की शानदार जीत

नईदिल्ली (एजेंसी)। आईसीसी टी20 वर्ल्ड कप 2026 के ग्रुप सी मुकाबले में अफगानिस्तान ने आखिरकार अपनी पहली जीत दर्ज कर ली। दिल्ली के अरुण जेटली स्टेडियम में खेले गए मैच में अफगानिस्तान ने यूएई को 5 विकेट से हराते हुए 161 रन का लक्ष्य 19.2 ओवर में हासिल कर लिया।

यूएई ने दिया था 161 रन का लक्ष्य - पहले बल्लेबाजी करते हुए यूएई ने 20 ओवर में 160/9 का स्कोर बनाया। सोहैब खान और अलीशान शराफू ने अहम पारियां खेलीं, लेकिन अफगान गेंदबाजों ने आखिर में रनगति पर लगाम लगा दी। अजमतुल्लाह उमरजई ने गेंद से भी शानदार योगदान दिया और यूएई को बड़ा स्कोर बनाने से रोका।

जादरान और उमरजई की मैच जिताऊ पारी - लक्ष्य का पीछा करते हुए अफगानिस्तान की शुरुआत संभली हुई रही। इब्राहिम जार्डन ने अहम रन जोड़े और पारी को स्थिरता दी। अंत में अजमातुल्लाहा ने बेहतरीन ऑलराउंड प्रदर्शन करते हुए जोरदार चौका लगाकर मैच खत्म किया। अफगानिस्तान ने 162/5 का स्कोर बनाकर मुकाबला अपने नाम कर लिया।

सुपर 8 की उम्मीदें बरकरार

यह जीत अफगानिस्तान के लिए बेहद जरूरी थी। लगातार दो हार के बाद टीम पर दबाव था, लेकिन इस जीत से सुपर 8 की उम्मीदें जिंदा हैं। अब अफगानिस्तान का आखिरी ग्रुप मुकाबला कनाडा के खिलाफ है, जहां जीत उन्हें अगले दौर के और करीब पहुंचा सकती है। अफगानिस्तान ने दिखा दिया कि दबाव में भी वह वापसी करना जानता है - और जादरान-उमरजई की जोड़ी ने टीम को टूर्नामेंट में नई जान दे दी।

राशिद खान ने रचा इतिहास, टी20 में ऐसा आंकड़ा छुआ जो कोई गेंदबाज नहीं छू सका

नईदिल्ली (एजेंसी)। नई दिल्ली के अरुण जेटली स्टेडियम में खेले गए ग्रुप मुकाबले के दौरान अफगानिस्तान के स्टार स्पिनर राशिद खान ने टी20 क्रिकेट में 700 विकेट पूरे कर इतिहास रच दिया। साथ ही वह इस फॉर्मेट में 700 विकेट लेने वाले दुनिया के पहले गेंदबाज बन गए।

कैसे मिला ऐतिहासिक विकेट?

राशिद ने यह उपलब्धि यूएई के खिलाफ मैच के 16वें ओवर में हासिल की। उन्होंने मुहम्मद अरफान को हिट-विकेट आउट कर अपना 700वां शिकार किया। अरफान रिवर्स स्वीप खेलने की कोशिश में अपना संतुलन खो बैठे और बिना खाता खोले पवेलियन लौटे। राशिद ने इस मैच में चार ओवर में 24 रन देकर एक विकेट लिया और अफगानिस्तान ने यूएई को 20 ओवर में 160/9 पर रोक दिया।

आकाश चोपड़ा की बात सुनकर पाकिस्तानी शर्म से पानी-पानी हो गए होंग

भारतीय दिग्गज ने यूं खूब लताड़ा

नईदिल्ली (एजेंसी)। भारतीय टीम द्वारा टी20 वर्ल्ड कप में पाकिस्तान को 61 रनों से धूल चटाने के बाद, पूर्व ओपनर और मशहूर कमेंटेटर आकाश चोपड़ा ने एक दिलचस्प ट्वीट किया है। चोपड़ा का मानना है कि भारतीय क्रिकेट फैंस की मानसिकता में अब एक बड़ा बदलाव आया है। आकाश का मानना है कि अब भारतीय टीम के फैंस को पाकिस्तान से जीत हार पर ज्यादा फर्क नहीं पड़ता है।

आकाश ने जीत के बाद क्या कहा?

उन्होंने अपने ट्वीट में लिखा, एक समय था जब भारतीय कहा करते थे कि पाकिस्तान को हरा दो फिर चाहे वर्ल्ड कप हार जाओ। मुझे लगता है कि अब ऐसा नहीं है। उनके अनुसार, अब भारतीय फैंस के लिए जीत का पैमाना सिर्फ एक मैच नहीं बल्कि टूर्नामेंट की ट्रॉफी बन चुका है।

पाकिस्तान पर भी बोले आकाश चोपड़ा- आकाश चोपड़ा ने आगे स्पष्ट किया कि पाकिस्तान के खिलाफ जीत की अहमियत कम नहीं हुई है, लेकिन यह अब फैंस की एकमात्र इच्छा नहीं रही। उन्होंने ट्वीट में कहा, पाकिस्तान को हराना महत्वपूर्ण है और हमारी भू-राजनीतिक वास्तविकता को देखते हुए हमेशा रहेगा, लेकिन अब यह भारतीय फैंस की क्रिकेट महत्वाकांक्षाओं का सब कुछ नहीं रह गया है। यह दर्शाता है कि भारतीय दर्शकों की नजरें अब ग्लोबल डोमिनेंस और आईसीसी खिताबों पर ज्यादा टिकी हैं।

आगे बढ़ चुके हैं भारतीय फैंस- आकाश चोपड़ा ने इस बात पर भी जोर दिया कि भारतीय फैंस अब इस प्रतिद्वंद्विता से काफी आगे निकल चुके हैं। उन्होंने अपने पोस्ट में लिखा, वे (भारतीय फैंस) आगे बढ़ चुके हैं। इसका मतलब है कि टीम इंडिया का लक्ष्य अब केवल पड़ोसी देश को हराना नहीं, बल्कि दुनिया की नंबर एक टीम बने रहना है।

'शाहीन को बाहर करो'

हार के बाद भड़के शाहिद अफरीदी, दामाद के खिलाफ खूब उगला जहर

करांची (एजेंसी)। भारत और पाकिस्तान के महामुकाबले की काफी ज्यादा चर्चा हो रही थी। ऐसा लग रगा था इस बार टी20 वर्ल्ड कप 2026 में पाकिस्तान भारत को अच्छी टक्कर देगा। लेकिन ऐसा कुछ भी नहीं हुआ। पाकिस्तान ने एक बार फिर भारत के सामने घुटने टेक दिए। पाकिस्तान 61 रन से भारत से मुकाबला हार गया। पाकिस्तानी फैंस और उनके पूर्व खिलाड़ियों को यह हार काफी ज्यादा चुभी। जहां शोएब अख्तर ने पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड के चेयरमैन मोहसिन नकवी को जमकर सुनाया। वहीं पाकिस्तान टीम के पूर्व कप्तान शाहिद अफरीदी ने अपने दामाद शाहीन अफरीदी को ही आड़े हाथ ले लिया।

शाहिद अफरीदी ने शाहीन को बाहर करने की मांग की- पाकिस्तान के दिग्गज ऑलराउंडर शाहिद अफरीदी ने एक पाकिस्तानी शो पर कहा कि सीनियर खिलाड़ी शाहीन अफरीदी, बाबर आजम और शादाब खान को टीम से बाहर कर देना चाहिए। उनकी जगह जूनियर प्लेयर्स को मौका देना चाहिए। नए खिलाड़ियों को मौका देना चाहिए। साथ ही उन्होंने यह भी कहा कि वह नामीबिया के खिलाफ मैच से ही ऐसा करना चाहेंगे। शाहिद अफरीदी ने इन तीनों प्लेयर्स को हटाने की बात करते हुए कहा, हम सब इतने अरसे से देख रहे हैं यह लोग खेले जा रहे हैं, खेले जा रहे हैं। जहां हमारी उम्मीदें होती हैं कि इस टीम के खिलाफ यह अच्छा परफॉर्म करेंगे। इतने सीनियर प्लेयर हैं। वहां अगर सीनियर नहीं करके दे रहे आपको तो जूनियर जो बाहर बैठे हैं उन्हें खिलाएं फिर, फिर क्या ज्यादा फर्क है।

शर्मनाक हार से पाकिस्तान में मचा हाहाकार...

मुंबई (एजेंसी)। भारत ने टी-20 वर्ल्डकप में रविवार को पाकिस्तान को 61 रन से हरा दिया। इसमें ओवर ईशान किशन ने अर्धशतक लगाया। उन्होंने 40 बॉल पर 77 रन की पारी खेली। इस पारी के लिए उन्हें प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया। भारत की जीत और ईशान की पारी के बाद सचिन तेंदुलकर से लेकर अमित शाह तक कई दिग्गजों ने टीम को बधाई दी।।

वहीं, पूर्व भारतीय बल्लेबाज वीरेंद्र सहवाग ने मैच के बाद तंज कसते हुए इसे फुल कंबल कुटाई बताया। वहीं दिल्ली पुलिस ने भी मजेदार अंदाज में पोस्ट करते हुए लिखा, गलत जगह यू-टर्न लोगे तो यूं ही मुंह की खाओगे।

सचिन- सचिन तेंदुलकर ने एक्स पर लिखा, पावरप्ले ही वो दौर रहा जहां भारत ने मुकाबले को पूरी तरह अपने कब्जे में कर लिया। पहली पारी में ईशान किशन की दमदार बल्लेबाजी ने टीम को मजबूत शुरुआत दिलाई, जबकि दूसरी पारी में भारतीय गेंदबाजों की सटीक और अनुशासित गेंदबाजी ने मैच पर शिकंजा कस दिया। शुरुआत से ही टीम ड्राइविंग सीट पर नजर आई और अंत तक दबदबा बनाए रखा। भारत ने आज शानदार प्रदर्शन करते हुए मुकाबले में पूरी तरह धूम मचा दी।

सहवाग बोले- फुल कंबल कुटाई

दिल्ली पुलिस ने लिखा- गलत जगह यू-टर्न लोगे तो यूं ही मुंह की खाओगे

अमित शाह- टीम इंडिया ने शानदार खेल दिखाया। फॉर्मेट बदलते हैं, मैदान बदलते हैं, तारीखें बदलती हैं, लेकिन भारत-पाकिस्तान मुकाबले का नतीजा अक्सर एक जैसा ही रहता है। एक बार फिर भारतीय टीम ने दबाव के मैच में बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए जीत अपने नाम की। पूरी टीम को इस शानदार जीत के लिए ढेरों बधाई।

भारत का हर डिपार्टमेंट में बेहतर प्रदर्शन- सहवाग

वीरेंद्र सहवाग ने लिखा, ईशान किशन ने सच में धुरंधर बल्लेबाज की तरह खेल दिखाया। उनकी पारी ने मैच का रुख ही बदल दिया। भारत के सामने पाकिस्तान की टीम काफी दबाव में नजर आई और टी-20 क्रिकेट के तेज अंदाज के मुकाबले उनका खेल थोड़ा पुराना और धीमा लगा। नतीजा यह रहा कि उन्हें एकतरफा हार का सामना करना पड़ा। टीम इंडिया ने हर डिपार्टमेंट में बेहतर प्रदर्शन करते हुए पूरी तरह दबदबा बनाए रखा और मुकाबला अपने नाम किया। पूरी तरह कंबल कुटाई।

भारत से करारी हार के बाद पाकिस्तान में हंगामा

इन तीन सीनियर खिलाड़ियों को बाहर करने की उठी मांग

कोलंबो (एजेंसी)। आईसीसी टी20 वर्ल्ड कप 2026 में भारत से 61 रन की करारी हार के बाद पाकिस्तान क्रिकेट में बड़ा विवाद खड़ा हो गया है। कोलंबो के क्र प्रेमदासा स्टेडियम में खेले गए मुकाबले में सूर्यकुमार यादव की कप्तानी वाली भारत टीम ने पाकिस्तान को 114 रन पर समेट दिया। हार के बाद पाकिस्तान के दिग्गजों ने टीम चयन पर सवाल खड़े किए हैं।

शाहिद अफरीदी की बड़ी मांग - पूर्व कप्तान शाहिद अफरीदी ने साफ कहा कि अब समय आ गया है कि बाबर आजम, उनके दामाद शाहिन अफरीदी और शोएब खान को प्लेइंग इलेवन से बाहर किया जाए।

पाकिस्तान का अगला मुकाबला 18 फरवरी को नामीबिया के खिलाफ है, जो अब 'करो या मरो' बन चुका है। सुपर 8 में पहुंचने के लिए पाकिस्तान को हर हाल में जीत दर्ज करनी होगी। अफरीदी ने सामा टीवी पर कहा- अगर फैसला मुझे करना होता तो मैं बाबर, शाहीन और शादाब को ड्रॉप करता। नामीबिया के खिलाफ नए खिलाड़ियों को मौका दो और उनका आत्मविश्वास बढ़ाओ। लंबे समय से सीनियर खिलाड़ी बड़ी टीमों के खिलाफ प्रदर्शन नहीं कर पा रहे हैं।

सीनियर खिलाड़ियों का फ्लॉप शो - बाबर आजम- 5 रन बनाकर आउट, फिर एक बार टीम के पतन का हिस्सा बने। शाहीन अफरीदी- 2 ओवर में 31 रन दिए, केवल एक विकेट (अक्षर पटेल) लिया। बल्लेबाजी में 19 गेंदों पर 23* रन, लेकिन तब तक मैच हाथ से निकल चुका था। शादाब खान- एक ओवर में 17 रन लुटाए। बल्लेबाजी में 15 गेंदों पर 14 रन बनाकर आउट।

मोहम्मद यूसुफ ने भी उठाई आवाज

शाहिद अफरीदी ही नहीं, पूर्व दिग्गज मोहम्मद यूसुफ ने भी सोशल मीडिया पर लिखा- शाहीन, बाबर और शादाब का समय खत्म हो चुका है। पाकिस्तान की टी20 टीम को अब नए प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ियों की जरूरत है, कमजोर टीमों के खिलाफ खाली जीत नहीं।

नामीबिया मैच में कौन ले सकता है जगह?

अगर टीम मैनेजमेंट बदलाव करता है तो संभावित विकल्प- फखर जमान, सलमान मिर्जा, ख्वाजा नफेया नसीम शाह निचले क्रम में बल्लेबाजी भी कर सकते हैं, जबकि ख्वाजा नफे बल्लेबाजी मजबूत करने का विकल्प हो सकते हैं। अब देखना दिलचस्प होगा कि कप्तान सलमान आगा किस संयोजन के साथ मैदान में उतरते हैं।

बयान देने की बजाय क्रिकेट पर ध्यान देना चाहिए

कनेरिया ने पाक के खराब प्रदर्शन की आलोचना की

कोलंबो (एजेंसी)। पूर्व स्पिनर दानिश कनेरिया ने टी20 वर्ल्ड कप मैच में भारत के खिलाफ खराब प्रदर्शन के बाद पाकिस्तान की कड़ी आलोचना की। उन्होंने कहा कि इस नतीजे से पता चलता है कि लक्ष्य का पीछा करते समय टीम कितनी संघर्ष करती है। उन्होंने सुझाव दिया कि खिलाड़ियों को मैदान के बाहर बयान देने के बजाय अपने क्रिकेट पर ज्यादा ध्यान देना चाहिए। बल्ले और गेंद से शानदार प्रदर्शन करते हुए डिफेंडिंग चैंपियन भारत ने रविवार को आर. प्रेमदासा स्टेडियम में पाकिस्तान को 61 रन से हराकर सुपर 8 के लिए क्वालीफाई किया।

कनेरिया ने मीडिया से ??कहा, पाकिस्तान ने बहुत निराशाजनक क्रिकेट खेला। उन्हें बयान देने की बजाय आगे बढ़कर मैदान पर अपने प्रदर्शन पर ध्यान देना चाहिए। उस्मान तारिक ने दावा किया था कि वह अकेले ही पाकिस्तान को जीत दिलाएंगे। इसके उलट, भारतीय खिलाड़ियों की एक अच्छी बात यह है कि वे ज्यादा बातें नहीं करते; वे मैदान पर अपने प्रदर्शन को खुद बोलने देते हैं। ईशान किशन की तूफानी शुरुआत की वजह से भारत ने कोलंबो में टी20 वर्ल्ड कप में भारत बनाम पाकिस्तान मुकाबले में 175/7 का सबसे बड़ा स्कोर बनाने में मदद की। जवाब में पाकिस्तान के टॉप चार स्पिनरों ने उन्हें मुश्किल से निकाला और मिलकर सिर्फ 15 रन बनाए जिसके बाद भारतीय स्पिनरों ने दो ओवर बाकी रहते जीत पक्की कर दी।

कनेरिया ने कहा, पाकिस्तान जानता था कि टारगेट का पीछा करना आसान नहीं है। क्या उन्हें सच में यकीन था कि उनका बॉलिंग अटैक इतना मजबूत है कि वे इतने बड़े भारतीय बैटिंग लाइनअप को लगभग 100 रन पर आउट कर सकें और आराम से टोटल को पार कर सकें? मजेदार बात यह है कि भारत काफी समय से श्रीलंका में नहीं खेला है, जबकि पाकिस्तान पहले ही वहां कई मैच खेल चुका है और अभी भी श्रीलंका में है। क्या कोच को हालात समझ नहीं आए? ऐसा लग रहा था कि कोई स्ट्रैटेजी ही नहीं थी, ऐसा लग रहा था कि गेम प्लान की कमी थी।

उन्होंने आगे कहा, अब पूरी दुनिया जानती है कि पाकिस्तान लक्ष्य हासिल करते समय स्ट्रगल करता है। यह अच्छी बात है कि उन्होंने टॉस जीतकर पहले बैटिंग करने का फैसला नहीं किया; नहीं तो वे लगभग 100 रन पर आउट हो सकते थे। सिर्फ एसोसिएट देशों के खिलाफ अच्छा परफॉर्म करने के बाद यह दावा करना कि आप किसी को भी हरा सकते हैं, सच नहीं लगता। पांड्या, जिन्होंने भारत के लिए बॉलिंग शुरू की, ने अपने पहले ओवर में साहिबजादा फरहान को चार बॉल पर जीरो पर आउट किया। इस बीच जसप्रीत बुमराह ने सैम अयूब और पाकिस्तान के कप्तान सलमान आगा को आउट किया। फिर अक्षर पटेल ने पावरप्ले में भारत के लिए 4 विकेट लिए जिससे अनुभवी बाबर आजम मैच से बाहर हो गए। उन्होंने कहा, एक सीनियर खिलाड़ी के तौर पर बाबर आजम को मुश्किल समय में टीम को गाइड करना चाहिए था, जैसे रू धोनी और विराट कोहली ने भारत के लिए किया है। कनेरिया ने कहा, कोई साफ गेम प्लान नहीं था और टीम मैनेजमेंट को शुरुआती विकेट गिरने के बाद पारी को संभालने के लिए साफ मैसेज देना चाहिए था कि बैट्समैन को कम से कम 10-12 ओवर तक टिके रहने की जरूरत है।

भारतीय महिला टीम ने डकवर्थ-लुईस से 21 रन से जीती

नईदिल्ली (एजेंसी)। भारतीय महिला क्रिकेट टीम ने 15 फरवरी 2026 को ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ पहले टी-20 मैच में डकवर्थ-लुईस (डीएलएस) नियम के तहत 21 रनों से जीत दर्ज की। सिडनी में खेले गए मैच में बारिश के कारण जब खेल रोका गया, उस समय भारत लक्ष्य का पीछा करते हुए 5.1 ओवर में 1 विकेट के नुकसान पर 50 रन बना चुका था। उस समय डीएलएस के अनुसार भारत को जीत के लिए 29 रन तक पहुंचना जरूरी था। भारतीय टीम इस पार स्कोर से 21 रन आगे थी। इसलिए नियमानुसार भारत को 21 रन से विजेता घोषित किया गया।

अरुंधति रेड्डी ने करियर का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करते हुए 22 रन देकर 4 विकेट लिए, जबकि रेणुका सिंह ने भी शानदार गेंदबाजी की। दोनों की बेहतरीन गेंदबाजी की बदौलत भारत ने ऑस्ट्रेलिया को 133 रन पर समेट दिया।

लक्ष्य का पीछा करते हुए शेफाली वर्मा, स्मृति मंधाना और जेमिमा रोड्रिग्स ने तेज बल्लेबाजी की और बारिश आने से पहले ही टीम को जीत की मजबूत स्थिति में पहुंचा दिया।

इस जीत के साथ भारतीय टीम अब ऑस्ट्रेलिया में अपनी दूसरी बाइलेटरल टी-20 सीरीज जीतने से सिर्फ एक कदम दूर है।

रेणुका सिंह का पावरप्ले में दबदबा, ऑस्ट्रेलिया को शुरुआत में रोका- मैच की शुरुआत में रेणुका सिंह ने अपनी स्विंग से ऑस्ट्रेलियाई बल्लेबाजों को काफी परेशान किया। उन्होंने पावरप्ले में लगातार तीन ओवर फेंके। हालांकि उनके पहले ओवर की आखिरी दो गेंदों पर चौके लगे, लेकिन उन्होंने शानदार वापसी की। रेणुका ने अपने अगले दो ओवरों में सिर्फ 2 रन दिए और बेथ मूनी का विकेट झटका।

एआई क्षेत्र में भारत-अमेरिका साझेदारी से कई क्षेत्रों में बड़े अवसर : बिपुल सिन्हा

» न्यूयॉर्क, भाषा।

एआई संचालन क्षेत्र की दिग्गज कंपनी रूब्रिक के चेयरमैन और मुख्य कार्यकारी अधिकारी बिपुल सिन्हा ने कहा कि कृत्रिम मेधा (एआई) के क्षेत्र में भारत तथा अमेरिका की मजबूत साझेदारी स्वास्थ्य सेवा, शिक्षा, रोजगार प्रशिक्षण एवं डिजिटल साक्षरता जैसे क्षेत्रों में अपार संभावनाएं पैदा कर सकती है। सिन्हा ने यहां पीटीआई-भाषा से कहा, मैं भारत-अमेरिका संबंधों का बड़ा पक्षधर रहा हूं क्योंकि अमेरिका के पास प्रौद्योगिकी ज्ञान, तकनीकी बौद्धिक संपदा और बड़े स्तर पर तकनीक विकसित करने की क्षमता है, जबकि भारत के पास विशाल मानव संसाधन, 1.4 अरब की आबादी, बड़ी युवा संख्या और तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्था है।

वह 16 से 20 फरवरी तक नई दिल्ली में होने वाले इंडिया एआई इम्पैक्ट समिट में भाग लेंगे। यह दुनिया भर के नेताओं, नीति-निर्माताओं और नवोन्मेषकों का वैश्विक सम्मेलन है, जिसमें एआई के भविष्य की दिशा पर चर्चा होगी। भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान खड़गपुर और व्हार्टन स्कूल के पूर्व छात्र सिन्हा ने 2014 में रुब्रिक की सह-स्थापना की थी जिसका मुख्यालय पालो आल्टो में है। उन्होंने कहा कि निवेश और प्रौद्योगिकी भारत के विकास को गति दे रहे हैं, इसलिए दोनों देशों का, खासकर एआई क्षेत्र में साथ आना लोगों तक स्वास्थ्य सेवा, शिक्षा, नौकरी प्रशिक्षण, डिजिटल साक्षरता और एआई आधारित क्षमताएं पहुंचाने का बड़ा अवसर है। सिन्हा ने इस बात पर बल दिया कि यदि किसी देश को करोड़ों लोगों को मध्यम वर्ग में लाना है तो प्रौद्योगिकी ही इसका समाधान है। उन्होंने कहा, एआई दोनों देशों के बीच मजबूत साझेदारी का माध्यम बन सकता है, जिससे अमेरिकी कंपनियां भारतीय संस्थाओं को सही तकनीक उपलब्ध करा सकें और भारत अपनी बड़ी आबादी को समृद्ध मध्यम वर्ग में बदल सके। सिन्हा ने कृत्रिम मेधा को हमारे जीवन की सबसे परिवर्तनकारी तकनीक बताते हुए कहा कि इसका प्रभाव व्यक्तियों, समाज, कारोबार और देशों सभी पर पड़ेगा। उनके अनुसार, लोगों और समाज के लिए एआई का मतलब नई नौकरी का प्रशिक्षण और काम के नए तरीके होंगे, जबकि कंपनियों के लिए इसमें जोखिम और अवसर दोनों होंगे। सिन्हा ने कहा, एआई 100 गुना अधिक अवसर देता है, लेकिन 100 गुना ज्यादा खतरे भी लाता है, क्योंकि अब कोई व्यक्ति दूर से ही आपके पूरे कारोबार को नियंत्रित कर सकता है और भारी नुकसान पहुंचा सकता है। उन्होंने कहा, भारत तकनीकी प्रतिभा का बड़ा केंद्र है, इसलिए भारतीय कंपनियों के लिए वैश्विक सेवाएं देने में एआई बेहद महत्वपूर्ण होगा। सोचिए, 1.4 अरब लोगों वाले देश में एआई की मदद से बड़े पैमाने पर स्वास्थ्य, शिक्षा और कई सेवाएं दी जा सकती हैं-यह बहुत बड़ा मौका है। सिन्हा ने कहा, मैं कहूंगा कि भारत सरकार और भारतीय कंपनियों ने साथ मिलकर बहुत अच्छा काम किया है और उन्होंने एआई आधारित नए तकनीकी केंद्रों के लिए करीब 100 अरब डॉलर का निवेश करने की प्रतिबद्धता जताई है। उन्होंने कहा, डेटा सेंटर में निवेश, सरकार की कर छूट और एआई ढांचे में निवेश के साथ भारत बड़ी छलांग लगा रहा है। मुझे उम्मीद है कि भारत में निजी और सरकारी क्षेत्र सहित पूरा बाजार एआई पर केंद्रित है।

भारत में शिखर सम्मेलन एआई के पूर्ण लाभों को प्राप्त करने का अहम अवसर : ब्रिटेन के उपप्रधानमंत्री

लंदन, भाषा। ब्रिटेन की सरकार ने कहा है कि सोमवार से भारत में शुरू होने जा रहे एआई इम्पैक्ट समिट में ब्रिटेन का ध्यान इस बात को रेखांकित करने पर रहेगा कि कृत्रिम मेधा (एआई) किस प्रकार विकास को गति दे सकती है, नए रोजगार सृजित कर सकती है, सार्वजनिक सेवाओं में सुधार कर सकती है और किस प्रकार दुनिया भर के लोगों को लाभ पहुंचा सकती है। उपप्रधानमंत्री डेविड लैमी और एआई मंत्री कनिष्क नारायण के नेतृत्व में ब्रिटेन का प्रतिनिधिमंडल इस बात पर प्रकाश डालने के लिए उत्सुक है कि एआई दुनिया के हर कोने में रोजमर्रा की जिंदगी को कैसे बेहतर बना सकता है और एक नवीनीकरण इंजन के रूप में यह किस तरह डॉक्टरों को तेजी से निदान करने, शिक्षकों को व्यक्तिगत शिक्षण प्रदान करने, परिषदों को मिनटों में सेवाएं प्रदान करने और व्यवसायों को अगली पीढ़ी के अच्छे रोजगार सृजित करने में मदद कर सकता है। लैमी ने शिखर सम्मेलन से पहले जारी एक बयान में कहा, यह शिखर सम्मेलन यह निर्धारित करने का एक महत्वपूर्ण क्षण है कि हम एआई के पूर्ण लाभों और क्षमता को उजागर करने के लिए अपने अंतरराष्ट्रीय भागीदारों के साथ मिलकर कैसे काम कर सकते हैं...। विज्ञान, नवाचार और प्रौद्योगिकी विभाग (डीएसआईटी) ने कहा कि भारत और ब्रिटेन स्वाभाविक प्रौद्योगिकी साझेदार हैं, और इन्फोसिस, टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस) तथा विप्रो जैसी दिग्गज सॉफ्टवेयर कंपनियां ब्रिटेनभर में अपना विस्तार कर रही हैं। वेल्स से भारतीय मूल के पहले सांसद नारायण ने कहा, एआई हमारी पीढ़ी की निर्णायक तकनीक है और हम यह सुनिश्चित करने के लिए दृढ़ संकल्पित हैं कि यह सभी के लिए लाभदायक हो। एआई मंत्री ने कहा कि ब्रिटेन अग्रणी भूमिका निभा रहा है, एआई के लिए एक वैश्विक दृष्टिकोण को आगे बढ़ा रहा है जो दुनिया भर के लोगों को अधिक सीखने, अधिक कमाने और अपनी शर्तों पर भविष्य को आकार देने में मदद करता है। उन्होंने कहा, हम यह सुनिश्चित करने के लिए पूरी तरह से एकमत हैं कि ब्रिटेन और भारत के लोग केवल दूसरों द्वारा विकसित की जा रही एआई को देखें ही नहीं, बल्कि स्वयं एआई का निर्माण करें और उससे सीधे लाभ भी उठाएं। दिल्ली के अलावा, नारायण बेंगलुरु की यात्रा भी करेंगे ताकि यह देखा जा सके कि भारत और ब्रिटेन अभूतपूर्व प्रौद्योगिकी के लाभ प्राप्त करने के लिए किस प्रकार मिलकर काम कर रहे हैं। डीएसआईटी ने कहा कि दोनों देश अत्याधुनिक अनुसंधान में करोड़ों डॉलर का निवेश कर रहे हैं - बेहतर बैटरी और ग्रामीण समुदायों के लिए अगली पीढ़ी के दूरसंचार से लेकर दुर्लभ बीमारियों से निपटने में सक्षम जीनोमिक मेडिसिन तक। विभाग ने कहा कि भारत आम तौर पर ब्रिटेन के व्यवसायों के लिए भी एक अत्यंत महत्वपूर्ण बाजार है और ब्रिटेन की कंपनियां भारत में अपने कारोबार से 47.5 अरब पाउंड से अधिक का राजस्व अर्जित करती हैं। इस सप्ताह एआई इम्पैक्ट समिट के दौरान, ब्रिटेन अफ्रीकी भाषा केंद्र के लिए नए समर्थन की घोषणा कर सकता है, जिससे एआई 40 अफ्रीकी भाषाओं में काम कर सकेगा और इस तकनीक को लाखों लोगों के लिए अधिक समावेशी और सुलभ बनाया जा सकेगा। इसका मकसद यह सुनिश्चित करना है कि विकासशील देशों को भी एआई क्रांति का पूरा लाभ मिले। यह कार्यक्रम 16 से 20 फरवरी तक होगा, जिसमें 30 से अधिक देशों के प्रतिनिधियों के शामिल होने की उम्मीद है।

प्रधानमंत्री मोदी 25 और 26 फरवरी को इजराइल दौरे पर रहेंगे

दो दिवसीय यात्रा के दौरान मोदी द्विपक्षीय और क्षेत्रीय महत्व के सभी मुद्दों को उठाएंगे

» यरूशलम, भाषा।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी 25 और 26 फरवरी को दो दिवसीय इजराइल दौरे पर रहेंगे। सूत्रों ने सोमवार को यह जानकारी दी। इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने रविवार को संपन्न कॉन्फ्रेंस ऑफ प्रेसिडेंट्स ऑफ मेजर अमेरिकन ज्यूइश ऑर्गनाइजेशंस को संबोधित करते हुए मोदी की यात्रा की घोषणा की। नेतन्याहू ने कहा, संसद में संबोधन प्रस्तावित है। अगले सप्ताह यहां कौन आ रहे हैं? नरेन्द्र मोदी। उन्होंने कहा, इजराइल और भारत के बीच गहरी साझेदारी है और हम विभिन्न प्रकार के सहयोग पर चर्चा करने जा रहे हैं। आप जानते हैं कि भारत कोई छोटा देश नहीं है। इसकी आबादी 1.4 अरब है। भारत अत्यंत शक्तिशाली और अत्यंत लोकप्रिय है। एक सूत्र ने यहांबताया कि प्रधानमंत्री मोदी की यात्रा संक्षिप्त (25 से 26 फरवरी तक) रहने की संभावना है, लेकिन इसका प्रभाव गहरा होगा, क्योंकि मोदी को न केवल इजराइल में, बल्कि दुनिया भर में लोकप्रियता हासिल है।

यात्रा का कार्यक्रम तैयार किया जा रहा है और इस दौरान मोदी के इजराइली संसद नेसेट को संबोधित करने की संभावना है। समझा जाता है कि दो दिवसीय यात्रा के दौरान मोदी द्विपक्षीय और क्षेत्रीय महत्व के सभी मुद्दों को उठाएंगे। मोदी की यह इजराइल की दूसरी यात्रा होगी। इससे पहले वह जुलाई 2017 में इजराइल गए थे, जो किसी भारतीय प्रधानमंत्री की यहूदी राष्ट्र की पहली यात्रा थी। भारतीय प्रधानमंत्री की यह उच्च स्तरीय यात्रा दोनों पक्षों के बीच हाल में हुई कई मंत्रिस्तरीय यात्राओं के बाद हो रही है। इजराइल के पर्यटन मंत्री हैम काट्ज, अर्थव्यवस्था और उद्योग मंत्री निर बरकत, कृषि एवं खाद्य सुरक्षा मंत्री अवी डिचर तथा वित्त मंत्री बेज़ालेल स्मोट्रिच ने पिछले वर्ष भारत का दौरा किया था। दोनों रणनीतिक साझेदार देश मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) पर हस्ताक्षर की दिशा में आगे बढ़ रहे हैं। स्मोट्रिच की यात्रा के दौरान दोनों देशों ने द्विपक्षीय निवेश संधि (बीआईटी) पर हस्ताक्षर किए थे। इसके बाद वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल की नवंबर में इजराइल यात्रा के दौरान एफटीए के लिए टर्म्स ऑफ रेफरेंस (कार्य के दायरे) पर सहमति बनी। विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने दिसंबर में इजराइल का दौरा किया था। इस दौरान उन्होंने नेतन्याहू, राष्ट्रपति आइजैक हर्ज़ोग, विदेश मंत्री गिदोन सार और बरकत से मुलाकात की थी। नवंबर में भारत और इजराइल ने रक्षा, औद्योगिक और तकनीकी सहयोग को बढ़ावा देने के लिए एक महत्वपूर्ण समझौते पर हस्ताक्षर किए, जिसके तहत उन्नत प्रौद्योगिकी साझा कर सह-विकास और सह-उत्पादन को प्रोत्साहित किया जाएगा। इजराइल और भारत के संयुक्त कार्य समूह (जेडब्ल्यूजी) की वार्षिक बैठक नवंबर में तेल अवीव में हुई। बैठक की अध्यक्षता इजराइल के रक्षा मंत्रालय (आईएमओडी) के महानिदेशक मेजर जनरल (रिजर्व) आमिर बाराम और भारत के रक्षा सचिव राजेश कुमार सिंह ने की थी। बाराम ने बैठक के बाद कहा, भारत के साथ यह रणनीतिक संवाद दोनों देशों के लिए एक महत्वपूर्ण समय पर हो रहा है। हमारी रणनीतिक साझेदारी परस्पर गहरे विश्वास और साझा सुरक्षा हितों पर आधारित है। हम भारत को प्रथम श्रेणी का रणनीतिक साझेदार मानते हैं और रक्षा, प्रौद्योगिकी एवं उद्योग के क्षेत्रों में सहयोग को और गहरा करने के लिए प्रतिबद्ध हैं। अलग से, प्रमुख रक्षा उद्योगों के मुख्य कार्यकारी अधिकारियों के साथ एक विशेष बैठक भी आयोजित की गई, जिसमें इजराइल की उन्नत और अभिनव प्रौद्योगिकियों तथा औद्योगिक-रक्षा साझेदारी को मजबूत करने से जुड़े विचारों और परियोजनाओं को प्रस्तुत किया गया। एक रक्षा सूत्र ने बताया, समझौते में सहयोग के विभिन्न क्षेत्रों की पहचान की गई है, जिससे दोनों देशों को लाभ होगा। महत्वपूर्ण क्षेत्रों में संयुक्त योजना, प्रशिक्षण, रक्षा औद्योगिकी सहयोग, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी, अनुसंधान एवं विकास, तकनीकी नवाचार, कृत्रिम बुद्धिमत्ता में क्षमता निर्माण और साइबर सुरक्षा सहयोग शामिल हैं। उन्होंने कहा, यह उन्नत प्रौद्योगिकी साझा करने में सक्षम बनाएगा और सह-विकास एवं सह-उत्पादन को बढ़ावा देगा। सूत्रों के अनुसार, दोनों पक्षों ने आतंकवाद जैसी साझा चुनौतियों सहित विभिन्न मुद्दों पर भी विचार-विमर्श किया।

उत्तर कोरिया ने यूक्रेन युद्ध में मारे गए अपने सैनिकों के परिजन के लिए बनाया नया आवासीय परिसर

सियोल, भाषा। उत्तर कोरिया ने सोमवार को कहा कि उसने रूस और यूक्रेन के बीच जारी युद्ध में रूस की तरफ से लड़ने और प्राण गंवाने वाले देश के सैनिकों के परिजन के लिए प्योंगयांग में एक नया आवासीय परिसर तैयार किया है। यह कदम उत्तर कोरियाई नेता किम जोंग उन की ओर से युद्ध में मारे गए सैनिकों को श्रद्धांजलि देने का नया कदम है। सरकारी मीडिया में जारी तस्वीरों में किम आवासीय परिसर की नई सडक़ पर चलते और कुछ सैनिकों के घर जाते दिखे। उनके साथ उनकी बेटी किम जू ए भी थीं, जिन्हें अपने पिता का उत्तराधिकारी माना जा रहा है। हाल के महीनों में उत्तर कोरिया ने यूक्रेन के खिलाफ रूस के युद्ध में लडऩे के लिए भेजे गए सैनिकों की काफी प्रशंसा की है और प्रचार किया है। देश में एक स्मारक दीवार और एक संग्रहालय भी बनाया गया है। जानकारों का मानना है कि यह कदम एकता बढ़ाने और जन असंतोष के खतरे को कम करने की कोशिश है। हाल के महीनों में किम ने यूक्रेन के खिलाफ युद्ध में रूस की मदद के लिए हजारों सैनिक, मिसाइल, बड़ी मात्रा में सैन्य साजो सामान भेजे हैं। माना जा रहा है कि दोनों देश वाशिंगटन के साथ टकराव का सामना करने के लिए एकजुट हो रहे हैं।

चीन में पटाखों की दुकान में विस्फोट, आठ लोगों की मौत

बीजिंग, भाषा। पूर्वी चीन में चंद्र नववर्ष से पहले पटाखों की एक दुकान में विस्फोट होने से आग लगने से आठ लोगों की मौत हो गई और दो अन्य मामूली रूप से झुलस गए। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। डोंगहाई काउंटी सरकार ने एक बयान में कहा कि जियांग्सू प्रांत के एक गांव में रविवार दोपहर विस्फोट तब हुआ जब एक व्यक्ति ने दुकान के पास पटाखा जला दिया। चीन में चंद्र नववर्ष की आधी रात पटाखे जलाना एक परंपरा है लेकिन हाल के वर्षों में वायु प्रदूषण की वजह से कई स्थानों पर पटाखों पर प्रतिबंध लगा दिया गया है। चीन में चंद्र नववर्ष मंगलवार को मनाया जाएगा। रविवार के विस्फोट के बाद, आपातकालीन प्रबंधन मंत्रालय ने सभी क्षेत्रों से भविष्य की दुर्घटनाओं को रोकने के लिए पटाखों के उत्पादन, परिवहन, बिक्री और उपयोग की निगरानी मजबूत करने का आग्रह किया है।

न्यूज ब्रीफ

सिंगापुर : महिला की गरिमा को ठेस पहुंचाने के इरादे के लिए भारतीय मूल के व्यक्ति को जेल

» सिंगापुर, भाषा।

सिंगापुर में भारतीय मूल के एक व्यक्ति को एक महिला की गरिमा को ठेस पहुंचाने के इरादे से उसके खिलाफ आपराधिक बल प्रयोग करने के जुर्म में पांच महीने की जेल की सजा सुनाई गई है। द स्ट्रेट्स टाइम्स अखबार में सोमवार को प्रकाशित खबर में यह जानकारी दी गई। खबर के मुताबिक, शुक्रवार को सजा के ऐलान के दौरान अदालत ने कहा कि 42 वर्षीय ओम कुमार राय ने अपना अपराध स्वीकार कर लिया है।

इसमें बताया गया है कि राय 22 वर्षीय पीड़िता के पिता का सहकर्मी है और वह 17 जून 2025 को तड़के पीड़िता से मिलने पहुंचा था। अभियोजन पक्ष के अनुसार, राय पीड़िता को बातचीत के बहाने एक सुनसान जगह पर ले गया और उसके साथ छेड़खानी की। अभियोजन पक्ष ने बताया कि पीड़िता राय को धक्का देकर उसके चंगुल से भागने में सफल रही और अपने माता-पिता को घटना से अवगत कराया, जिसके बाद उन्होंने उसी दिन सुबह नौ बजे पुलिस में शिकायत दर्ज कराई। अभियोजकों ने राय को पांच से छह महीने की जेल की सजा देने का अनुरोध किया था। सिंगापुर में किसी महिला की गरिमा को ठेस पहुंचाने के इरादे से आपराधिक बल प्रयोग करने के दोषी व्यक्ति को तीन साल तक की जेल और जुर्माने की सजा देने का प्रावधान है।

तारिक रहमान आज बांग्लादेश के नए प्रधानमंत्री के रूप में शपथ लेंगे

» ढाका, भाषा।

बांग्लादेश में महत्वपूर्ण आम चुनावों में अपनी पार्टी बीएनपी को शानदार जीत दिलाने के बाद तारिक रहमान देश के अगले प्रधानमंत्री के रूप में मंगलवार को शपथ लेंगे। लंबे समय से चली आ रही एक परंपरा को तोड़ते हुए बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी (बीएनपी) के अध्यक्ष तारिक रहमान (60) का शपथ ग्रहण समारोह बंगभवन के बजाय संसद परिसर के साउथ प्लाजा में आयोजित किया जाएगा सरकारी समाचार एजेंसी बीएसएस ने सोमवार को बताया कि राष्ट्रपति मोहम्मद शहाबुद्दीन मंगलवार दोपहर को जातीय संसद के साउथ प्लाजा में नए मंत्रिमंडल सदस्यों को शपथ दिलाएंगे।

जातीय संसद सचिवालय की सचिव कनीज मौला ने बीएसएस को पहले बताया था, संसद सचिवालय में कल शाम चार बजे नए मंत्रिमंडल सदस्यों का शपथ ग्रहण समारोह आयोजित किया जाएगा। इससे पहले सांसद सुबह 10 बजे जातीय संसद परिसर के साउथ प्लाजा में शपथ लेंगे। रहमान के शपथ ग्रहण समारोह में भारत का प्रतिनिधित्व लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला करेंगे।

उत्तर-पश्चिमी पाकिस्तान में बम विस्फोट, एक बच्चे समेत दो की मौत

» पेशावर, भाषा।

उत्तर-पश्चिमी पाकिस्तान में सोमवार को एक पुलिस थाने के पास हुए बम विस्फोट में एक बच्चे सहित कम से कम दो लोगों की मौत हो गई तथा 16 अन्य घायल हो गए। स्थानीय पुलिस ने यह जानकारी दी। उत्तरी वजीरिस्तान की सीमा से सटे बन्नू जिले के मेरियन पुलिस थाने के बाहर खड़े एक ऑटो रिक्शा में रखी विस्फोटक सामग्री में जोरदार धमाका हुआ।

पुलिस ने बताया कि घायलों को इलाज के लिए बन्नू जिला मुख्यालय अस्पताल ले जाया गया। इस धमाके से आसपास के इलाकों में दहशत और डर का माहौल पैदा हो गया है। पुलिस ने बताया कि घटनास्थल पर अतिरिक्त पुलिस टुकड़ियों को भेजा गया है।

बांगलादेश संसद के लिए दो हिंदुओं समेत अल्पसंख्यक समुदाय के चार उम्मीदवार निर्वाचित

» ढाका, भाषा।

बांग्लादेश में हाल में हुए आम चुनावों में अल्पसंख्यक समुदायों के चार उम्मीदवारों ने जीत हासिल की, जिनमें दो हिंदू भी शामिल हैं। ये सभी उम्मीदवार बीएनपी के थे। बीएनपी मंगलवार को सरकार बनाने वाली है। गोएश्वर चंद्र रॉय और निताई रॉय चौधरी बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी (बीएनपी) के टिकट पर चुनाव जीतने वाले दो हिंदू उम्मीदवार हैं। उन्होंने ढाका की एक सीट और पश्चिमी मागुरा निर्वाचन क्षेत्र से जमात-ए-इस्लामी द्वारा मैदान में उतारे गए अपने प्रतिद्वंद्वियों को हराकर जीत हासिल की। रॉय बीएनपी की नीति-निर्माण संबंधी शीर्ष स्थाई समिति के सदस्य हैं, जबकि चौधरी पार्टी के प्रमुख उपाध्यक्षों में से एक होने के साथ-साथ इसके शीर्ष नेतृत्व के लिए एक वरिष्ठ सलाहकार और रणनीतिकार भी हैं।

तीसरे अल्पसंख्यक सांसद निर्वाचित हुए हैं साचिंग पुरू, जो बीएनपी के वरिष्ठ नेता और बौद्ध धर्म के अनुयाई हैं। वह दक्षिणी पहाड़ी जिले बंदरबन के मरमा जनजातीय समुदाय का प्रतिनिधित्व करते हैं। उन्हें बंदरबन से चुनाव में जीत मिली है। चौथे अल्पसंख्यक उम्मीदवार दिपेन दीवान, बौद्ध बहुसंख्यक चकमा जातीय अल्पसंख्यक समूह से संबंधित हैं, जिन्होंने दक्षिण-पूर्वी रंगमती पहाड़ी जिले के एक निर्वाचन क्षेत्र से जीत हासिल की। हालांकि, उनकी धार्मिक पहचान अस्पष्ट है, और कई लोग उन्हें हिंदू बताते हैं। मुस्लिम बहुल बांग्लादेश की जनसंख्या 17 करोड़ है, जिसमें हिंदुओं की आबादी लगभग आठ प्रतिशत है। निर्वाचन आयोग के अनुसार, बृहस्पतिवार को हुए चुनाव में धार्मिक अल्पसंख्यक समुदायों के 79 उम्मीदवारों ने भाग लिया, जिनमें 10 महिलाएं शामिल थीं। इनमें मुख्य रूप से हिंदू समुदाय के उम्मीदवार थे। कुल 67 उम्मीदवारों को 22 राजनीतिक दलों ने नामित किया था, जबकि 12 उम्मीदवार निर्दलीय चुनावी मुकाबले में उतरे थे। बांग्लादेश की कम्युनिस्ट पार्टी (सीपीबी) ने सबसे अधिक 17 अल्पसंख्यक उम्मीदवारों को मैदान में उतारा। वामपंथी झुकाव वाली पार्टी बांग्लादेश साम्यबादी दल (बीएसडी) ने आठ अल्पसंख्यक उम्मीदवारों, बांग्लादेश अल्पसंख्यक जनता पार्टी (बीएमजेपी) ने आठ, बांग्लादेश समाजतांत्रिक दल (बेसोद) ने सात अल्पसंख्यक उम्मीदवारों को चुनाव मैदान में उतारा था। बीएनपी ने छह उम्मीदवार मैदान में उतारे और जातीय पार्टी ने चार उम्मीदवार नामित किए। जमात-ए-इस्लामी ने पहली बार किसी अल्पसंख्यक हिंदू उम्मीदवार को चुनावी मैदान में उतारा। वर्ष 2024 के चुनाव में हिंदू सांसदों की संख्या 17 थी और 2018 के चुनाव में भी इतने ही हिंदू सदस्यों ने जीत हासिल की थी। इनमें से अधिकांश हसीना की अवामी लीग से संबंधित थे। तारिक रहमान के नेतृत्व में बीएनपी ने चुनावों में 49.97 प्रतिशत मतों और 209 सीट के साथ दो-तिहाई बहुमत से सत्ता हासिल की।

जयशंकर ने द्विपक्षीय सहयोग बढ़ाने पर अपनी कनाडाई समकक्ष अनीता आनंद के साथ चर्चा की

म्यूनिख, भाषा। विदेश मंत्री एस. जयशंकर और उनकी कनाडाई समकक्ष अनीता आनंद ने अगले महीने प्रधानमंत्री मार्क कार्नी की संभावित भारत यात्रा से पहले म्यूनिख सुरक्षा सम्मेलन के दौरान द्विपक्षीय सहयोग प्रगाढ़ करने और साझेदारी के अवसरों पर चर्चा की। ग्लोबल अफेयर्स कनाडा (जीएसी) द्वारा रविवार को जारी एक बयान में कहा गया है कि सितंबर 2025 के बाद से मंत्रियों के बीच यह पांचवीं बैठक है, जो कनाडा-भारत संबंधों में बढ़ती गति को दर्शाती है। जयशंकर ने शनिवार को हुई बैठक के बाद सोशल मीडिया पर पोस्ट किया, कनाडा की विदेश मंत्री अनीता आनंद से मुलाकात और बातचीत बहुत अच्छी रही। भारत-कनाडा संबंध लगातार प्रगति कर रहे हैं। दोनों मंत्रियों ने ऊर्जा, प्रौद्योगिकी और व्यापार सहित कई क्षेत्रों में सहयोग को और प्रगाढ़ करने पर चर्चा की। आनंद ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट में कहा, कनाडा-भारत संबंधों और हमारे साझा हितों को आगे बढ़ाने के लिए आगामी कार्यों पर चर्चा करने के लिए मेरे भारतीय समकक्ष डॉ. एस जयशंकर से मिलकर अच्छा लगा। आनंद ने कनाडा के लिए एक साझेदार के रूप में भारत के महत्व को रेखांकित किया, क्योंकि दोनों मंत्रियों ने दोनों देशों के व्यवसायों, उद्योगों और श्रमिकों के लिए तकनीकी लाभों और महत्वपूर्ण साझेदारी के अवसरों पर चर्चा की। उन्होंने कहा, कनाडा रचनात्मक सहयोग के लिए प्रतिबद्ध है, और मैं भारत में अपने प्रयासों को जारी रखने के लिए उत्सुक हूं। मंत्रियों ने अक्टूबर 2025 में घोषित कनाडा-भारत संबंधों की संयुक्त रूपरेखा पर हुई ठोस प्रगति पर भी जोर दिया। खालिस्तानी अलगाववादी हरदीप सिंह निज्जर की हत्या में संभावित भारतीय संलिप्तता होने का 2023 में तत्कालीन प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो द्वारा आरोप लगाए जाने के बाद भारत-कनाडा संबंध में तनाव आ गया था। भारत ने ट्रूडो के आरोपों को बेतुका बताते हुए खारिज कर दिया था।

2015 में पेरिस समझौते के लिए हुई वार्ताओं में ओबामा की कूटनीतिक विश्वसनीयता मजबूत हुई

समीक्षा : ट्रंप ने उत्सर्जन से निपटने संबंधी पुराने कानूनी आधार को समाप्त किया

» मेलबर्न, भाषा।

जलवायु उत्सर्जन को नियंत्रित करना अब और भी मुश्किल हो गया है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने बृहस्पतिवार को घोषणा की कि पर्यावरण संरक्षण एजेंसी (ईपीए) ने 2009 के अपने उस कानूनी निष्कर्ष को रद्द कर दिया है कि ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन से मानव स्वास्थ्य को खतरा है। साल 2007 में सर्वोच्च न्यायालय के एक फैसले से पुष्टि प्राप्त होने और वैज्ञानिक साक्ष्यों के आधार पर तैयार किए गए ईपीए के इस तथाकथित खतरे संबंधी निष्कर्ष ने संघीय सरकार को ग्रीनहाउस गैसों के विनियमन का कानूनी आधार प्रदान किया था। इसी निष्कर्ष के आधार पर ओबामा प्रशासन की क्लीन पावर प्लान नीति तैयार की गई, जिसके तहत बिजली संयंत्रों से होने वाले उत्सर्जन को नियंत्रित किया गया। अपने पहले कार्यकाल में ट्रंप ने इसे कमजोर करने की कोशिश की थी, लेकिन बाद में बाइडन प्रशासन ने इसका एक नया संस्करण लागू किया।

खतरे की आशंका संबंधी निष्कर्षों के अभाव में और जब तक कांग्रेस के दोनों सदनों द्वारा कोई नया कानून पारित नहीं किया जाता तब तक संघीय सरकार के पास ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन के सीधे नियमन का कानूनी अधिकार नहीं रहता। विज्ञान नहीं बदला है, लेकिन उस पर कार्रवाई करने की बाध्यता को समाप्त कर दिया गया है। यदि आप अमेरिका की कल्पना ग्रीनहाउस गैस से भरे बड़े-बड़े बर्तनों के एक समूह के रूप में करें, जिन पर ढक्कन लगे हों, तो ट्रंप प्रशासन उन ढक्कनों को एक-एक कर हटाता हुआ दिखाई देता है। जीवाश्म ईंधनों के उत्खनन, उत्पादन और खपत को बढ़ाकर वह अधिक उत्सर्जन को वातावरण में छोड़ रहा है। 1970 में, जब अमेरिका में पर्यावरण आंदोलन अपने सबसे प्रभावशाली दौर में था, तब कांग्रेस ने एक महत्वपूर्ण कानून पारित किया, जिसे क्लीन एयर एक्ट कहा गया। इस कानून ने नवगठित पर्यावरण संरक्षण एजेंसी को यह अधिकार दिया कि यदि कोई तत्व सार्वजनिक स्वास्थ्य के लिए खतरा साबित होता है, तो उसे प्रदूषक घोषित किया जा सकता है। शुरुआत में इस कानून का उपयोग धुंध (स्मॉग) या कोयले की राख जैसे औद्योगिक उप-उत्पादों को नियंत्रित करने के लिए किया गया, जो उद्योगों से निकलने वाले प्रदूषक थे। जॉर्ज डब्ल्यू. बुश के राष्ट्रपति कार्यकाल के दौरान, पर्यावरण संरक्षण एजेंसी (ईपीए) ने यह निर्णय दिया कि ग्रीनहाउस गैस भी क्लीन एयर एक्ट के तहत प्रदूषक की श्रेणी में आती हैं। इस निर्णय को 2007 में चुनौती दी गई। हालांकि, अदालत ने पांच बनाम चार न्यायाधीशों के बहुमत से यह फैसला सुनाया कि कार्बन डाइऑक्साइड और अन्य ग्रीनहाउस गैस वायु प्रदूषक हैं, जो मानव स्वास्थ्य और कल्याण के लिए खतरा उत्पन्न करती हैं। अदालत ने ईपीए को इनके प्रभाव का आकलन करने का निर्देश दिया जिससे एजेंसी को इन्हें विनियमित करने का अधिकार मिल गया। हालांकि, बुश प्रशासन ने इस फैसले को लागू करने के लिए ईपीए पर जोर नहीं डाला। बराक ओबामा ने चुनाव अभियान के दौरान जलवायु परिवर्तन पर ठोस कार्रवाई का वादा किया था। लेकिन सत्ता संभालने के बाद उन्हें सीनेट में कड़ा विरोध झेलना पड़ा। उत्सर्जन व्यापार विधेयक पारित कराने के उनके प्रयास विफल हो गए। हालांकि निष्कर्षों ने उन्हें अपनी कार्यकारी शक्तियों का उपयोग करते हुए पर्यावरण संरक्षण एजेंसी को उत्सर्जन को नियंत्रित करने का निर्देश देने की अनुमति दी। अपने पहले कार्यकाल में, ईपीए ने कारों और हल्के ट्रकों के लिए नए वाहन उत्सर्जन नियम जारी किए, साथ ही कुछ बिजली संयंत्रों और रिफाइनरियों के लिए भी नए मानक लागू किए। अपने दूसरे कार्यकाल में ओबामा ने इन नियमों का विस्तार करते हुए उन्हें सभी बिजली संयंत्रों पर लागू कर दिया। ये कदम अमेरिका द्वारा उत्सर्जन में कटौती की दिशा में उठाए गए पहले महत्वपूर्ण प्रयासों का प्रतिनिधित्व करते थे। इन पहलों से 2015 में पेरिस समझौते के लिए हुई वार्ताओं में ओबामा की कूटनीतिक विश्वसनीयता मजबूत हुई। इससे स्वच्छ ऊर्जा के क्षेत्र में चीन के साथ द्विपक्षीय सहयोग के लिए आधार तैयार हुआ और दुनिया के दो सबसे बड़े उत्सर्जक देशों के बीच कूटनीतिक विश्वास को बढ़ाने में मदद मिली। अंतिम चरण की वार्ताओं में दोनों देशों के प्रमुख वार्ताकारों ने मिलकर काम किया, ताकि पेरिस समझौते को अंतिम रूप दिया जा सके और उसे सफलतापूर्वक पारित कराया जा सके। 12 फरवरी को ट्रंप ने घोषणा की कि ईपीए उस कानूनी निष्कर्ष को रद्द करेगा, जिस पर वह लगभग 20 वर्षों से निर्भर रहा है। अमेरिकी अर्थव्यवस्था को डी-कार्बोनाइज करने के प्रयासों पर ट्रंप द्वारा किए गए तमाम प्रहारों में यह सबसे बड़ा कदम माना जा रहा है। ट्रंप का दावा है कि यह कानूनी निष्कर्ष अमेरिकी नागरिकों के हितों को नुकसान पहुंचाता है। वहीं, ट्रंप द्वारा नियुक्त ईपीए प्रमुख ली जेलडिन ने इस नियम को अहम करार दिया।

मुद्रक, प्रकाशक व स्वत्वाधिकारी आरपी न्यूज़ नेटवर्क प्राईवेट लिमिटेड के लिये श्रीराम ऑफसेट, 14, शॉपिंग सेंटर, ज़ोरावरसिंह गेट के बाहर, आमेर रोड, जयपुर से मुद्रित तथा रॉयल पत्रिका कार्यालय: 4312, मोहल्ला नायकान, नाहरवाड़ा, जगन्नाथ शाह का रास्ता, रामगंज, जयपुर से प्रकाशित। पीआरबी एक्ट के अनुसार खबरों के चयन के लिए उत्तरदायित्व संपादक मुन्ना खान मोबाइल नंबर 9772552446, 8058969180 ई-मेल: rpnewsnetworkpvt.ltd@gmail.com